



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 26, 1977/चैत्र 5, 1899

No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 26, 1977/CHAITRA 5, 1899

इस भाग में मिस्त्र पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य भेल प्रशासनों की छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए साधिकारिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities

(other than the Administrations of Union Territories)

मंत्रिमंडल संचालन

(कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1977

का० आ० 902.—खण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा बम्बई के प्रधिकारिता, श्री बी० डी० मंगडे को विशेष पुलिस स्थापना के रेगिस्ट्रेशन नम्बर 2/71-एम-1 में अधियुक्त श्री एन० बी० शाह के विरुद्ध सेशन्स कोर्ट, बम्बई, में अभियोजन का संचालन करने के लिए विशेष लोक-अधियोजक नियुक्त भरती है।

[सं. 225/15/77-ए०बी०सी०-II]

एम० डी० गुप्ता, प्रबन्ध मंत्रिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 902.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure,

1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri V. D. Mengade, Advocate, Bombay, as a Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the accused Shri N. B. Shah, in Special Police Establishment Regular Case No. 2/71-FS(I), in the Court of Sessions, Bombay.

[No. 225/15/77-AVD. III]

S. D. GUPTA, Under Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1977

आदेश

का० आ० 903.—केन्द्रीय सरकार, भारत रक्षा और आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 (1971 का 42) की धारा 34 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि कमाण्डेन्ट, केन्द्रीय प्रीधोगिक सुरक्षा बल मद्रास बन्दरगाह, मारम रक्षा और आंतरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 7 और नियम 52 द्वारा, मद्रास पत्तन क्षेत्र की बाबत, जो तामिलनाडु सरकार को अधिसूचना सं० 11(1) पी० ध० एम० सी०/233सी०/76; तारीख 4 जून, 1976 में, प्रतियिद्ध स्थान के रूप में विनिविष्ट किया गया है, केन्द्रीय सरकार को प्रदत्त शक्तियों का सी प्रयोग करें।

[सं. 11/21019/4/77-एम० ए० ए० डी० II]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 4th March, 1977

ORDER

S.O. 903.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 34 of the Defence and Internal Security of India Act, 1971 (42 of 1971), the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by rules 7 and 52 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, shall, in respect of the Madras Port Area specified as a prohibited place in the notification of the Government of Tamilnadu No. II (1)PUSC/233, C/76, dated the 4th June, 1976, be also exercisable by the Commandant, Central Industrial Security Force, Madras Harbour.

[No. II/21019/4/77-S&P(D. II)]

मई विल्सनी, 14 मार्च, 1977

आवेदन

का० आ० 904.—केन्द्रीय सरकार, भारत रक्षा और आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 (1971 का 42) की घारा 34 की उपधारा (1) के अन्दर (क) घारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियम देता है कि विविरापल्ली जिले में स्थित भारत हीवी इलेक्ट्रिकल्स सिमिटेक, विविरापल्ली जो समिलनाहु सरकार को अधिसूचना से डिल्यू० बी०/1285-81/73 तारीख 16 सितम्बर, 1974 में प्रतिविष्ट स्वाच्छन के रूप में विविरिष्ट किया गया है की वावत भारत रक्षा और आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 के नियम 7 और 52 घारा केन्द्रीय सरकार को प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग भी मुख्य सुरक्षा अधिकारी भारत हीवी इलेक्ट्रिकल्स सिमिटेक, विविरापल्ली द्वारा किया जा सकेगा।

[संख्या II/21019/5/75-एस०एण्ड पी०(बी०-2)]

सुरेश चन्द्र बैराम, निदेशक

New Delhi, the 14th March, 1977

ORDER

S.O. 904.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 34 of the Defence and Internal Security of India Act, 1971 (42 of 1971), the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by rules 7 and 52 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, shall, in respect of the Bharat Heavy Electricals Limited, Tiruchirapalli, in Tiruchirappalli District which is specified as a prohibited place in the notification of the Government of Tamilnadu No. WB/1285-8/73, dated the 16th September, 1974, be exercisable also by the Chief Security Officer, Bharat Heavy Electricals Limited, Tiruchirapalli.

[No. II/21019/5/75-S&P(D. II)]

S. C. VAISH, Director

विधि स्थाय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(स्थाय विभाग)

मई विल्सनी, 5 मार्च, 1977

नोटिस

का० आ० 905.—इसके घारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेशन रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सकाम प्राधिकारी घारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को रघुवीर मिह कुमार, पटवांकेट, श्री पश्चि मिह मन्त्र, चिकावा (गाजम्थान) ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, चिकावा और खेतरी महसीन में लेख्य प्रमाणक (नोटेशन) का काम करने की नियुक्ति के लिए प्रावेदन-पत्र भेजा है।

उक्त अधिकृत की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के बादह विष के अन्वर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिखा कर में जिये जायें।

[संख्या 22/75/न्यायिक-3]

प्रारूप वासुदेवन, सकाम अधिकारी और उप-सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Dept. of Justice)

New Delhi, the 5th March, 1977

NOTICE

S.O. 905.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Raghbir Singh Kulhar, Advocate, Shri Panney Singh Sadan, Chirawa, Distt. Jhunjhunu, Rajasthan for appointment as a Notary to practice in Chirawa and Khetri Tehsils.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. 22/75/76-Jus.]

R. VASUDEVAN, Dy. Secy.
and Competent Authority

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बोमा विभाग)

मई विल्सनी, 8 फरवरी, 1977

आवेदन

का० आ० 906.—प्राय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2 के अन्दर (44) के उपलब्ध (iii) घारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री श्री श्री योगी यावाल्कर को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रिन प्रधिकारी है, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर वसूली प्रधिकारी की शक्तियों द्वा प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री श्री श्री यावाल्कर के कर वसूली प्रधिकारी के रूप में कार्यसार ग्रहण करने की तारीख से प्रवृत्त होगी।

[सं० 1652/फा०सं० 404/28/77-प्राइंटी०सी०सी०]

एच० वेंकटरामन, उप-सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

New Delhi, the 8th February, 1977

INCOME-TAX

S.O. 906.—In exercise of the powers conferred under sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri B. V. Yawalkar, who is a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of the Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. V. Yawalkar takes over as Tax Recovery Officer.

[No. 1652/F. No. 404/28/77-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

(बैंकिंग बैंक)

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

का० आ० 907.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक प्रधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री सिद्धेश्वर सेन शर्मा को उत्तर बंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 7 मार्च, 1977 से भारतीय बैंक 31 अगस्त, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस प्रवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें श्री सिद्धेश्वर सेन शर्मा, अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-141/76-ए० सी०]

(Banking Wing)

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 907.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Siddeswar Sen Sarma as the Chairman of the Uttar Banga Kshetriya Gramin Bank, Cooch Behar and specifies the period commencing on the 7th March, 1977 and ending with the 31st August, 1977 as the period for which the said Shri Siddeswar Sen Sarma shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-141/76-AC]

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1977

का० आ० 908.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक प्रधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्धारा श्री टी० आर० कल्पलीरन को पांडियन ग्राम बैंक सेतुर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 9 मार्च, 1977 से भारतीय बैंक 31 अगस्त, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस प्रवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें उक्त श्री टी० आर० कल्पलीरन अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-140/76-ए० सी०]

New Delhi the 9th March, 1977

S.O. 908.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri T. R. Kallapiran as the Chairman of the Pandyan Grama Bank, Sattur and specifies the period commencing on the 9th March, 1977 and ending with the 31st August, 1977 as the period for which the said Shri T. R. Kallapiran shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-140/76-AC]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1977

का० आ० 909.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक प्रधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एन० के० सिन्हा की क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 10 मार्च, 1977 से भारतीय बैंक 31 अगस्त, 1977 को समाप्त होने वाली अवधि को उस प्रवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें श्री एन० के० सिन्हा अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-135/76-ए० सी०]

के० पी० ए० मैसन, अपर सचिव

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 909.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri N. K. Sinha as the Chairman of the Vaishali Kshetriya Gramin Bank, Muzaffarpur and specifies the period commencing on the 10th March, 1977 and ending with the 31st August, 1977 as the period for which the said Shri N. K. Sinha shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-135/76-AC]

K. P. A. MENON, Additional Secy.

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

का० आ० 910.—केकारी नियमन प्रधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केकारी सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्धारा घोषित करती है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 31 के उपबन्ध, भीष्म द्वीय ग्रन्तुसूची में उत्तिवित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों पर, जो प्रावेशिक ग्रामीण बैंक प्रधिनियम 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित किये गये हैं, उस सीमा तक आगू नहीं होंगे जहाँ तक कि उक्त धारा के अधीन सेक्वारीटीकों की रिपोर्ट सहित 31 दिसम्बर, 1976 और 31 दिसम्बर, 1977 के समाप्त वर्षों के तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि लेखों का प्रकाशन प्रयोगित है।

बन्धूचौपी

क्रम सं०	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का नाम
1	
2	
3	संयुक्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक आजमगढ़ (उमर प्रवेश)
4	झेन्नीय ग्रामीण बैंक, हांशंगाबाद (मध्य प्रवेश)
5	लुंगभद्रा ग्रामीण बैंक, बेलारारी (कर्नाटक)
6	पुरी ग्राम्य बैंक, पिपली (उड़ीसा)
7	जम्मू रस्स बैंक, जम्मू (जम्मू व काश्मीर)
8	चम्पारन सेक्वारीय ग्रामीण बैंक, मोतीहारी (बिहार)
9	बाराहंसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बाराहंसी (उ० प्र०)
10	गुडगांव ग्रामीण बैंक, गुडगांव, (हरियाणा)
11	रायबरेली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, रायबरेली (उ० प्र०)
12	फरहाबाद ग्रामीण बैंक, फरहाबाद (उ० प्र०)
13	मस्लमूम ग्रामीण बैंक, बांकुरा (पश्चिम बंगाल)
14	बोलंगीर आंचलिक ग्राम्य बैंक, बोलंगीर (उड़ीसा)
15	नागार्जुन ग्रामीण बैंक, खम्माम (आंध्र प्रदेश)
16	प्रार्थ्योत्तिप ग्रामीण बैंक, नलबाड़ी (झसम)
17	रायलामीसा ग्रामीण बैंक, कुद्दापेह (आंध्र प्रदेश)
18	मालप्रभा ग्रामीण बैंक, धारदार (कर्नाटक)
19	मध्यूराक्षी ग्रामीण बैंक, मूरी, (पश्चिम बंगाल)
20	मराठवाड़ा ग्रामीण बैंक, नारेड़ (महाराष्ट्र)
21	मारावाड़ ग्रामीण बैंक, पाली, (राजस्थान)
22	झगीर ग्रामीण बैंक, सीतापुर (उ० प्र०)
23	श्री विशाख ग्रामीण बैंक, श्रीकाकुलम् (आंध्र प्रदेश)
24	कावेरी ग्रामीण बैंक, मैसूर (कर्नाटक)
25	शेखवटी ग्रामीण बैंक, सीकर (राजस्थान)
26	कटक ग्राम्य बैंक, कटक (उड़ीसा)
27	बिलासपुर-पंचवटी ग्राम्य बैंक, जेपोर (उड़ीसा)
28	साथय मलाबार ग्रामीण बैंक, मलप्पुरम् (केरल)

1	2
29. नर्थ मलाबार ग्रामीण बैंक, कप्रानूर (केरल)।	
30. रीवा-सिधी ग्रामीण बैंक, रीवा (मध्य प्रदेश)।	
31. निपुरा ग्रामीण बैंक, अगरतला (निपुरा)।	
32. हिमाचल ग्रामीण बैंक, मंडी (हिमाचल प्रदेश)।	
33. कोसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पूर्णिया (बिहार)।	
34. बलिया क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बलिया (उ. प्र.)।	

[सं. एफ. 4-12/77-ए. सी. ०]

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 910.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 31 of the said Act shall not apply to the Regional Rural Banks specified in the Schedule below, established under sub-section (1) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), insofar as the said section requires the publication of the balance-sheets and profit and loss accounts together with the Auditors' Reports thereon in respect of the years ending the 31st December, 1976 and 31st December, 1977.

SCHEDULE

Sr. No.	Name of the Regional Rural Banks
(1)	(2)
1.	Samyukt Kshetriya Gramin Bank, Azamgarh Uttar Pradesh.
2.	Kshetriya Gramin Bank, Hoshangabad (Madhya Pradesh).
3.	Tungabhadra Gramin Bank, Bellary (Karnataka).
4.	Puri Gramya Bank, Pipli (Orissa).
5.	Jammu Rural Bank, Jammu (Jammu & Kashmir).
6.	Champanar Kshetriya Gramin Bank, Motihari (Bihar).
7.	Bara Banki Gramin Bank, Bara Banki Uttar Pradesh).
8.	Gurgaon Gramin Bank, Gurgaon (Haryana).
9.	Rae Bareli Kshetriya Gramin Bank, Rae Bareli (Uttar Pradesh).
10.	Farrukhabad Gramin Bank, Farrukhabad (Uttar Pradesh).
11.	Mallabhum Gramin Bank, Bankura (West Bengal).
12.	Bolangir Anchalik Gramya Bank, Bolangir (Orissa).
13.	Nagarjuna Grameena Bank, Khammam (Andhra Pradesh).
14.	Pragjyotish Gaonlia Bank, Nalbari (Assam).
15.	Rayalaseema Grameena Bank, Cuddapah (Andhra Pradesh).
16.	Malaprabha Grameena Bank, Dharwar (Karnataka).
17.	Mayurakshi Gramin Bank, Suri (West Bengal).
18.	Marathwada Gramin Bank, Nanded (Maharashtra).
19.	Marwar Gramin Bank, Pali (Rajasthan).
20.	Bhagirath Gramin Bank, Sitapur (U.P.).
21.	Sri Visakha Grameena Bank, Srikakulam (Andhra Pradesh).
22.	Cauvery Grameena Bank, Mysore (Karnataka).

23. Shekhawati Gramin Bank, Sikar (Rajasthan).
24. Cuttack Gramya Bank, Cuttack (Orissa).
25. Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank, Bilaspur (Madhya Pradesh).
26. Magadh Gramin Bank, Gaya (Bihar).
27. Koraput-Panchabati Gramya Bank, Jeypore (Orissa).
28. South Malabar Gramin Bank, Malappuram (Kerala).
29. North Malabar Gramin Bank, Cannanore (Kerala).
30. Rewa-Sidhi Gramin Bank, Rewa (Madhya Pradesh).
31. Tripura Gramin Bank, Agartala (Tripura).
32. Himachal Gramin Bank, Mandi (Himachal Pradesh).
33. Kosi Kshetriya Gramin Bank, Purnea (Bihar).
34. Ballia Kshetriya Gramin Bank, Ballia (U.P.).

[No. F. 4-12/77-AC]

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1977

का० आ० 911.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक प्रधानियम 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्षणों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री० के० पी० लाल का मुंगेर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का प्रध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 12 मार्च, 1977 से आरम्भ होकर 31 अगस्त 1977 को समाप्त होने वाली प्रधिकारी को उस प्रवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें के० पी० लाल प्रध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं. एफ. 4-132/76-ए. सी. ०]

सी० बार० बिश्वास, उप-सचिव

New Delhi, the 12th March, 1977

S.O. 911.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri K. P. Lal as the Chairman of the Monghyr Kshetriya Gramin Bank, Monghyr and specifies the period commencing on the 12th March, 1977 and ending with the 31st August, 1977 as the period for which the said Shri K. P. Lal shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-132/76-AC]

C. R. BISWAS, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1977

का० आ० 912.—कृषि पुनर्वास और विकास निगम प्रधानियम, 1963 (1963 का 10) की धारा 20 की उपधारा (1) के अंडे (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतदादारा 10 वर्षों में परियोग होने वाले 15 करोड़ रुपये (पाँचव्यं फ़िरोड़ रुपये) के उन बाण्डों पर देय व्याज की दर 6 प्रतिशत (छ: प्रतिशत) वार्षिक निर्धारित करती है जो कृषि की पुनर्वास और विकास निगम द्वारा 25 से 28 मार्च, 1977 की प्रधिकारी में 99.00 रु प्रतिशत पर जारी किये जायेंगे तथा उक्त की एकम से 10 प्रतिशत प्रधिक तक प्राप्त प्रशंसान रख लेने का प्रधिकार निगम को होगा।

[सं. का० 14-9/77-ए. सी. ०]

बी० एन० बहादुर, उप सचिव

New Delhi, the 11th March, 1977

S.O. 912.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 20 of the Agricultural Refinance and Development Corporation Act, 1963 (10 of 1963), the Central Government hereby fixes 6 per cent (Six per cent) per annum as the rate

of interest payable on the bonds of Rs. 15 crores (Rupees fifteen crores) to be issued at Rs. 99.00 per cent during the period 25th to 28th March, 1977 with the right to retain subscription received upto 10 per cent in excess of the said amount, with a maturity period of 10 years by the Agricultural Refinance and Development Corporation.

[No. F. 14-9/77-AC]
V. N. BAHADUR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1977

का० आ० 913.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की ध०गा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय भरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के परामर्श में निम्नलिखित नियम बनाती हैं अवश्यतः—

1. सक्षिक्त नाम और प्रान्तभ—(1) इन नियमों का नाम प्राग्योत्तिष्ठ ग्रामीणिया बैंक (बोर्ड के अधिकारित) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबूत श्वर्णे।

2. इन नियमों में, जब तक कि गलदर्भ से अन्यथा अंरक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' में प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अधिकृत है।

(ख) 'बोर्ड' से प्राग्योत्तिष्ठ ग्रामीणिया बैंक अधिकृत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभासित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभासित हैं, वही वर्ण हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिकारितों की सूचनातम संख्या—एक बर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिकारित न होने और हर तिमाही में कम से कम एक अधिकारित होगा।

4. अधिकारितों का संयोजन—अधिकारितों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

5. अधिकारितों का स्थान—बोर्ड के अधिकारित बैंक के मुख्य कार्यालय में प्रधान अधिकारित थेट्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होने, जिसे बोर्ड विनियित करे।

6. अधिकारित की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिकारित का समय एवं स्थान प्रधान कारबार विनियित किया जाएगा।

(ख) बोर्ड के अधिकारित के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिकारित की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनियित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिकारित में किए जाने के लिए प्रसारित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिवालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिवालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिकारित के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत का सम्मति के बिना वह अधिकारित में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का प्राप्त अधिकारित बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिकारित—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से भाग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिकारित बुलाएगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिकारित बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिकारित मांग प्राप्त होने की तारीख से इकाई दिन के भीतर ही बुलाया जाएगा।

8. अधिकारित के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिकारित के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहा इस अधिनियम की धारा 14 की उपचारा (4) के उपचार के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिकारित में विभार-विमर्श में भाग लेने के अधिका मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिकारित का स्थगन :—यदि बोर्ड का अधिकारित, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिकारित प्रयोग सम्पाद में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अधिका यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे प्रयोग दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा :

परन्तु जहा गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिकारित में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, यहा अध्यक्ष जिस सारीख तक के लिए अधिकारित स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस सारीख को अधिकारित नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से आहर गए निवेशकों से भिन्न) को निरिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उस निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार निश्चबूद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रधानी और आवद्धकार होना मानो ऐसा कारबार अधिकारित में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस सारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अनियम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई भामला परिचालित किया जाता है, तो उस परिचालन परिणाम से मर्मी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी नियंत्रणों को अभिनेत्र के लिए प्रयोग अधिकारित में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिनेत्र—(1) (एक) बोर्ड के अधिकारितों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इमर्जेंसी प्रश्नों के बहुमत प्रधान कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया हो) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अधिकारित निदेशक, जिसमें अधिकारित की अड्डेकर्ता की हो, द्वारा प्राप्तिकर्ता या हस्ताक्षरकर्ता किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिकारित की कार्यवाहियों के अभिनेत्र के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख भागी जाएगी।

(2) प्रत्येक अधिकारित की समाप्ति के पश्चात् यथास्थिति इन कार्यवृत्तों की प्रतियोगी प्रत्येक निदेशक को भेजी जाएगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए, तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिनेत्र की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रयोक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्ट के लिए अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे ।

(5) अधिवेशनों के बैंक कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उन्पराधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें असिलिखित कार्यवाहियों का साक्षम होंगे ।

[सं. एफ. 4-33/76-ए.सी. (1)]

New Delhi, the 9th March, 1977

S.O. 913.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Bank of India, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Pragjyotish Gaonlia Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Bank Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Pragjyotish Gaonlia Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the

same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(1)]

S.O. 914.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और मिहोकेट बैंक के पासमें से निम्नलिखित नियम बनाती हैं अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम राष्ट्रासीमा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. इन नियमों में जब तक कि सम्बद्ध में अस्थाया अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (21 का 21) अभिव्रेत है।

(ख) 'बैंक' से राष्ट्रासीमा ग्रामीण बैंक अभिव्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की स्थूलतम संख्या—एक यर्ड में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संघोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा ।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैठक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनियित करें ।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबाह की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन आं समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनियित किया जाएगा ।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निवेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणत कम से कम पञ्चाह दिन वी सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निवेशक को यह सूचना उसके द्वारा हम निमित विनियित पर प्रेती जाएगी ।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबाह की सूची उन सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी ।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबाह की सूची में किसी कारबाह की सम्बलित तबीत किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निवेशकों के बहुमत को समिति के द्वारा अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा ।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाया आवश्यक हो तो प्रत्येक निवेशक को पर्याप्त समय एवं सूचना दी जाएगी ।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निवेशकों से मांग आयत होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलाएगा ।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है ।

(3) अधिवेशन मांग शाम द्वाने की तारीख में इक्कीस दिन के बीतर ही बुलाया जाएगा ।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति आर की होगी :

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपशारा (4) के अध्यवध के कारण कोई निवेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विवरण में आग लेने के प्रथमा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी ।

9. गणपूर्ति न होने के आरम्भ अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह दिन मार्गज्ञिक अवकाश-दिन हो, तो उसमें अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्थगित हो जाएगा ।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निवेशक अनुमतिसंख्या रखा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उसमें पूर्व उस निवेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उग्र नारीश्वर को अधिवेशन नहीं हुआ ।

10. परिचालन द्वारा कारबाह—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निवेश दे, सो बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबाह को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भारत में आवृत गए निवेशकों से भिन्न) को निश्चित किया जा सकता है ।

(2) कोई भी कारबाह जिसे उपर्याम (1) के प्रत्यंगीत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुमतिप्रदाता किया जा चुका हो, जिन्हें अपने विचार लेखांड किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आवश्यक होगा मानों ऐसा कारबाह अधिवेशन में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनियित किया गया हो ।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उम तारीख को परिन दिया गया मात्रा जाएगा जिस तारीख को उम मामले पर अनितम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किए हों ।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम ने सभी निवेशकों को संसूचित किया जाएगा ।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रेत पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा ।

11. कारबाह के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें हमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा ।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति अध्यक्ष अध्यक्ष निवेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आवृत्तिरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवृत्तियों के अभिलेख के अनितम पृष्ठ पर तारीख बाली जाएगी ।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथास्थिति इन कार्यवृत्तों की प्रतियोगी प्रत्येक निवेशक को मेजी अप्यंगी ।

(3) जब कोई कारबाह या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी ।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे ।

(5) अधिवेशनों के बे कार्यवृत्त, जो इस नियमों के उपबाधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष छोड़े जाएंगे ।

[सं. एक. 4-33/76-ए. सी. (2)]

S.O. 914.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Syndicate Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Rayalaseema Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) ;

(b) "Bank" means the Rayalaseema Grameena Bank ;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four.

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(2)]

का० अा० 915.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रवत् शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और मिणीकेट बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती हैं अपार्टि:-

1. मंशिल नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम मालप्रभा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्वर्भ से अन्यथा अनिवार्य न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से मालप्रभा ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे ग्रामीण और पर्वों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित है, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक बर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन: अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान: बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनियिग्न करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबाहर की सूची: (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनियिग्न किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की सारीब से माशारणतः कम से कम एक दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनियिग्न पते पर मिली जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबाहर की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबाहर भी सूची में किसी कारबाहर को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निवेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निवेशक को पर्याप्त समय पूर्ण सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन: (1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निवेशकों में मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उम प्रयोगन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही कूलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम) : बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होती है:

परन्तु जहां इस प्रधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निवेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विभाग में भाग लेने के अध्यया मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन: यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अध्यया यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निवेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यया, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उम निवेशक को यह सूचना भेजना कि गणपूर्ति न होने के कारण उम तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार: (1) यदि अध्ययक ऐसा निवेश हो, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भारत से बाहर गये निवेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्हें अपने विचार-लेखांकन किये हों, उसी प्रकार प्रधावाई और प्रावद्धकर होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में अपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उम तारीख को पारित किया गया भाग जाएगा जिस तारीख को उम मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है, तो उन परिचालन परिणाम से सभी निवेशकों को संमूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रस्तुति पर किए गए सभी नियंत्रणों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख: (1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्ययक अध्यवा निवेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्यथिति या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख दाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की ममालित के पश्चात् प्रथाशीघ्र हन कार्यवृत्तों की प्रतिया प्रत्येक निवेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए आगे अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के बे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अधिसिवित कार्यवाहियों का साक्ष्य होगे।

[सं. एफ. 4-33/76-ए. सी. (3)]

S.O. 915.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Syndicate Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Malaprabha Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Malaprabha Grameena Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provisions of subsection (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.

If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

- (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

- (1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F-4-33/76-AC(3)]

का० आ० 916.—प्रावेशिक प्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त नियमों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनाइटेड कमरणियल बैंक के परामर्श में निम्नलिखित नियम बनाती है अधिकृत:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का नाम मध्यूराधी प्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रसूत होंगे।
2. इन नियमों में, जब तक कि मन्त्रमंडल से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
(क) 'अधिनियम' से प्रावेशिक प्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।
(ख) 'बैंक' से मध्यूराधी प्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम 3. अधिवेशन होंगे और हर निमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन: अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान: बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिवूचित क्षेत्र में किसी ऐसे स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबाह की सूची: (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से माध्यारंति, कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रत्यावित कारबाह की सूची उक्त सूचना के माध्यं ही परिषालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिषालित कारबाह की सूची में किसी कारबाह को मिमिति नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों को बहुमत को मिमिति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन: (1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उम प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हस्तीम दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूति (कोरम) बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूति चार की होती है।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपचारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अवधार मन देने में असमर्थ हो, वहां गणपूति तीन की होती है।

9. गणपूति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन: यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूति न होने के कारण नहीं हो भका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित तीन की होती है।

परन्तु जहां गणपूति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उसमें पूर्व उम निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूति न होने के कारण उम तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबाह: (1) यदि अध्यक्ष तेसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबाह को कागजों के परिचालन द्वारा

निवेशकों (भारत से बाहर गये निवेशकों से भिन्न) को निर्विट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार में बदल किये हों, उसी प्रभार प्रभावी और आवश्यकर होना मानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोई द्वारा उम्मीदों को पारित किया गया भाना जाएगा जिस तरीके को उम्मीदों पर अनियम दृग्मान्तरकर्ता ने दृग्मान्तर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाना है तो उस परिचालन परिणाम में सभी निवेशकों को संमूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी नियमों को अधिवेशन के लिए प्रगति अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अधिवेशन: (1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निवेशक, जिसने अधिवेशन की प्रश्नाओं की हों, द्वारा आवश्यक या दृग्मान्तरकर्ता कर्ता जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अधिवेशन के अनियम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथासीध इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निवेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए साथे इस प्रकार किए गए कारबार के अधिवेशन की अध्यक्ष द्वारा दृग्मान्तरकर्ता किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविट की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए प्रगति अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के बीच कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपर्योग के अनुमान रखे जाएंगे, उनमें अधिवेशन कार्यवाहियों का साध्य होगे।

[मा. एफ. 4-33/76-ग. मी. (4)]

S.O. 916.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Commercial Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Mayurakshi Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Mayurakshi Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the Meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that whereby reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday at the same time and place.

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

(1) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(2) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(3) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(4) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(4)]

क्रा०आ० 917.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक ग्राम महाराष्ट्र के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. मंकिट्स नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम मराठा वाडा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि मन्त्रमें से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' में प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(घ) 'बैंक' में मराठवाडा ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या: एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर सिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन:—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान:—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिवृत्त थेट्रे में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची: (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निवेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पश्चात् दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निवेशक को वह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिविष्ट पर्से पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उस सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निवेशकों के बहुमत की सम्मिलि के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निवेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन:—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निवेशकों से भाग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन भाग प्राप्त होने की तारीख से इककीम दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम): बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निवेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विभाग में भाग लेने के अवधार मत देने में प्रसमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन: यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले माहाह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अध्यक्ष वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा:

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निवेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निवेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार: (1) यदि अध्यक्ष ऐसा निवेश के तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भारत से बाहर गये निवेशकों से भिन्न) को निर्विष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा नुका हो, विनिश्चित अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और प्रावङ्कुर होता सानों ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा परिन कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को परिवर्त किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निवेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अधिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अधिवेश:—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें हमके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष प्रधान निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आश्वासित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रथम अधिवेशन की कार्यवाहियों के अधिनेत्र के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रथम अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथागति इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबाह या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इत प्रकार किए गए कारबाह के अधिनेत्र की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्ति के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के बीच कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपर्यन्तों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साध्य होगे।

[सं. एफ. ० ४-३३/७६-ए.० मी० (५)]

S.O. 917.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Bank of Maharashtra, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Marathwada Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Marathwada Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

- (1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.
- (2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.
- (3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.

If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

- (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.
- (2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.
- (3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.
- (4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.
- (5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

- (1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).
- (b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.
- (2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.
- (3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.
- (4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.
- (5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

का०आ० 918.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक ग्रामीण बैंकों द्वारा जयपुर के परामर्श में निम्नलिखित नियम बनाती हैं अर्थात्—

1. महिला नाम और प्रारम्भ. (1) इन नियमों का नाम मारवाड़ ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित की गयी तरह का प्रवृत्त होंगे।

2 इन नियमों में, जब तक कि मन्दसर में ग्रन्थया अपेक्षित न हो—

(क) 'अधिनियम' में प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अधिवेशन है।

(ख) 'बैंक' से मारवाड़ ग्रामीण बैंक अधिवेशन है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिचयित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिचयित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की व्यूनियम संघर्ष एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छ. अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान: बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित घोत्र में किसी ऐसे स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबाह की सूची. (1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का गमय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से माध्यरेत्र: कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना शी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निम्न विनियिट पर पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबाह की सूची उसके सूचना के माथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबाह की सूची में किसी कारबाह को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के अधूसक को मम्मनि के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन शुल्काना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विषेष अधिवेशन: (1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मात्र प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मात्र में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाया गया है।

(3) अधिवेशन मात्र प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम): बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार को होगी।

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपशारा (4) के उपबन्ध के कारण कोई निवेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अवश्य मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगित यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो गया हो तो अधिवेशन अगले मात्रात्मा में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि यह दिन मार्वेजिन अवकाश-दिन हो, तो उसमें अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई अनिवार्य अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं होगा।

10. परिचालन द्वारा कारबाह: (1) यदि अध्यक्ष एमा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबाह को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत ने बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निदिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबाह जिसे उपानयम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा उन्मांवित किया जा सका हो, जिन्होंने अपने प्रत्येक विचार लेखबद्ध किये हैं, उसी प्रकार प्रभावी और सांबद्धकर होगा मानो ऐसा कारबाह अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के अनुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई भी कारबाह जो उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अनियम हम्साक्षरकर्ता ने हम्साक्षर किये हैं।

(4) यदि कोई भी कारबाह परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबाह के अभिलेख: (1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पांचात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्याक्षरित या हम्साक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पांचात् यथासीध इन कार्यवृत्तों की प्रतियोगी प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) यदि कोई कारबाह या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हम्साक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रसिद्धि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के बीच कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपर्याप्त हों, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों का साथ होंगे।

S.O. 918.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of Bikaner and Jaipur, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Marwar Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the Marwar Gramin Bank;

(c) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.

If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday at the same time and place :

Provided that where a director is not present at the meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, be-

fore the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decision on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(6)]

का० आ० 919.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और इनाहावाद बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाई हैं अस्ति :—

1. मंजिल नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम भगीरथ ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिकारियों) नियम, 1977 है।

(2) ये नियम में प्रकाशन की तारीख को प्रयुक्त होगे।

2. ये इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम', से प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से भगीरथ ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभासित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभासित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिकारियों की न्यूनतम संख्या :—एक बर्ष में बोर्ड के कम से कम दो अधिकारियों होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिकारिय दोगों होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजनः—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बोर्ड के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिवेशन बोर्ड में किसी ऐसे स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड निर्विचित करे।

6. अधिवेशन की मूलता तथा कारबाह की मूली—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन पर नमय एवं स्थान प्रधानक द्वारा निर्विचित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशनों के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख में मासांगत कर में कठपत्तह वित की मूलता दी जाएगी और प्रत्येक निर्विचित को यह स्वतंत्र उपर्युक्त द्वारा हप निमित्त निर्विचित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रमाणित कारबाह की मूली उक्त मूलता के बाय ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इम प्रकार परिचालित कारबाह की मूली में किसी कारबाह को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपान अधिवेशन बुलाना, आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को परापूर्ण समय पर्वं सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उम प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की आवश्यकता की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कोस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ण (कोरम):—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ण चार की होगी।

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपर्युक्त के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-किमरी में भाग लेने के अध्यवा मत देने में अमरमर्थ हो, वहां गणपूर्ण तीन की होगी।

9. गणपूर्ण न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन।

यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ण न होने के कारण तीन ही हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अध्यक्ष यदि वह दिन मार्यजनिक अवकाश-दिन हो, तो उससे अगले दिन, जो मार्यजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहां गणपूर्ण न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहा आवश्यक, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उसमें पूर्वं उम निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ण न होने के कारण उम तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबाह:—(1) यदि आवश्यक ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबाह को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई सी कारबाह जिसे उप-नियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा इन्सुप्पोर्टिव किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विधार लेख्यवद्वा किये हों, उसी प्रकार प्रभावी

और प्रावद्वकर होगा मानो ऐसा कारबाह अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा निर्विचित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उम तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उम मामले पर प्रतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उम परिचालन परिणाम में सभी निदेशकों को सम्मिलित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रमाण पर किए गए सभी नियर्यां को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा आएगा।

11. कारबाह के अधिकार:—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्तों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर लारीद ढाली जायेगी।

(ख) कार्यवृत्त पृष्ठक का हर पृष्ठ, यास्तिथि, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्यक्षित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पृष्ठक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर लारीद ढाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाप्रीप्त इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबाह या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पृष्ठक में उमकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवाहियों के मात्र होंगे।

[मं. एफ. 4-33/76-ए. मी. (7)]

S.O. 919.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Allahabad Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Bhagirath Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) “bank” means the Bhagirath Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. **Minimum number of meetings of the Board.**—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. **Convening of meetings.**—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. **Venue of the meetings.**—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. **Notice of meeting and list of business.**—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that whereby reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation :

(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC (7)]

का. आ० ९२०.—प्रारंभिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, १९७६ (१९७६ का २१) की धारा २९ द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक ग्रामीण बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती हैं अधर्थान् :—

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(१) इन नियमों का नाम श्री विश्वास ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, १९७७ है।

(२) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीलू का प्रवृत्त होंगे।

२. इन नियमों में, जहां तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' में प्रारंभिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, १९७६ (१९७६ का २१) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' में श्री विश्वास ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभासित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभासित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

३. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम गवाहा—एक बर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

४. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों ता संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

५. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिकृत संस्था में किमी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनियित करे।

६. अधिवेशन की सूचना तथा कारबाह की सूची—(१) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समाप्त एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनियित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की सारी से मात्रारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनियिष्ट परे पर में जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबाह की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबाह की सूची में किसी कारबाह को मम्मलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के अनुमति को मम्मलि के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो सो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिकार—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निवेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिकार बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिकार बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिकार मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिकार के लिए गणपूर्ति (कोरम)---बोर्ड के अधिकार के लिए गणपूर्ति बार की होगी:

परन्तु जहां इस अधिकार की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई नियंत्रक बोर्ड के अधिकार में विचार-विमर्श में भाग लेने के अधिकार मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति लीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिकार का स्थगन

यदि बोर्ड का अधिकार, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिकार इगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान पर अध्यक्ष के लिए, अथवा यदि वह दिन नार्वर्जनिक अवकाश दिन हो, तो उससे इगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश दिन न हो, उमी समय और उमी स्थगन के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा:

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिकार में कोई निवेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिकार स्थगित हो, उससे पूर्व उस निवेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख की अधिकार नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष निवेशक, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भाग्य से बाहर गये निवेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपर्याप्त (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा सका हो, जिन्हें अपने विचार लेखबद्ध किये हैं, उनी प्रकार प्रभावी और प्रावधानकर होगा मानों ऐसा कारबार अधिकार में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन-परिणाम से सभी निवेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किमी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिकार में रखा जाएगा।

11. कारबार के अधिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिकारों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का द्वारा पृष्ठ, यथारिति, अध्यक्ष अथवा निवेशक, जिसने अधिकार की अध्यक्षता की हो, द्वारा आव्यक्षित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिकार की कार्यवादियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिकार की समाप्ति के पश्चात् यथारिति इन कार्यवृत्तों को प्रतियां प्रत्यक्ष निवेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रतिलिपि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिकार के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए अगले अधिकार में रखा जाएगे।

(5) अधिकारों के बे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अभिलिप्ति कार्यवृत्तहियों का साथ होगे।

[सं. एफ. 4-33/76-ए. सी. (8)]

S.O. 920.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Sri Visakha Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Sri Visakha Grameena Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four;

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1)(a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initiated or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(8)]

का० आ० 921.—प्रादेशिक भारीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय गरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक आक मैमूर के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम कावेंगे भारीण बैंक (बोर्ड के अधिकारीय) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक भारीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से कावेंगी भारीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभासित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभासित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिकारीयों की न्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिकारीय होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिकारीय होगा।

4. अधिकारीयों का संयोजन—अधिकारीयों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिकारीयों का स्थान—बोर्ड के अधिकारीय के सुख्त कार्यालय में अथवा अधिकारीय क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनियित करे।

6. अधिकारीय की सूचना तथा कारबार फी सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिकारीय का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनियित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिकारीय के लिए प्रत्येक निदेशक का अधिकारीय की सूची तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह (दस भी सूचना दी जाएगी आर प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनियित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिकारीय में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिकारीय के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्पत्ति के बिना वह अधिकारीय में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिकारीय बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक की पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिकारीय—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिकारीय बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिकारीय बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिकारीय मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिकारीय के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिकारीय के लिए गणपूर्ति बार की होती है :

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिकारीय में विचार-विसर्जन में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होती है।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिकारीय का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिकारीय, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिकारीय गणपूर्ति सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अथवा यदि वह विनाशकार्यकालीन हो, तो उससे अगले विनाशकार्यकालीन दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा :

परस्त जहा गणपूर्ति न होने के कारण स्पृहित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्पृहित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निर्देश दे, तो वोड द्वारा किये जाने थाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लंबवद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आवद्धकर होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनियित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला वोड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित विद्या जाता है, तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रणति पर किए गए सभी नियंत्रणों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (क) बोड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ब) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथान्विति, अध्यक्ष अध्यक्ष निदेशक, जिसने अधिवेशन की अधिकारी की हो, द्वारा आदेशभित्र मा हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख ढाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र इन कार्यवृत्तों की प्रतियोगी प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के बीच कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपबंधों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें असिनियित कार्यवाहियों का मालय होगा।

[सं. एफ. 4-33/76-ए० सी. (१)]

S.O. 921.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of Mysore, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Cauvery Grameena Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);
- (b) "bank" means the Cauvery Grameena Bank;
- (c) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी नियंत्रणों को अभिलेख के लिए अग्रणी अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबाह के अभिलेख:—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अधेश निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की है, तारा आद्यक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथास्थिति इन कार्यवृत्तों की प्रतियां प्रत्येक निवेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबाह या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाएगा तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अभिलेख को अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रतिपिण्डि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्तिके लिए अग्रणी अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(5) अधिवेशनों के ये कार्यवृत्त, जो इस नियमों के उपचारों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अधिवित्तिकार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे।

[म० एफ० 4-33/76 प०स० (10)]

S.O. 922.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (2 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Punjab National Bank hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Shekhawati Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Shekhawati Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board

except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book)

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded there-in.

[No. F. 4-33/76-AC(10)]

का० आ० 923.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदल भक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनाइटेड कमर्शियल बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. मंक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम कटक ग्राम्य बैंक (बोर्ड के अधिबोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये ग्राम्यम में प्रकाशन की तारीख को प्रत्यक्ष होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) 'अधिनियम' में प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' में कटक ग्राम्य बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पर्याप्तों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, उन्हीं पर्याप्त हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिबोधनों की न्यूनतम संख्या—एक बर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिबोधन होंगे और इन नियमों में कम से कम एक अधिबोधन होगा।

4. अधिबोधनों का संयोजन—अधिबोधनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिबोधनों का स्थान—बोर्ड के अधिबोधन बैंक के मुख्य कारबाह की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिबोधन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित करे।

6. अधिबोधन की सूचना तथा कारबाह की सूची—(1) (क) बोर्ड के अधिबोधन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिबोधन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यद्यु सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिविष्ट पैरे पर भेजी जाएगी।

(ख) बोर्ड के अधिबोधन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिबोधन की तारीख से साधारणतः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यद्यु सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिविष्ट पैरे पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिबोधन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबाह की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबाह की सूची में किसी कारबाह को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिबोधन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निवेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिबोधन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिबोधन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिबोधन—(1) अध्यक्ष इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मात्र प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिबोधन बुलायेगा।

(2) इस मात्र में उम प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिबोधन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिबोधन मात्र प्राप्त होने की तारीख से इकमील दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिबोधन के लिए गणपूर्ण (कोरम)।—बोर्ड के अधिबोधन के लिए गणपूर्ण चार बीं होंगी।

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपर्युक्त के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिबोधन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अधिकार मत देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूर्ण तीन बीं होंगी।

9. गणपूर्ण न होने के कारण अधिबोधन का स्थान—यदि बोर्ड का अधिबोधन, गणपूर्ण न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिबोधन अगले माह में उमी तिन, उसे स्थान एवं समय के लिए, अध्यक्ष यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उसमे अपर्याप्त तिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उमी समय और उमी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहाँ गणपूर्ण न होने के कारण स्थगित अधिबोधन में कोई निदेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिबोधन स्थगित हो, उससे पूर्व उम निदेशक को वह सूचना देंगे कि गणपूर्ण न होने के कारण उस निदेशक नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबाह—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबाह को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भारत से बाहर गये निदेशकों से भिन्न) को निर्विष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबाह जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा सका हो, जिन्होंने अपने विचार लेख बदल किये हों, उमी प्रकार प्रसारी और आवश्यक होना मात्रे ऐसा कारबाह अधिबोधन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा परिचालित कोई मामला बोर्ड द्वारा उम तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उम मामले पर अतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिस्थित में सभी निवेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रेषण पर किए गए सभी निर्णयों को अधिबोधन के लिए अधिबोधन में रखा जाएगा।

11. कारबाह के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिबोधनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हे इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा जाता है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, प्रध्यक्ष अध्यक्ष निदेशक, जिसने अधिबोधन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आवश्यक या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिबोधन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख दाली जाएगी।

(2) प्रत्येक अधिबोधन की समाप्ति के पश्चात् यथावृत्त इन कार्यवृत्तों की प्रतियोगी प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबाह या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिबोधन के कार्यवृत्त पुस्ति के लिए ग्राम सभी अधिबोधन में रखे जाएंगे।

(5) अधिबोधनों के बीच कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपर्युक्तों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अधिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष देंगे।

S.O. 923.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Commercial Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Cuttack Gramya Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Cuttack Gramya Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. **Minimum number of meetings of the Board.**—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. **Convening of meetings.**—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. **Venue of the meetings.**—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. **Notice of meeting and list of business.**—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. **Special meeting of the Board.**—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. **Quorum for a meeting.**—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. **Adjournment of meeting for want of quorum.**—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned (till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place):

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. **Business by circulation.**—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. **Records of business.**—(1)(a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(11)]

का० आ० 924.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की घारा 29 द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय भरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक आफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम गताती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम बिलासपुर-गयपुर शेन्नीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के प्रधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि मन्दर्भ से अन्यथा प्रधिवेशन न हो,—

(क) 'अधिनियम' में प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से बिलासपुर-गयपुर शेन्नीय ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की व्यूनतम मंज्ञा.—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर निमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन.—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के प्रध्यायक द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान.—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिमूलिक शेन्न में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनियोजित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा ।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निवेशक को अधिवेशन की तारीख से माध्यारंगत कम से कम पंद्रह दिन से सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निवेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट पते पर भेजी जाएगी ।

(ग) अधिवेशन में किया जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी ।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निवेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा ।

(2) यदि बोर्ड का प्रापात् अधिवेशन सुनाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निवेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी ।

7 बोर्ड का विषेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निवेशकों से मात्र प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बृत्तायेगा ।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन सुनाने की अपेक्षा की गई है ।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से हफ्तवीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)।—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति आर की होगी :

परन्तु जहां इस प्राधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपर्युक्त कारण कोई निवेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अध्यक्ष मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी ।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगित—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए, अध्यक्ष वह दिन सार्वजनिक प्रवकाश दिन हो, तो उसी अगले दिन, जो सार्वजनिक प्रवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्थगित हो जाएगा ।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निवेशक अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उसमें पूर्व उस निवेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निवेश के, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कारबार के परिचालन द्वारा निवेशकों, (भारत में बाहर गये निवेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है ।

(2) कोई भी कारबार, जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखदृष्ट किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आवद्धकर दोषों मानी ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो ।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई सामाजिक बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस सामने पर प्रतिपाद हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों ।

(4) यदि कोई सामाजिक परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम में सभी निवेशकों को संमूचित किया जाएगा ।

(5) कारबार के परिचालन द्वारा किसी प्रण तर पर किए गए सभी निवेशकों को अधिवेशन के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा ।

11. कारबार के अधिवेशन—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें हमके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा ।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का दूर पृष्ठ, यथान्वित, अध्यक्ष अध्यक्ष निदेशक, जिनमें अधिवेशन की प्रध्यक्षता की हो, द्वारा आवश्यकता या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अधिवेशन के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख ढाली जायेगी ।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथावौद इन कार्यवृत्तों की प्रतियोगी प्रत्येक निवेशक को भेजी जायेगी ।

(3) जब कोई कारबार या कारबारों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अधिवेशन को अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रतिष्ठित की जाएगी ।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे ।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपर्युक्तों के अनुसार रखे जाएंगे, उनमें अधिनियमित कार्यवाहियों के साक्षर होंगे ।

[सं० एफ० 4-33/76-ग० सी० (12)]

S.O. 924.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Bilaspur-Raipur Kshetriya Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1)(a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(12)]

का. ० आ० ९२३.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, १९७६ (१९७६ वा० २१) का धारा २९ द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय गणकार, पारतोप इंजिन बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के परमांग में निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्—

१. मञ्चिल नाम और प्रारम्भ.—(१) इन नियमों का नाम मण्ड्र ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, १९७७ है।

(२) ये गणपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रत्यूत होंगे।

२. इन नियमों में, जब तक कि मन्दर्भ से अन्यथा अनुकूल न हो—

(क) 'अधिनियम' में प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, १९७६ (१९७६ का २१) अधिप्रत है।

(ख) 'बैंक' में मण्ड्र ग्रामीण बैंक अधिप्रत है।

(ग) ऐसे पदों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभासित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभासित हैं, वहाँ अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

३. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक बर्थ में बोर्ड के कम से कम छ अधिवेशन होंगे और दूर निमाही में कम से कम एक अधिवेशन होंगा।

४. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

५. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के सुचना कार्यालय में अथवा अधिसूचित भेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करे।

६. अधिवेशन की सूचना तथा कारबाह की सूची—(१) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निवेशक को अधिवेशन की तारीख से माध्यरात्रः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निवेशक को यह सूचना उसके द्वारा इन निमित्त दिनिश्चित पने पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबाह की सूची उस सूचना के साथ ही पारस्पालित की जाएगी।

(घ) पदि इस प्रकार परिचालित कारबाह की सूची में किसी कारबाह को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निवेशकों के बहुमत की सममति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(ङ) यदि बोर्ड का प्राप्त अधिवेशन बुमाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निवेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

७. बोर्ड का शिष्योप अधिवेशन—(१) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निवेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बहायेगा।

(२) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन द्वारा की अंतर्कालीन की गई है।

(३) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही शुल्काया जायेगा।

८. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम)।—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी।

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपयंत्र के कारण कोई निवेशक बोर्ड के अधिवेशन में शिकाय-विमर्श में आग लेने के अथवा मत देने में अमर्याप्त हो, वहाँ गणपूर्ति तीन की होगी।

७. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन।—यदि थोड़े का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले भावनाल में उसी दिन, उसी स्थान पर्यंत समय के लिए, अध्यथा यदि वह दिन गार्डजनिक अवकाश-दिन हो तो उसमें अगले दिन, जो गार्डजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतं स्थगित हो जाएगा।

८. परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निर्देशक अनुस्तिथ रहा हो, वह अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उसों पूर्व उस निदेशक को वह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं होगा।

९. परिचालन द्वारा कारबार :—(१) यदि अध्यक्ष ऐसा चिंग है, जो बोई द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गदे निदेशकों में बिना) को निश्चित किया जा सकता है।

(२) कोई भी कारबार जिसे उपर्युक्त (१) के ग्रन्तित परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुभूत द्वारा अनुमति दिया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखद़ार किये हों, उसी प्रसार प्रभावी और आवद्धक रूपों मानी होना कारबार अधिवेशन में उपर्युक्त निदेशकों के बहुमत द्वारा विनियित किया गया हो।

(३) परिचालन द्वारा पारिस कोई मामला बोई द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाता जिस तारीख को उस मामले पर अनिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(४) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम में सभी निवेशकों को संसूचित किया जाएगा।

(५) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निवेशकों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा।

११. कारबार के अभिलेख :—(१) (क) थोड़े के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हे इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा जाता है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अवथा निदेशक जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा आवश्यक या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिनेत्र के अनिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(२) प्रत्येक अधिवेशन को मामाले के पश्चात् यथार्थी इन कार्यवृत्तों को प्रतियोगी प्रश्नों के भेजा जायेगा।

(३) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा नियम जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख का अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रतिलिपि की जाएगी।

(४) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्तिक के लिए अगले अधिवेशन में रखे जाएंगे।

(५) अधिवेशनों के बीच कार्यवृत्त, जो इन निवेशों के उपबन्धों के अनुमान रखे जाएंगे, उनमें अभिनियित कार्यवाहियों के साथ होंगे।

[स० एफ० ४-३३/७६-ए० सी० (१)]

S.O. 925.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Punjab National Bank, hereby makes the following rules, namely :—

१. Short title and commencement.—(१) These rules may be called the Magadh Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(२) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

२. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Magadh Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

३. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

४. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

५. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

६. Notice of meeting and list of business.—(१) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(२) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

७. Special meeting of the Board.—(१) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(२) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(३) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

८. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

९. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

१०. Business by circulation.—(१) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(२) Any business circulated under sub-rule (१) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(३) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(13)]

कारो. आ० 926.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त गतिविधियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक आफ इंडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. मंत्रित नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम कोरापुण-पंचवटी ग्राम्य बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ में अस्थिरता अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रैत है।

(ख) 'बैंक' से कोरापुण-पंचवटी ग्राम्य बैंक अभिप्रैत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिसाधित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में पारिसाधित हैं, वही अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की अनुत्तम शक्ति :—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम 4 अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन :—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान :—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अध्यक्ष अधिसूचित थेट्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनियिक करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची :—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनियिक किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से लाभारण : कम से कम पात्रह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनियिक पते पर भेजी जायेगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्प्रसित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्पति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पथरीत समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन :—(1) अध्यक्ष, उम प्रयोजन के लिए बाम से कम चार निदेशकों से मात्र प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मात्र में उम प्रयोजन का उल्लंघन होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा धीरे गई है।

(3) अधिवेशन मात्र प्राप्त होने की नार्गिश से इक्काम विन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम) :—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहां इस अधिवेशन की धारा 14 की उपशारा (4) के उपबंध के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-यित्यमें में भाग लेने के अध्यक्ष मत देने में असमर्थ हो, वहा गणपूर्ति नीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन :—यदि बोर्ड के अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिए प्रथम यदि वह दिन सार्वजनिक अवकाश-दिन हो, तो उसमें अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा।

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अभ्युपस्थित रहा हो, वहा अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उसमें पूर्व उम निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उम तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार :—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गये निदेशकों में भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने भारत लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आवश्यक होने वाले ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनियिक किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई भासला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया भासा जाएगा जिस तारीख को उस भासले पर अतिरिक्त हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई भासला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निदेशकों को समूचीत किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रबन्ध पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।

11. कारबार के अधिवेशन :—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवाचों की पुस्तकों (जिन्हें इनमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जायेगा।

(ए) कार्यक्रम पूर्णक का हर पृष्ठ, यास्तिथि, अध्यक्ष अवता निदेशन जिसने अधिवेशन की अध्यक्षता की हैं ताका अवक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पूर्णक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अधिनियम पूर्ण पर तारीख दर्शावी जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की मर्मान्वि के पृष्ठों पराणीघ उन कार्यक्रमों की प्रतिया प्रत्येक निर्देशक को भेजी जायेगी।

(3) जब कोई कारबाह या कारबों के परिचालन वाला किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अधिनियम की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यक्रम पूर्णक में उसकी प्रतिष्ठि की जायेगी।

(4) ए-वे-क अधिवेशन के कार्यक्रम पूर्णक के लिए अग्रवाने अधिवेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के बारेवान जो इन नियमों के उपबोर्ड के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अधिकारित कार्यवाहियों का मालिय जायेंगे।

[मर्गा नं. 4-3.3/76-ग.०म० (11)]

S.O. 926.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and State Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Koraput-Panchabati Gramya Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Koraput-Panchabati Gramya Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board

(b) A notice of not than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four.

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place.

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded there-in.

का० आ० 927.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त प्रक्रियाओं का प्रयोग करने हए, केंद्रीय मरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्र द्वारा के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाता है अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ, —(1) इन नियमों का नाम गाउथ मलावार ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये गजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रत्यक्ष होते हैं।

2. इन नियमों में, जब तक कि मन्दर्भ से अन्यथा अधिनियम न हो—(क) 'अधिनियम' में प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अधिप्रेत है।

(ज) 'बोर्ड' में गाउथ मलावार ग्रामीण बैंक अधिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्राकृत हैं और परिभासित नहीं हैं, जिन्हें अधिनियम में परिभासित नहीं, वहाँ अर्थ हैं, जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या, —एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होते हैं और हर नियमांशी में कम से कम एक अधिवेशन होता है।

4. अधिवेशनों का संयोजन, —अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान, —बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुक्त कार्यालय में अथवा अधिसूचित थोक में किसी ऐसे स्थान पर होते, जिसे बोर्ड निर्दिष्ट करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं धारा अध्यक्ष द्वारा वित्तियत किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक नियेशक को अधिवेशन की तारीख से माध्यरात्रि: कम से कम पन्द्रह बिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक नियेशक को यह सूचना उमके द्वारा इन नियमित विनियिष्ट पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्मिलित नहीं किया गया है तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित नियेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपात अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक नियेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन, —(1) अध्यक्ष, हम प्रयोगन के लिए कम से कम चार नियेशकों से मांग प्राप्त होते पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख में इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिए गणपूति (कोरम), —बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूति चार की होती है।

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 1.1 की उपाधार (4) के उपर्युक्त के कारण कोई नियेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अथवा मत देने में असमर्थ हों, वहाँ गणपूति भीन की होती है।

9. गणपूति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन, —यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन इसके नाताह में उसी दिन, उसी स्थान पर समय के लिए, अथवा यदि ३५ दिन मार्केजनिक अधिकार-दिन हो, तो उसमें अगले दिन, जो मार्केजनिक अधिकार-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्वतः स्थगित हो जाएगा :

परन्तु जहाँ गणपूति न होने के कारण सभी अधिवेशन में कार्ड नियेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष जिस तारीख तक के लिए अधिवेशन अस्थित हो, उससे पूर्व उस नियेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचलन द्वारा कारबार, —(1) यदि अध्यक्ष ऐसा नियेश है, तो बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबार को कागजी के परिचलन द्वारा नियेशकों (भारत में बाहर गए नियेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित दिया रखा हो और उन नियेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार निवेशक को यह अधिकार प्रभावी और ग्रामवाला होना मानो गेया कारबार अधिवेशन में उपस्थित नियेशकों के बहुमत द्वारा विनियिष्ट किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई सामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस सामने पर अनियम बहसाकरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई सामला परिचालन किया जाना है तो उस परिचालन परिणाम से सभी नियेशकों का समूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा कियी प्रस्त तर पर किए गए सभी नियंत्रणों को अधिकार के लिए अपने अधिवेशन में रखा जाएगा।

11. कारबार के अधिकार, —(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यकृतों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यकृत पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा नियेशक, जिसमें अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा यथास्थिति या हस्ताक्षरित विद्या जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवालियों के अभिन्न पृष्ठ पर तारीख आनी जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथास्थिति इन कार्यवृत्तों की प्रत्येक नियेशक को भेजी जायेगी।

(3) अब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबार के अधिकार बहसाकरकर्ता की अध्यक्षता होने पर उसी प्रशिद्धि का जाएगा।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पृष्ठ के लिए यथास्थिति प्रत्येक नियेशन में रखे जायेंगे।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपर्युक्त के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिन्नियत कारबाहियों का साक्ष द्वारा होगा।

S.O. 927.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Canara Bank, hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the South Malabar Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "Bank" means the South Malabar Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. **Minimum number of meetings of the Board.**—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. **Convening of meetings.**—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. **Venue of the meetings.**—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. **Notice of meeting and list of business.**—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. **Special meeting of the Board.**—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. **Quorum for a meeting.**—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. **Adjournment of meeting for want of quorum.**—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice

to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. **Business by circulation.**—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. **Records of business.**—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(15)]

का० आ० 928.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और निष्ठीकैट बैंक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों का नाम नार्थ मलाबार ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिकारियत) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबूल होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि मलार्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(घ) 'बैंक' से नार्थ मलाबार ग्रामीण अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिकारियत की न्यूनतम संख्या,—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिकारियत होंगे और हर नियमावधी में कम से कम एक अधिकारियत होंगी।

4. **अधिकारियों का संयोजन.**—अधिकारियों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान.—बोर्ड के अधिवेशन बोर्ड के मुख्य कार्यालय में प्रत्यावर अधिसूचित भौतिक गोपनीयों में अन्य स्थान पर होंगे, जिनमें बोर्ड विनियोगित करें।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबाह की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का गमन एवं तात्पर वारा विनियोगित किया जायेगा ।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से गांधारणतः कम से कम पञ्च दिन का सूचना श्री जापीयी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनियोगित पते पर भेजी जाएगी ।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबाह की सूची उक्त सूचना के माध्यम से परिचालित की जाएगी ।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबाह की सूची में किसी कारबाह को सम्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा ।

(ङ) यदि बोर्ड का आपान अधिवेशन बुराना या अवश्यक ठों तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त नमय पूर्व सूचना दी जाएगी ।

7 बोर्ड का विषेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, हर प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से योग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा ।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बुलाने की आवेदा की गई है ।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।

8. अधिवेशन के लिए गणपूर्ति (कोरस).—बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार की होगी :

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उप-धारा (4) के उपर्युक्त के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अवकाश मत्त देने में अमरपर्याप्त हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी ।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अपने सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं नमय के लिए, अध्यक्ष वह दिन सार्वजनिक अवकाश-विन ठों, सो उसमें अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-विन न हो, उसी नमय और उसी स्थान के लिए बैठक स्थगित हो जाएगा :

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगन अधिवेशन में कोई निदेशक अनुसंधित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जम तारीख तक के लिए अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं होगा ।

10. परिचालन द्वारा कारबाह.—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश के, तो बोर्ड द्वारा किए जाने वाले कारबाह को कागजों के परिचालन द्वारा निदेशकों (भारत में बाहर गए निदेशकों से भिन्न) को नियोजित किया जा सकता है ।

(2) कोई भी कारबाह जिसे उप-नियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निदेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार लेखबद्ध किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और प्राप्तवाक्य होगा मानों ऐसा कारबाह अधिवेशन में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा विनियोगित किया गया हो ।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई सामग्री बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया मात्र जाएगा, जिन तारीख को उस मामले पर अनियम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किए हों ।

(4) यदि कोई सामग्री परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम ये भी निदेशकों को संग्रहित किया जाएगा ।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए मर्मी नियंत्रणों को अभिवेद्य के लिए अगले अधिवेशन में रखा जाएगा ।

11. कारबाह के अभिलेख.—(1) (क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तक (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा । (ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथानुसंधित, अध्यक्ष अध्यक्ष निदेशक, अग्रसंघ अधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा प्राचार-भित्ति या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी ।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथानुसंधित कार्यवृत्तों की प्रतियोगी प्रत्येक निदेशक को भेजी जायेगी ।

(3) जब कोई कारबाह या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रशिक्षित की जाएगी ।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिए अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे ।

(5) अधिवेशनों के वे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपर्युक्तों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अभिनियमित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे ।

[म० एफ० 4-33/76-ए० सी० (16)]

S.O. 928.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Syndicate Bank, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the North Malabar Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the North Malabar Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four:

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(16)]

का. अा. 929.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनियन बैंक भाफ इंडिया के परामर्श से सिम्ललिंगित नियम बनाती है, अधिनियम:

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम रीवा-तिथी ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि मनरक्ष में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अधिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से रीवा-तिथी ग्रामीण बैंक अधिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की व्यूनतम संख्या—एक वर्ष में बोर्ड के कम में कम 3: अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होंगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित स्थान में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनिश्चित करें।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिये प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की नारीख में माध्यारंपातः कम से कम पन्द्रह दिन की सूचना दी जायेगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनिश्चित पाने पर मंजी जायेगी।

(ग) अधिवेशन में किये जाने के लिये प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के माध्य ही परिचालित की जायेगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को मन्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निदेशकों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आपान अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिये कम से कम चार निदेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिये अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की नारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिये गणपूति (कोर्म)—बोर्ड के अधिवेशन के लिये गणपूति चार की होगी:

परन्तु जहाँ इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपर्युक्त के कारण कोई निदेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-क्रियाएँ में भाग लेने के अथवा भत्ते देने में असमर्थ हो, वहाँ गणपूति तीन की होगी।

9. गणपूति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूति न होने के कारण नहीं हो सका हो, तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान पर उसमें के लिये, अथवा यदि वह दिन सार्वजनिक प्रवकाश-दिन हो, तो उस से अगले दिन, जो भारतीय अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वतं हो जायेगा :

परन्तु यहाँ गणपूति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निदेशक अनुस्थित रहा हो, वहाँ अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निदेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निदेश दे ते थे और द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भारत से बाहर गये निवेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है ।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम(1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुसूचित किया जा जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार निवेशकों के लिये हो, उसी प्रकार प्रभावी और प्राकाद्धकर होगा मानो ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो ।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई सामान्य बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस सामने पर प्रतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हैं ।

(4) यदि कोई सामान्य परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निवेशकों को संमूचित किया जायेगा ।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी नियंत्रणों को अधिवेशक के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा ।

11. कारबार के अभिलेख—(1)(क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृतों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जायेगा ।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा निदेशक, जिसने अधिवेशन की अध्यक्षना की हो, द्वारा अध्यक्षित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारों से आली जायेगी ।

(2) प्रत्येक अधिवेशन की समाप्ति के पश्चात् यथास्थिति इन कार्यवृतों की प्रतियोगी प्रत्येक निवेशक को भेजी जायेगी ।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रतिलिपि की जायेगी ।

(4) प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत्त पुस्तक के लिये अगले अधिवेशन में रखे जायेंगे ।

(5) अधिवेशनों के बीच कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपलब्धियों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें अधिलिपिक वार्तावाहियों का साक्ष्य होगा ।

[सं. एफ. 4/33/76-ए.प्सी.०(17)]

S.O. 929.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Union Bank of India, hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Rewa-Sidhi Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Rewa-Sidhi Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1)(a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place:

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(17)]

का०आ० 930.—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और यूनाइटेड बैंक ग्राम इकाया के प्रामाण से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम लिपुरा ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अभिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से लिपुरा ग्रामीण बैंक अभिप्रेत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पर्यायों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक बर्ष में बोर्ड के कम से कम छः अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

4. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड चिनिशित करे।

6. अधिवेशन की सूचना तथा कारबार की सूची—(1)(क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा बिनिशित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिये प्रत्येक निवेशक को अधिवेशन की तारीख से माध्यरात्रें: कम से कम पाल्हद्वादश दिन की सूचना श्री जायेगी और प्रत्येक निवेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त बिनिशित किया जायेगा।

(ग) अधिवेशन में किये जाने के लिये प्रस्तावित कारबार की सूची उक्त सूचना के साथ ही परिचालित की जायेगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को सम्बिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपस्थित निवेशकों के बहुमत की सममिति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का आधार अधिवेशन बुलाना आवश्यक हो तो प्रत्येक निवेशक को पर्याप्त समय पूर्व सूचना दी जायेगी।

7. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिये कम से कम चार निवेशकों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बुलायेगा।

(2) इस मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिये अधिवेशन बुलाने की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिवेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिवेशन के लिये गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिवेशन के लिये गणपूर्ति घार की होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्ध के कारण बोर्ड निवेशक बोर्ड के अधिवेशन में विचार-विमर्श में भाग लेने के अध्यक्ष मत देने में असमर्थ हो, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिवेशन का स्थगन—यदि बोर्ड का अधिवेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिवेशन अगले सप्ताह में उसी दिन, उसी स्थान एवं समय के लिये, अध्यक्ष यदि वह दिन भार्वजनिक अवकाश-विन द्वारा नहीं होता, तो उससे अगले दिन, जो सार्वजनिक अवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिये स्वतः स्थगित हो जायेगा :

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिवेशन में कोई निवेशक अनुसृत्यत रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिये अधिवेशन स्थगित हो, उससे पूर्व उस निवेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिवेशन नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा निवेश दे, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भारत से आहर गये निवेशकों से भिन्न) को निर्विष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने अपने विचार-संबन्धद किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और प्रावद्वाद द्वारा माना जाना वाला ऐसा कारबार अधिवेशन में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनिशित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जायेगा जिस तारीख को उस मामले पर अन्तिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी निवेशकों को संमूचित किया जायेगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किये गये सभी निर्णयों को अभिलेख के लिये अगले अधिवेशन में रखा जायेगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1)(क) बोर्ड के अधिवेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें इसमें इसके परामार्श-कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जायेगा।

(३) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यात्रियां, प्रध्यक्ष पर्यावार नियेशक, जिसने प्रधिवेशन की अध्यक्षता की हो, द्वारा प्राध्यक्षरित या हस्ताक्षरित किया जायेगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक प्रधिवेशन की कार्यवाहियों के प्रभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख ढाली जायेगी ।

(२) प्रत्येक प्रधिवेशन की समाप्ति के पश्चात्, यात्रार्थी इन कार्यवृत्तों की प्रतिया प्रत्येक नियेशक को भेजी जायेगी ।

(३) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाये तो इस प्रकार किये गये कारबार के प्रभिलेख की प्रध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जायेगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जायेगी ।

(४) प्रत्येक प्रधिवेशन के कार्यवृत्त पुष्टि के लिये भगले प्रधिवेशन में रखे जायेंगे ।

(५) प्रधिवेशनों के बे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपचार्यों के अनुसार रखे जायेंगे, उनमें प्रभिलिखित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे ।

[सं०एक० ४-३३/७६-ए०सी० (18)]

S.O. 930.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and United Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Tripura Gramin Bank (Meeting of Board) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) ;
- (b) "bank" means the Tripura Gramin Bank;
- (c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board :

- (1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.

If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.

(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.

(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC (18)]

क्षा०आ० 931.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की शारा 29 द्वारा प्रवत्त अधिनियम का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और मेंटल बैंक ग्राम इडिया के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. मंसिन नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का नाम कोसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिकारी) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अधिकृत है।

(ख) 'बैंक' से कोसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिकृत है।

(ग) ऐसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिकारी नियमों की व्युत्तम संघर्षा—एक वर्ष में बोर्ड के कम से कम छ अधिकारी नियमों को व्युक्त होंगे और हर नियमी में कम से कम एक अधिकारी नियम होगा।

4. अधिकारी नियमों का संयोजन—अधिकारी नियमों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. अधिकारी नियमों का स्थान:—बोर्ड के अधिकारी नियमों के मुख्य कार्यालय में अध्यक्ष अधिसूचित क्षेत्र में किसी ऐसे अन्य स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड किनिश्चित करे।

6. अधिकारी नियमों की सूची—(1) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिकारी नियमों का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिकारी नियमों के लिए प्रत्येक नियमों को अधिकारी नियमों के प्रत्येक अधिकारी नियमों का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(ग) अधिकारी नियमों के लिए प्रत्येक नियमों का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(घ) यदि इस प्रकार परिचालित कारबार की सूची में किसी कारबार को मन्मित नहीं किया गया हो तो अधिकारी नियमों के अध्यक्ष द्वारा उपस्थिति विनियमों के बहुमत को सम्मति के बिना वह अधिकारी नियमों में नहीं किया जा सकेगा।

(2) यदि बोर्ड का प्राप्त अधिकारी नियमों का समय एवं स्थान अधिकारी नियमों के प्रत्येक अधिकारी नियमों का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

7. बोर्ड का विशेष अधिकारी—(1) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार नियमों से मांग प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिकारी नियमों का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनिश्चित किया जायेगा।

(2) इस मार्ग में उम प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिकारी नियमों की अपेक्षा की गई है।

(3) अधिकारी नियमों की अपेक्षा की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा।

8. अधिकारी नियमों के लिए गणपूर्ति (कोरम)—बोर्ड के अधिकारी नियमों के लिए गणपूर्ति बार की होगी:

परन्तु जहां इस अधिनियम की शारा 14 की उपधारा (4) के उपरान्त के कारण कोई नियमों के अधिकारी नियमों में विचार-विमर्श में भाग लेने के अधिकारी नहीं होंगे, वहां गणपूर्ति तीन की होगी।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिकारी नियमों का स्थगित—यदि बोर्ड के अधिकारी न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिकारी नियमों में उमी शिव, उसी स्थान एवं समय के लिए, अध्यक्ष यदि वह दिन मार्वजनिक प्रबकाश-दिन हो, तो उसमें अगले दिन, जो मार्वजनिक प्रबकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी स्थान के लिए स्थगित हो जाएगा:

परन्तु जहां गणपूर्ति न होने के कारण अधिकारी नियमों में कोई नियमों के अनुपस्थित रहा हो, वहां अध्यक्ष, जिस तारीख तक के लिए अधिकारी नियमों के अनुपस्थित हो, उसमें पूर्व उस नियमों को यह सूचना देजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिकारी नहीं हुआ।

10. परिचालन द्वारा कारबार—(1) यदि अध्यक्ष ऐसा नियम हो, तो बोर्ड द्वारा किये जाने वाले कारबार को कागजों के परिचालन द्वारा नियमों (भारत में बाहर गये नियमों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है।

(2) कोई भी कारबार जिसे उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन नियमों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चुका हो, जिन्होंने प्रपत्त विचार लेखकार किये हों, उसी प्रकार प्रभावी और आवश्यक होगा मानो ऐसा कारबार अधिकारी नियमों में उपस्थिति नियमों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया गया हो।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई मामला बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस तारीख को उस मामले पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता ने हस्ताक्षर किये हों।

(4) यदि कोई मामला परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम से सभी नियमों को संसूचित किया जाएगा।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रमत्त पर किए गए सभी नियमों को अभिलेख के लिए प्रगत अधिकारी नियमों में रखा जाएगा।

11. कारबार के अभिलेख—(1) (क) बोर्ड के अधिकारी नियमों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिन्हें उसमें इसके पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा।

(ख) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अध्यक्ष अथवा नियमों के अधिकारी नियमों की अध्यक्षता की हो, द्वारा आद्याक्षरित या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिकारी नियमों के कार्यवृत्तों के अभिलेख के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख डाली जायेगी।

(2) प्रत्येक अधिकारी नियमों के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए अगले अधिकारी नियमों को भेजी जायेंगे।

(3) जब कोई कारबार या कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो हम प्रकार किए गए कारबार के अभिलेख की अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रविष्टि की जाएगी।

(4) प्रत्येक अधिकारी नियमों के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए अगले अधिकारी नियमों में रखे जायेंगे।

(5) अधिकारी नियमों के बारे कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपरान्तों के अन्तर्गत गये जाएंगे, उनमें अभिलिखित कार्यवृत्तों का माध्य होगा।

S.O. 931.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Central Bank of India, hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Kosi Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Kosi Kshetriya Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chair-

man shall, before the date to which the meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. (1) Business by circulation. (1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(19)]

S.O. 932.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की भारा 29 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय बरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के परामर्श से नियन्त्रित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम हिमाचल ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, 1977 है।

(2) ये राज्यवाल में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) अधिप्रेत है।

(ख) 'बैंक' से हिमाचल ग्रामीण बैंक अधिप्रेत है।

(ग) एसे शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किस्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

3. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक बर्थ में बोर्ड के कम से कम 3 अधिवेशन होंगे और हर तिमाही में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

- (b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.
- (c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.
- (d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjournment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the meeting stands adjourned send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialled or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(20)]

का० आ० ९३३.—प्रारंभिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, १९७६ (१९७६ का २१) की धारा २४ कारा प्रदत्त ग्रन्थियों का प्रयोग करने के लिए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और सेन्ट्रल बैंक भारत इंडिया के पारामर्श में निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

१. संक्षिप्त नाम और प्राप्ति—(१) इन नियमों का नाम अलिया थोनीय ग्रामीण बैंक (बोर्ड के अधिवेशन) नियम, १९७७ है।

(२) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत होंगे।

२. इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'अधिनियम' से प्रारंभिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, १९७६ (१९७६ का २१) अभिप्रैत है।

(ख) 'बैंक' से अनिया थोनीय ग्रामीण बैंक अभिप्रैत है।

(ग) ऐसे ग्रन्थियों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिवारित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभारित हैं, वही अर्थ है, जो उनके अधिनियम में है।

३. बोर्ड के अधिवेशनों की न्यूनतम संख्या—एक बर्ष में बोर्ड के कम से कम दो अधिवेशन होंगे और हर विमासी में कम से कम एक अधिवेशन होगा।

४. अधिवेशनों का संयोजन—अधिवेशनों का संयोजन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

५. अधिवेशनों का स्थान—बोर्ड के अधिवेशन बैंक के मुख्य कार्यालय में अथवा अधिसूचित शेष में किसी ग्रामीण स्थान पर होंगे, जिसे बोर्ड विनियित करे।

६. अधिवेशन की सूचना तथा कारबाह की सूची—(१) (क) बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन का समय एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा विनियित किया जायेगा।

(ख) बोर्ड के अधिवेशन के लिए प्रत्येक निदेशक को अधिवेशन की तारीख से साधारणतः कम से कम पचह दिन की सूचना दी जाएगी और प्रत्येक निदेशक को यह सूचना उसके द्वारा इस निमित्त विनियित पते पर भेजी जाएगी।

(ग) अधिवेशन में किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबाह की सूची उक्त मूलना के साथ ही परिचालित की जाएगी।

(घ) यदि इस प्रकार परिवारित कारबाह की सूची में किसी कारबाह को मन्मिलित नहीं किया गया हो तो अधिवेशन के अध्यक्ष तथा उपाधिकारी निदेशकों के बद्दल की मम्मति के बिना वह अधिवेशन में नहीं किया जा सकेगा।

(ङ) यदि बोर्ड का आपान अधिवेशन सूचना आवश्यक हो तो प्रत्येक निदेशक को सम्बन्धित समय पूर्व सूचना दी जाएगी।

७. बोर्ड का विशेष अधिवेशन—(१) अध्यक्ष, इस प्रयोजन के लिए कम से कम चार निदेशकों से मात्र प्राप्त होने पर, बोर्ड का अधिवेशन बूलायेगा।

(२) इस मात्र में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए अधिवेशन बूलाये की अपेक्षा की गई है।

(8) अधिकेशन मांग प्राप्त होने की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर ही बुलाया जायेगा ।

(8) अधिकेशन के लिए गणपूर्ति (कोरम) — बोर्ड के अधिकेशन के लिए गणपूर्ति चार की रुपीया :

परन्तु जहाँ हर अधिकारिय नीं नाश 1.1 की जागरा (1) के अनुसार के कारण कोई निवेशक वो न हो तो अधिकेशन में वितान-वितरण में भाग नहीं लेता। प्रत्येक मत देने में अधिकारी हो, वहाँ गणपूर्ति नीं नीं होती है।

9. गणपूर्ति न होने के कारण अधिकेशन का स्थगन प्रदि बोर्ड का अधिकेशन, गणपूर्ति न होने के कारण नहीं हो सका हो तो अधिकेशन अगले गान्धी में उर्दी दिन, उसी स्थान पर समय के लिए, अधिकारी यदि वह दिन मार्विनिया आवकाश-दिन थे, तो उसमें शाम दिन, जो सर्वजनिक आवकाश-दिन न हो, उसी समय और उसी रथान के लिए बदल स्थगित हो जाएगा ।

परन्तु जहाँ गणपूर्ति न होने के कारण स्थगित अधिकेशन में कोई निवेशक अनुपस्थित रहा हो, वहाँ अधिकारी जिस सारीक तक के लिए अधिकेशन स्थगित हो, उसमें पूर्व उग निवेशक को यह सूचना भेजेगा कि गणपूर्ति न होने के कारण उस तारीख को अधिकेशन नहीं होगा ।

10. परिचालन द्वारा कारबाह—(1) यदि अधिकारी निवेश हो, तो वो द्वारा विये जाने वाले कारबाह को कागजों के परिचालन द्वारा निवेशकों (भी न से बाहर गये निवेशकों से भिन्न) को निर्दिष्ट किया जा सकता है ।

(2) कोई भी कारबाह जिसमें उपनियम (1) के अन्तर्गत परिचालित किया गया हो और उन निवेशकों के बहुमत द्वारा अनुमोदित किया जा चका हो, जिन्होंने अपने विचार लेकर बहुमत किये हैं, उसी पकार प्रकारी और आवद्ध कर होगा मानों एमा कारबाह अधिकेशन में उपस्थित निवेशकों के बहुमत द्वारा विनियित किया गया हो ।

(3) परिचालन द्वारा पारित कोई सामग्रा बोर्ड द्वारा उस तारीख को पारित किया गया माना जाएगा जिस सारीक को उग मासमें पर अभियंत्रनाकार कर्म ने हस्ताक्षर किये हों ।

(1) यदि कोई सामग्रा परिचालित किया जाता है तो उस परिचालन परिणाम में सभी निवेशकों का संमूचित किया जाएगा ।

(5) कागजों के परिचालन द्वारा किसी प्रश्न पर किए गए सभी निर्णयों को अभिलेख के लिए अगले अधिकेशन में रखा जाएगा ।

11. कारबाह के अभिनेत्र—(1) (क) बोर्ड के अधिकेशनों के कार्यवृत्तों की पुस्तकों (जिनके द्वारा पारिचालन कार्यवृत्त पुस्तक कहा गया है) में रखा जाएगा ।

(ब) कार्यवृत्त पुस्तक का हर पृष्ठ, यथास्थिति, अधिकारी अधिकारी निवेशक, जिसने अधिकेशन की अधिकारी की हो, द्वारा आवृत्तिकरण या हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा ऐसी पुस्तक में प्रत्येक अधिकेशन की कार्यवाहियों के अभिनेत्र के अन्तिम पृष्ठ पर तारीख लाली जायेगी ।

(2) प्रत्येक अधिकेशन की समाप्ति के पारिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अभिनेत्र की अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रतिलिपि की जायेगी ।

(3) जब कोई कारबाह कागजों के परिचालन द्वारा किया जाए तो इस प्रकार किए गए कारबाह के अभिनेत्र की अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा और कार्यवृत्त पुस्तक में उसकी प्रतिलिपि की जायेगी ।

(4) प्रत्येक अधिकेशन के कार्यवृत्त पुस्तक के लिए अगले प्रधिकेशन में रखे जायेंगे ।

(5) अधिकेशनों के बीच कार्यवृत्त, जो इन नियमों के उपर्योगों के अनुमान रखे जायेंगे, उनमें अभियंत्रित कार्यवाहियों का साक्ष्य होंगे ।

[मंगल 4-33/76-एम सी (21)]

(लोकेन्द्र नाथ शर्मा) अवर सचिव,

S.O. 933.—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India and Central Bank of India hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ballia Kshetriya Gramin Bank (Meetings of Board) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires, —

(a) "Act" means the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976);

(b) "bank" means the Ballia Kshetriya Gramin Bank;

(c) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act have the meanings, respectively, assigned to them in the Act.

3. Minimum number of meetings of the Board.—The Board shall hold at least six meetings in a year and at least one meeting in every quarter.

4. Convening of meetings.—Meetings of the Board shall be convened by the Chairman.

5. Venue of the meetings.—The meetings of the Board shall be held at the head office of the bank or at such other place in the notified area as the Board may decide.

6. Notice of meeting and list of business.—(1) (a) The Chairman shall decide the time and place of every meeting of the Board.

(b) A notice of not less than fifteen days shall ordinarily be given to every director for a meeting of the Board and the notice shall be sent to every director at the address specified by him in this behalf.

(c) A list of business proposed to be transacted at the meeting shall be circulated along with the notice.

(d) A business, not included in the list of business so circulated, shall not be transacted at a meeting of the Board except with the consent of the Chairman of the meeting and the majority of the directors present.

(2) Where it is necessary to call an emergency meeting of the Board sufficient notice shall be given to each director.

7. Special meeting of the Board.—(1) The Chairman shall call a meeting of the Board after a requisition for that purpose has been received by him from not less than four directors.

(2) The requisition shall state the purpose for which the meeting is required to be called.

(3) The meeting shall be called not later than twenty-one days from the date of receipt of the requisition.

8. Quorum for a meeting.—A quorum for a meeting of the Board shall be four :

Provided that where by reason of the provision of sub-section (4) of section 14 of the Act any director is unable to take part in the discussion of, or vote at, a meeting of the Board, the quorum shall be three.

9. Adjustment of meeting for want of quorum.—If a meeting of the Board could not be held for want of quorum, then the meeting shall automatically stand adjourned till the same day in the next week, at the same time and place, or if that day is a public holiday, till the next succeeding day which is not a public holiday, at the same time and place :

Provided that where a director is not present at a meeting adjourned for want of quorum, the Chairman shall, before the date to which the

meeting stands adjourned, send notice to the director that the meeting was not held on the date for want of quorum.

10. Business by circulation.—(1) A business which is to be transacted by the Board may, if the Chairman so directs, be referred to directors (other than directors who are absent from India) by circulation of papers.

(2) Any business circulated under sub-rule (1) and approved by the majority of directors who have recorded their views in writing shall be as effectual and binding as if such business were decided by the majority of the directors present at a meeting.

(3) A business passed by circulation shall be deemed to be a business passed by the Board on the date it was signed by the last signatory to the business.

(4) If a business is circulated, the result of the circulation shall be communicated to all the directors.

(5) All decisions on a question arrived at by circulation of papers shall be placed at the next meeting for record.

11. Records of business.—(1) (a) The minutes of the meetings of the Board shall be kept in books (hereinafter referred to as the Minutes Book).

(b) Every page of the Minutes Book shall be initialed or signed by the Chairman or the director, as the case may be, who presided at the meeting and last page of the record of proceedings of each meeting of such book shall be dated.

(2) Copies of such minutes shall be forwarded to each director as soon as possible after every meeting.

(3) When a business is transacted by circulation of papers, a record of business so transacted shall be signed by the Chairman and shall be entered in the Minutes Book.

(4) The minutes of each meeting shall be placed before the next meeting for confirmation.

(5) The minutes of meetings kept in accordance with the provisions of these rules shall be evidence of proceedings recorded therein.

[No. F. 4-33/76-AC(21)]

L. N. SHARMA, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1977

New Delhi, the 4th March, 1977

का. आ. 934—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुमति में फरवरी, 1977 के दिनांक 18 को समाप्त हुए सप्ताह के बिंदु लेखा

S.O. 934—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 18th day of February, 1977

इण्ड विभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं Liabilities	रुपये Rs.	कपये Rs.	भारितायां Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
देवीग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	43,63,35,000		संग्रह का मिक्का और भूलियनः— Gold Coin and Bullion		
संचलन में नोट Notes in circulation	7558,29,96,000		(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,45,000	
जारी किये गये कुल नोट			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India		
Total notes issued	7601,93,31,000		विवेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	1071,73,97,000	
			जोड़ Total	1259,54,42,000	
			रुपये का मिक्का Rupee Coin	22,28,55,000	
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupees Se- curities	6320,10,34,000	
			देशी विनियम विल और दूसरे वाणिज्य पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
कुल देयताएं Total Liabilities	7601,93,31,000		कुल भारितायां Total Assets	7601,93,31,000	

दिनांक: 23 फरवरी, 1977

Dated the 23rd day of February, 1977

प्रारूप के हजारी, उप गवर्नर
R. K. Hazari, Deputy Governor.

18 फरवरी, 1977 की भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग शिवाल के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 18th February, 1977

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs.	आस्तिया Assets	रुपये Rs.
चुकता पूँजी Capital Paid up	5,00,00,000	नोट Notes	43,63,35,000
प्रारंभित निधि Reserve Fund	150,00,00,00	रुपये का सिक्का Rupee Coin	5,64,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin खरीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted :—	4,66,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	(क) देशी (a) Internal	167,1,82,00
		(ख) विदेशी (b) External	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबंधन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	540,00,00,000	(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	231,26,57,000
जमा राशियाँ :— Deposits :—		विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	1475,53,94,000
(क) सरकारी (a) Government		निवेश Investments	197,27,57,000
(i) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	100,34,31,000	ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	..
(ii) राज्य सरकारें State Governments	14,16,08,000	(i) केन्द्रीय सरकार को Central Government	..
		(ii) राज्य सरकारों को State Governments	89,75,90,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	..
(i) मनुसूचित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Bank	891,41,55,000	(i) मनुसूचित वाणिज्य बैंकों को Scheduled Commercial Banks	923,36,50,000
(ii) मनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks	26,70,05,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks	381,83,11,000
(iii) गैर मनुसूचित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,83,94,000	(iii) दूसरों को Others	6,78,50,000
(iv) अन्य बैंक Other Banks	72,96,000		

देवताएँ Liabilities	रुपये Rs.	आस्तीमा Assets	रुपये Rs.
(ग) अन्य		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अप्रिम और निवेश	
(c) Others	1995,25,69,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अप्रिम	
		(a) Loans and Advances to:—	
		(1) राज्य सरकारों को State Governments	75,13,85,000
		(2) राज्य सहकारी बैंकों को State Co-operative Banks	17,04,28,000
		(3) केन्द्रीय भूमिक्षेत्र बैंकों को Central Land Mortgage Banks	..
		(4) कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम को Agricultural Refinance and Development Corporation	137,95,00,000
		(ग) केन्द्रीय भूमिक्षेत्र बैंकों के डिवेंचर्ग में निवेश	
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	9,04,16,000
देव बिल		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अप्रिम	
Bills Payable	105,88,04,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
अन्य देवताएँ		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अप्रिम	
Other Liabilities	837,89,27,000	Loans and Advances to State Co-operative Banks	81,43,12,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (शीर्षकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अप्रिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अप्रिम	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	496,05,96,000
		(ग) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/ डिवेंचर्गों में निवेश	
		(b) Investment in bonds/ debentures issued by the Development Bank	—
		अन्य आस्तीमा	
		Other Assets	880,27,96,000
रुपये		रुपये	
Rupees	5214,21,89,000	Rupees	5214,21,89,000

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977
New Delhi, the 8th March, 1977

का० आ० 935.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरन में फारवरी 1977 के दिनांक 25 को समाप्त हुए गत्ताह के लिए लेखा

S.O. 945.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 25th day of February, 1977

इष्ट विभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तीयाँ Assets	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	16,20,07,000		सोने का मिक्का और बूलियन— Gold Coin and Bullion		
भवत्तन में नोट Notes in circulation	7511,06,70,000		(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,45,000	
जारी किये गये कुल नोट Total notes issued	7527,26,77,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India	..	
			विदेशी प्रतिभूतियाँ Foreign Securities	1071,73,97,000	
			जारी Total		1259,54,42,000
			रुपये का मिक्का Rupee Coin		22,61,45,000
			भारत सरकार की राशा प्रतिभूतियाँ Government of India Rupee Securities	6245,10,90,000	
			देशी विनियम बिल और दूसरे बाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper	..	
कुल देयताएँ Total Liabilities	7527,26,77,000		कुल आस्तीयाँ Total Assets	7527,26,77,000	
दिनांक : 2 मार्च, 1977 Dated the 2nd day of March, 1977.					कौ. आर० पुरी, गवर्नर K. R. Puri, Governor.

25 फरवरी, 1977 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्य कलाप वा विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 25th February, 1977

देयताएँ Liabilities	रुपये Rs.	आस्तीयाँ Assets	रुपये Rs.
कूपता पुरी Capital Paid Up	5,00,00,000	नोट	
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	Notes रुपये का मिक्का Rupee Coin लोटा मिक्का Small Coin	16,20,07,000 5,68,000 5,07,000
ग्रामीय ऋण ऋण (सीधेकालीन प्रबन्धन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	400,00,00,000	द्वारीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted :— (क) देशी (a) Internal	.. 169,60,16,000

1

2

3

4

राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरकरण) निधि		(a) विदेशी	
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	145,00,00,000	(b) External	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि		(c) Government Treasury Bills	
National Industrial Credit (Long Terms Operations) Fund	540,00,00,000		285,38,72,000
जमा राशिया —		विदेशी में रखा हुआ बकाया	
Deposits : -		Balances Held Abroad	1525,68,46,000
(क) मरकारी		निवेश	
(a) Government		Investments	259,42,66,000
(1) केन्द्रीय सरकार Central Government	232,11,69,000	ऋण और अग्रिम :—	
(2) राज्य मरकारी State Governments	6,02,30,000	Loans and Advances to :—	
(अ) बैंक		(1) केन्द्रीय मरकारी को	
(b) Banks		Central Government	
(1) अनुमूलित वाणिज्य बैंक Scheduled Commercial Banks	920,12,63,000	(2) राज्य मरकारी को	
(2) अनुमूलित राज्य ग्राहकारी बैंक Scheduled State Co-operative Banks	25,87,66,000	State Governments	119,01,10,000
(3) गैर-अनुमूलित राज्य सहकारी बैंक Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,80,94,000	ऋण और अग्रिम :—	
(4) अन्य बैंक		Loans and Advances to :—	
Others Banks	86,47,000	(1) अनुमूलित वाणिज्य बैंकों को	
		Scheduled Commercial Banks	919,05,68,000
(अ) अन्य		(2) राज्य सहकारी बैंकों को	
(c) Others	2002,83,13,000	State Co-operative Banks	389,38,42,000
		(3) दूसरों को	
		Others	6,86,00,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से	
		ऋण, अग्रिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National	
		Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(a) Loans and Advances to :—	
		(1) राज्य सरकारों को	
		State Governments	75,11,84,000
		(2) राज्य सहकारी बैंकों को	
		State Co-operative Banks	16,91,81,000
		(3) केन्द्रीय भूमिवन्धक बैंकों को	
		Central Land Mortgage Banks	..
		(4) कृषि पुनर्वित और विकास निगम को	
		Agricultural Refinance and Development Corporation	137,95,00,000
		(ग) केन्द्रीय भूमिवन्धक बैंकों के डिवेंचरों में निवेश	
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	
			9,94,16,000

1	2	3	4
देय बिल		राष्ट्रीय शुल्क अर्ण (रिशरीकरण) निधि से अर्ण श्रीर अधिकारी	
Bills Payable	105,72,94,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
मन्त्र देयताएँ Other Liabilities	863,39,71,000	राज्य महाकारी बैंकों को अर्ण श्रीर अधिकारी Loans and Advances to State Co-operative Banks	80,88,63,000
		राष्ट्रीय श्रीर अधिकारी अर्ण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से अर्ण, अधिकारी श्रीर निवेश Loans, Advances and In- vestments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को अर्ण श्रीर अधिकारी (a) Loans and Advances to the Development Bank	501,46,16,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों द्विवेचरों में निवेश (b) Investment in bonds/ debentures issued by the Development Bank	—
मापदंश Rupees	5398,77,47,000	अन्य प्राप्तिनिधि Other Assets	886,67,85,000
		के० श्रार० पुरी, गवर्नर K. R. PURI, Governor. [No. F. 10/2/77-BOI] च० व० मीरचन्दनानी, अवार सचिव C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.	

दिनांक : 2 मार्च, 1977
Dated the 2nd day of March, 1977

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहसरालिय, चंडीगढ़

चंडीगढ़, 8 फरवरी, 1977

(केन्द्रीय उत्पाद)

का० आ० 936—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 5 के अन्तर्गत मुझे प्रवत्त शक्तियों का उपयोग करने हुए मैं, के० के० द्विवेचरी, ममाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहसरालिय चंडीगढ़ एत्वाराना निम्न तालिका के कालम (2) में विनिरिट श्रेणी श्रीर अधिकार की श्रेणी के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहसरालिय, चंडीगढ़ के अधिकारियों को उनके अपने अधिकार क्षेत्र में कायित तालिका के कालम (3) में विष. गण केन्द्रीय उत्पाद नियम 1944 के अन्तर्गत समाहर्ता की शक्तियों से उस सालिका की कालम संख्या 4 में विनिरिट सीमाओं के प्रधीन प्राधिकृत करता हूँ।

“तालिका”

क्र० सं०	श्रेणी	नियम	परस्मीमात्र
1	2	3	4
1.	प्रधीकरक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	केन्द्रीय उत्पाद नियमा- वसी 1944 के नियम 173-ओ का उपनियम 2 श्रीर नियम 185 का उपनियम (1)	इस तालिका के कालम 3 में संकेतित नियमों में विहित प्रधित की सीमा में 24 घंटों की लूट देना।

[प्रधिकृत संख्या 2-०३०/७७/पकाचार मंस्ता :—V(16)९/तक०/७७]
के० के० द्विवेचरी, समाहसरा

Central Excise Collectorate : Chandigarh

CENTRAL EXCISE

Chandigarh, the 9th February, 1977

S.O. 936—In exercise of the powers conferred upon me under Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I. K. K. Dwivedi, Collector of Central Excise Collectorate, Chandigarh, hereby authorise the Central Excise Officers of Central Excise Collectorate, Chandigarh, of and above the rank specified in column (2) of the following table, to exercise, within their respective jurisdiction, the powers of “Collector” under the Central Excise Rules, 1944, mentioned in Column No. (3) of the said table subject to the limitations set out in column No. (4) thereof :—

TABLE

Sr. No.	Rank	Rule	Limitations
1	2	3	4
1.	Superintendents of Central Ex- cise.	Sub-Rule 2 of Rule 173-O and sub- rule (1) of Rule 185 of Central Excise Rules, 1944.	To relax the time limit of 24 hours laid down in the rules indicated in column No. 3 of this table.

[Notification No. 2-CE/77 S. No. IV(16)९/Tech./77]
K. K. DWIVEDI, Collector

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता लिय, पुर्ण

पुणे, 10 फरवरी, 1977

सीमाशुल्क

का०आ० 937.—भारत सरकार, विन सदानन्द की विनाक 18 जुलाई 1975 का अधिसूचना नं० 79/सीमाशुल्क फा०ग० 473/2/75-सीमाशुल्क VII द्वारा सीमाशुल्क के समाहर्ता को तथा प्रत्यायोजित तथा सीमाशुल्क अधिनियम 1962 की धारा 9 द्वारा प्रदत्त परियोग का प्रयोग करने हुए, डाकघर भौंग, तालुका भौंग, जिला पुणे का "भाटेहार" नामक स्थान पर द्वारा "भाटागार" केन्द्र घोषित किया जाता है।

[अधिसूचना नं० 6/सीमाशुल्क/77/का०ग० VIII (सीमाशुल्क) 40-40/टीई/76/77]

जे० प्रम० वर्मा, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, POONA

Poona, the 10th February, 1977
CUSTOMS

S.O. 937. In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962, as delegated to the Collector of Customs under Government of India, Ministry of Finance Notifications No. 79/Cus-I, No. 473/2/75-Cus VII dated 18th July, 1975, the place by name "Bhatehār" P.O. Bhor, Taluka Bhor, District Poona, is hereby declared to be a 'Ware-Housing Station.'

[No. 6/Cus/77/F. No. VIII(Cus)40-40/TE/76/77]
J. M. VERMA, Collector.

उत्पादन शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

मद्रास, 14 फरवरी, 1977

सीमाशुल्क

का०आ० 938.—सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के उपनिषद (प्र) खंड 152 के अन्तर्गत, भारत सरकार, विन मंत्रालय (राजस्व और बीमा), नई दिल्ली से जारी की गयी अधिसूचना संख्या 79/सीमा शुल्क VII तारीख 18 जुलाई 1975 में दिये हुए अधिकारों का प्रयोग करने हुए, उत्पाद शुल्क समाहर्ता, मद्रास, जो विन सदानन्द (राजस्व विभाग) से अधिसूचना संख्या 37 सीमाशुल्क दिनांक 1 फरवरी 1963 के अन्तर्गत उत्पाद शुल्क समाहर्ता के कार्यालय के कार्यदेता के अन्तर्गत सीमाशुल्क समाहर्ता भी नियुक्त है। तभिरात्रु गम्य के कोर्यबन्धन जिसमें पोन्तूर की सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के खंड 9 के अन्तर्गत (1962 का 52) भाटागार स्टेशन घोषित करने हैं।

[सं०गी नं० 8/40/4/76 सीमाशुल्क नीती]
प्रे० जे० राय, समाहर्ता

THE MADRAS CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Madras, the 14th February, 1977

CUSTOMS

S.O. 938.—In exercise of the powers conferred by notification No. 79/Custons VII dated 18-7-75 issued by the Government of India Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) New Delhi under clause (a) of Section 152 of the Customs Act, 1962, the Collector of Central Excise, Madras also appointed as "Collector of Customs" within the jurisdiction of the Madras Central Excise Collectorate by Government of India, Ministry of Finance (Department Revenue) notification No. 37 Customs dated the 1st February, 1963 hereby declared Podanur in the District of Coimbatore, State of Tamilnadu to be a Warehousing Station Under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

[C. No. VIII/40/4/76 Cus Pol]
I. J. RAO, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, नई विल्ली

आदेश

नई शिल्पी, 4 मार्च, 1977

का०आ० 939.—गवर्नर नियंत्रकास्टिंग निं०, एक्स्प्रेस प्रेस हाउस, थाना, 400601 को सामान्य मुद्रा खेत्र के अन्तर्गत केवल 5,22,000 रुपये के पाश्चय मोटर, मोटर कोट और डिशोसीडार्शिंग एंजिन का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/1115469, दिनांक 2-3-1976 प्रदान किया गया था।

2. उक्तोंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति के लिए हम आधार पर प्राप्तेन किया है कि मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति उन से अस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह भी गृच्छना दी गई है कि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सीमा शुल्क प्रधिकारी बम्बई के पास प्रतीकृत करने के बाब्द अस्थानस्थ हुई है और उसका 7,946 रुपये नीति धनराशि तक उपयोग करना गया है उसमें 5,140.54 रुपये बाकी बचे हुए हैं।

3. अपने नर्के समर्थन में आवेदक ने यापथ धन दाखिल किया है। अवो-हस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/1415469, दिनांक 2-3-1976 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अस्थानस्थ हो गई/बो गई है और नियंत्रण देश है कि उनको उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

4. लाइसेंस की अनुलिपि, सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अन्तर से जारी की जा रही है।

[संख्या 6 प्रम०सी०/66ा(आर०एम०) (एम०)/75-76/
आर० एम० आई० 2157]
राजिन्दर सिंह, जप-मुख्य नियंत्रक
कृते सद्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

New Delhi, the 4th March, 1977

ORDER

S.O. 939.—M/s. Nitin Castings Ltd, Eastern Express Highway, Thana, 400601 were granted import licence No. P/D/1415469 dated 2-3-1976 under G.C.A for Rs. 5,22,000 only for the import of Pipe Moulds, Mould coat and deoxidising Agents.

2. They have requested for issue of duplicate Customs Purposes Copy of the said licence on the ground that original Customs Purposes Copy has been misplaced by them. It has further been reported by the licensee that the Customs Purposes Copy has been misplaced after having been registered with Bombay Customs Authority and that the same has been utilised for an amount of Rs. 7,946 leaving a balance of Rs. 5,14,054.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs purposes copy of the licence No. P/D/1415469 dated 2-3-1976 has been misplaced/lost and directs that duplicate Customs purposes copy of the said licence should be issued to them. The original Customs Purposes copy is cancelled.

4. The duplicate Customs Purposes copy of the licence is being issued separately.

[No. SC/66-A(RM)(S)/75-76/RMT-2157]
RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller
For Chief Controller

भारत

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1977.

का० आ० 940.—सर्वेशी एसोशिएट्ड एक्सकेवेटर्स एंड डोजर्स प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता को सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ से सोवियत मूदवाही उपस्कर्ता के पुजो के आयात के लिए 19,08,488 (उपरिमात्रा आठ हजार चार सौ अठासौ रुपये मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस मं० शी/ओ/2458-625/टी/यू.आर/53/एच/39-40 दिनांक 5-12-1974, कलकत्ता पुस्तक पर पंजीकरण गर्ने के मात्र प्रवान किया गया था।

उन्होंने उपर्युक्त आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क निकासी प्रति की अनुनियित जारी करने के लिए इस प्राधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति अंशिक उपयोग करने के बाद भी गई है। इसके समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त आयात लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति भी गई है और यह कि उसकी अनुनियित प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

ममत-समय पर यथा-संशोधित आयात व्यापार (नियंत्रण) आदेश भंड्या 17/55 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी०सी०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए अधोहस्ताक्षरी हस आवेदा के द्वारा सर्वेशी एसोशिएट्ड एक्सकेवेटर्स एंड डोजर्स प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता को सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ से सोवियत मूदवाही उपस्कर्ता के पुजो के आयात के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंस मं० शी/ओ/2458-625/टी/यू.आर/53/एच/39-10 दिनांक 5-12-1974 मूल्य 19,08,488 की मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति को रद्द करते हैं।

[मं० शी/ए/कन्ट/74-75/शी०एल०एम०/1262]

एल० प्रमाद, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 940.—M/s. Associated Excavators and Dozers Pvt. Ltd., Calcutta were granted an import licence No. G/O/2458625/T/UR/53/H/39-40 dated 5-12-1974 for Rs. 19,08,488 (Rupees nineteen lakhs eight thousand four hundred and eighty eight only) for the import of spares for Soviet Earthmoving equipments from U.S.S.R. having registered at Calcutta port.

2. They have applied for issue of a Duplicate Customs Purpose copy of the above mentioned import licence on the ground that original Custom Purpose copy has been lost utilized partially. In support of this the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that original Customs Purpose copy of the import licence mentioned above has been lost and that duplicate copy thereof should be issued to the applicant.

3. In exercise of powers conferred on me under Clause 9(cc) of the Import Trade (Control) Order No. 17/55 dated 7-12-1955 as amended from time to time the undersigned hereby cancels the original Customs Purpose copy of import licence No. G/O/2458625/T/UR/53/H/39-40 dated 5-12-1974 for Rs. 19,08,488 only for the import of spares for Soviet Earthmoving equipments from U.S.S.R. issued in favour of M/s. Associated Excavators and Dozers Pvt. Ltd., Calcutta.

[F. No. 12-A/Cont/74-75/GLS/1262]

1. PRASAD, Dy Chief Controller

नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता भंडालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

का० आ० 941.—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विन्द) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुमात्र भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संघ्या सी एम/एल-3394 जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, एन्ड्रिन पायसनीय टेज द्वारा लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस वापस कर दिया गया है और लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस वापस कर दिया गया है:—

अनुसूची

क्रम संघ्या संघ्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वर्तमान भारतीय मानक संस्था/प्रतिवाद
1. सी एम/एल-3394	सर्वेशी पौधिक लिं०, एन्ड्रेसिक रोड बड़ी बाजार-390003	एन्ड्रिन पायसनीय टेज द्वारा की विधिष्ट (पहला पुनरीक्षण) IS: 1310-1974

[मं० शी एम शी/55: 3394]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 941.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-3394 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1 January 1977 due to ban on Endrin EC and party has surrendered the licence.

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licensee Cancelled	Relevant Indian Standards
---------	----------------------	--------------------------------	---	---------------------------

1	2	3	4	5
1.	CM/L-3394	M/s. Paushik Ltd., Alembic Road, Baroda-390003.	Endrin Emulsifiable Concentrates	IS : 1310-1974 Specification for Endrin Emulsifiable Concentrates (First Revision)

[No. CMID/55 : 3394]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1977

का० आ० 942—ममय पर संशोधित भारतीय मानक मंस्ता (प्रमाणन मुहर) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहा अनुसूची में दिए भारतीय मानकों में संशोधन जारी किए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक की पद- संस्था संख्या और शीर्षक	जिस राजपत्र में भारतीय मानक के नैयार होने वाले सूचना छपी थी उसकी संख्या और शीर्षक	संशोधित मानक की दिनांक	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 203—1972 पौरी साइटो की शुष्क बैटरियों की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	— .	*संख्या 1 दिनांक 2 जनवरी 1975	(1) खण्ड 3.1, 3.2.1, 3.2.2, 1 जनवरी 1975 7.2.1, 7.2.2, 7.3.1, 7.3.2 और 7.4 2 में संशोधन किया गया है। (2) सारणी 2 और 3 जिनकी क्रमसंख्या बदल कर सारणी 1 और 2 कर दी गई थी, के स्थान पर नई सारणियां शीर्षक हैं, और (3) सारणी 4, 5 और 6 (जिनकी क्रम संख्या बदल कर 3, 4 और 5 की गई थी) का संशोधन किया गया है।		
2. IS: 548—1964 लेलों और वसाओं की बानगी लेने और परीक्षण की पद्धतियां (पुनरीक्षित)	एम ओ 63 दिनांक 2 जनवरी 1965	संख्या 3 नवम्बर 1974	(1) मुख्य पृष्ठ पर शीर्षक श्वेर पूरे पृष्ठ 1 और 2 बदल दिए गए हैं। (2) (पृष्ठ 4, विषय सूची, क्रम संख्या 20 और 22) इसको हटा दीजिए और क्रम संख्या 21 को 20 कर लीजिए। (3) खण्ड 0.2.1 और 2.2 हटा दिए गए हैं। (4) (पृष्ठ 7, खण्ड 1.1, प्रतिम वाक्य)–इसको हटा दीजिए। (5) (पृष्ठ 63 से 69, खण्ड 20) हटा दीजिए और क्रम संख्या 21 को 20 कर लीजिए।		
3. IS: 1029—1970 गर्म बेलिन एस ओ 3542 इस्पात की पत्तियों की विशिष्ट (बोधाई के लिए) (पहला पुनरीक्षण)	दिनांक 25 सितम्बर 1971	संख्या 2 जनवरी 1975	खण्ड 5.3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।		
4. IS: 1248—1968 निजारी एस ओ 3961 के प्रत्यक्ष काम करने वाले सूचक खंडों वी विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	दिनांक 9 नवम्बर 1968	संख्या 2 फरवरी 1975	(1) खण्ड 2.3.13 (एफ), 7.1, 1 फरवरी 1975 9.1.1, 9.1.2, 9.6, 4.14.1 और 6.1 (बी) का संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 9.9 के स्थान पर नया खण्ड जोड़ा गया है, और		

*भा मा मंस्ता (प्रमाणन मुहर) योजना के कार्यों के लिए मह संशोधन 1 अप्रैल, 1975 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				(3) खण्ड 9.10 और ए—5.3 के बाद क्रमशः नए खण्ड 9.10.1 और ए—5.4 जोड़े गए हैं।	
5. IS: 1312--1967	सिथाइन एस आ० 1719 ब्रोमाइड की विशिष्ट (पहला दिनांक 18 मई 1968 पुनरीक्षण)	संख्या 2 जुलाई 1974	संख्या 2 जनवरी 1975	मारणी 1 का संशोधन किया गया है। 1 जुलाई 1974	
6. IS: 1554 (भाग 2)--1970	पा बी सी रोधित (भारी कास) विजली के कबलों की विशिष्ट (भाग 2) 3-3 किलो मे 11 किलो तक कार्यकारी छोलटा के लिए	एस आ० 3542 दिनांक 25 मिन्हर 1971	संख्या 3 जनवरी 1975	खण्ड 7.2 और 7.4.2 का संशोधन 1 जनवरी 1975 किया गया है।	
7. IS: 1555--1974	सूती करघों में प्रयुक्त सारकोल चिपके तार के रीडों की विशिष्ट (हमगा पुनरीक्षण)	--	संख्या 1 दिसम्बर 1974	खण्ड 4, 7, 8.1 (ए) और मारणी 1 दिसम्बर 1974 का संशोधन किया गया है।	
8. IS: 1593--1971	ईंधन तंत्रों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	--	संख्या 1 जनवरी 1975	(पृष्ठ 5, मारणी 1, सम्म 3 कम 1 जनवरी 1975 संख्या (V) के सम्मुच्च) '90' के के स्थान पर '80' कर लीजिए।	
9. IS: 2299--1968	नागरिक सुरक्षा के लिए इस्पात के दोपों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस आ० 2766 दिनांक 10 अगस्त 1968	संख्या 2 फरवरी 1975	खण्ड 4.1 और 5.1 का संशोधन 1 फरवरी 1975 किया गया है।	
10. IS: 2300--1968	नागरिक सुरक्षा के लिए आध्यात्मिक दांपों (हेल्मेट) की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस आ० 3453 दिनांक 28 मिन्हर 1968	संख्या 2 फरवरी 1975	(1) खण्ड 4.1, 5.1, 5.2.3, 6.1 और 10.2 का संशोधन किया गया है, और (2) वर्तमान आकृति 1 के स्थान पर नई आकृति दी गई है।	1 फरवरी 1975
11. IS: 3903--1966	डाइमि�ंगोट पायमनीय भेज द्वारा दिनांक 17 जून 1967 की विशिष्ट	एस आ० 2038 दिनांक 17 जून 1967	*संख्या 3 मार्गस्त 1974	खण्ड 2.3.1 और एक—6.1.1 का संशोधन किया गया है।	1 मार्गस्त 1974
12. IS: 3899--1966	जल विमर्जन तेज चूर्ण की विशिष्ट	एस आ० 1972 दिनांक 10 जून 1967	*संख्या 3 फरवरी 1974	परिशिष्ट 'ओ' के स्थान पर नया परिशिष्ट दिया गया है।	1 फरवरी 1974
13. IS: 4760--1968	प्रैटिलियम गैस से चलने वाले ग्रिलर महिल थ्रेसू क्लों की विशिष्ट	एस आ० 1455 दिनांक 19 अप्रैल 1969	संख्या 2 दिसम्बर 1974	(1) खण्ड 31.1, 31.3, 31.4, 31.5, 36.1, एक-1.1, के-2.2, के-3.1(ए), (बी) और (जी) और 27.1, खण्ड 31.4 को योग्यात्मिक मारणी और के-3.1 का संशोधन किया गया है। (2) मारणी 1 के स्थान पर नई मारणी दी गई है। (3) खण्ड के-1.3 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है, और	1 दिसम्बर 1974

*भासा संख्या (प्रमाणन मुहर) योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1 दिसम्बर 1974 में लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
14. IS : 4927—1968 आग बुझाने एम आ० 2330 के लिए बिना प्रम्तर वाले सन कैनेक्ट्स दिनांक 14 जून 1969 हाज की विशिष्ट	संख्या 1 दिसम्बर 1974	(4) खण्ड ए०-१.१ के बाद नया खण्ड ए०-१.१.१ दिया गया है।	(1) खण्ड डी-२.१ और मारपीं २.१ दिसम्बर 1974 का संशोधन किया गया है, और (2) खण्ड डी-२.१.१ के बाद नया खण्ड डी-२.२ जोड़ा गया है और वर्तमान खण्ड डी-२.२ और डी-२.१ की कम गंदगी डी-२.३ और डी-२.३.१ करती गई है।		
15. IS : 5485—1964 व्यर्थ सूती धारो एम आ० 3561 की विशिष्टि दिनांक 7 नवम्बर 1970	संख्या 1 दिसम्बर 1974	(पृष्ठ 5, खण्ड 6.1, पक्षि 6) 1 दिसम्बर 1974 'टाइप II' के स्थान पर 'टाइप I' कर लोजिए			

इन संशोधनों की प्रतिया भारतीय मानक संस्था, मानक मंडल, 9 वा. शा. ज. मार्ग नं० 110002 और हमारे जाला कार्यालय प्रदूमनादाव, बंगलोर, कर्नाटक, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना से प्राप्त की जा सकती है।

[मा० सोएमडी/१३ : ५]

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 942—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard amended	No. and date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect	
1	2	3	4	5	6
1. IS : 203-1972 Specification for dry batteries for flash-lights (Third Revision)	—	*No. 1 Jan 1975	(i) Clauses 3.1, 3.2.1, 3.2.2, 7.2.1, 7.2.2, 7.3.1, 7.3.2 and 7.4.2 have been amended. (ii) Tables 2 and 3 (re-numbered Tables 1 and 2) have been substituted by new ones ; and (iii) Tables 4, 5 and 6 (re-numbered 3, 4 and 5) have been amended.	1 Jan 1975	
2. IS : 548-1964 Methods of sampling and test for oils and fats (revised)	No. 3 Nov 1974		(i) Title on first cover page, pages 1 & 2 has been substituted. (ii) (Page 4, Contents, Sl. No. 20 & 22) Delete and re-number Sl. No. 21 as 20; (iii) Clauses 0.2.1 and 22 have been deleted; (iv) (Page 7, clause 1.1, last sentence) - Delete; (v) (Page 63 to 69, clause 20) - Delete and re-number 21 as 20.	1 Nov 1974	
3. IS : 1029-1970 Specification for hot rolled steel strips (Balling) (First Revision)	No. 2 Jan 1975		Clause 5.3.1 has been substituted by a new one.	1 Jan 1975	

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, this amendment shall come into force with effect from 1 April 1975.

1	2	3	4	5	6
4.	IS : 1243-1968 Specification S.O. 3961 dated for direct acting electrical indicating instruments (First Revision)	9 Nov 1968	No. 2 Feb 1975	(i) Clauses 2.3.13(f), 7.1, 9.1.1, 9.1.2, 9.6, 4.14.1 and 6.1(b) have been amended (ii) Clause 9.9 has been substituted by a new one; and (iii) New Clauses 9.10.1 and A-5.4 have been added after clauses 9.10 and A-5.3 respectively. Table 1 has been amended	1 Feb 1975 1 Jul 1974
5.	IS : 1312-1967 Specification for Methyl Bromide (First Revision).	S.O. 1719 dated 18 May 1968	No. 2 Jul 1974		
6.	IS : 1554 (Part-II)-1970 Specification for PVC insulated (heavy duty) electric cables Part II For working voltages from 3.3 kV up to and including 11 kV	S.O. 3542 dated 25 Sep 1971	No. 3 Jan 1975	Clauses 7.2 and 7.4.2 have been amended	1 Jan 1975
7.	IS : 1555-1974 Specification for pitch-bound wire reeds for use in cotton looms. (Second Revision)	—	No. 1 Dec 1974	Clauses 4, 7, 8.1(a) and Table 1 have been amended.	1 Dec 1974
8.	IS : 1593-1971 Specification for fuel oils (First Revision).	—	No. 1 Jan 1975	[Page 5, Table 1, col 3, against SJ. No. (v)] Substitute '80' for '90'.	1 Jan 1975
9.	IS : 2299-1968 Specification for steel helmets for civil defence (First Revision)	S.O. 2766 dated 10 Aug 1968	No. 2 Feb 1975	Clauses 4.1 and 5.1 have been amended	1 Feb 1975
10.	IS : 2300-1968 Specification for non-metal helmets for civil defence (First Revision)	S.O. 3453 dated 28 Sep 1968	No. 2 Feb 1975	(i) Clauses 4.1, 5.1, 5.2.3, 6.1 and 10.2 have been amended, and (ii) Existing fig. 1 has been substituted by a new one	1 Feb 1975
11.	IS : 3903-1966 Specification for dimethoate emulsifiable concentrates.	S.O. 2038 dated 17 Jun 1967	*No. 3 Aug 1974	Clauses 2.3.1 and F-6.1.1 have been amended	1 Aug 1974
12.	IS : 3899-1966 Specification for zincob water dispersible powder.	S.O. 1972 dated 10 Jun 1967	*No. 3 Feb 1974	Appendix B has been substituted by a new one.	1 Feb 1974
13.	IS : 4760-1968 Specification for domestic cooking ranges including grillers, for use with liquefied petroleum gases.	S.O. 1455 dated 19 Apr 1969	No. 2 Dec 1974	(i) Clauses 31.1, 31.3, 31.4, 31.5, 36.1, H-1.1, K-2.2, K-3.1(a), (b) and (g), and 27.1, informal table of clause 31.4 and K-3.1 have been amended; (ii) Table 1 has been substituted by a new one; (iii) Clause K-1.3 has been substituted by a new one; and (iv) New clause H-1.1.1 has been added after H-1.1.	1 Dec 1974
14.	IS : 4927-1968 Specification for unlined flax canvas hose for fire fighting.	S.O. 2330 dated 14 Jun 1969	No. 1 Dec 1974	(i) Clause D-2.1 and Table 2 have been amended and (ii) New clause D-2.2 has been added after clause D-2.1.1 and the present clause D-2.2 and D-2.2.1 have been re-numbered as clause D-2.3 and D-2.3.1.	1 Dec 1974
15.	IS : 5485-1969 Specification for cotton yarn waste.	S.O. 3561 dated 7 Nov 1970	No. 1 Dec 1974	Page 5, clause 6.1, line 6 Substitute 'Type I' for 'Type II'.	1 Dec 1974

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, this amendment shall come into force with effect from 1 Dec 1974.

These amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its Branch Offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Patna.

का० आ० 943.—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम, 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार प्रतिसूचित किया जाता है कि IS : 3631—1966 भारतीय मानक नं० २०१ के अनुसूच्य सामान्य कार्यों के लिए बाहरी किनिश देने के तैयार मिश्रित रग्नोलान (1) भारतीय (2) भ्रातारीय की विशिष्ट जिसके ब्यौरे प्रधिसूचना संख्या 21687 दिनांक 1966-08-26 के प्रधान भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1966-09-10 में छपे थे, वापस कर सौ गई है और वह अब इदूर मानी जाए क्योंकि IS : 3631—1966 में दी गई प्रतिक्रियाओं को अब IS : 2933—1975 और IS : 168—1973 में शामिल कर दिया गया है।

[संख्या सीएमडी/13:7]

S.O. 943.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is hereby notified that IS : 3631—1966 Specification for ready mixed paint, finishing, exterior (i) alkyd, and (ii) non-alkyd, for general purposes, to Indian Standard Colours, details of which were published under notification number S.O. 2687 dated 1966-08-26, in the Gazette of India, Part III, Section-3, Sub-section (ii) dated 1966-09-10, has been withdrawn and stands cancelled as the requirements of IS : 3631—1966 have been covered in IS : 2933—1975 and IS : 168—1973.

[No. CMD/13:7]

गुरुः-पत्र

का० आ० 944.—भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1977-01-15 में नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय (भारतीय मानक संस्था) प्रधिसूचना संख्या एमओ 149 दिनांक

[No. CMD/13:8]

1977-12-21 के अधीन प्रकाशित लाइसेंस संख्या सीएमएल-4098 को 1975-12-16 की बजाय 1976-07-04 से रद्द कर दिया गया है।

[सं० सीएमडी/13:8]

CORRIGENDUM

S.O. 944.—In the Ministry of Civil Supplies and Co-operation (Indian Standards Institution) notification published under number S.O. 149 dated 1976-12-21 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1970-01-15, the licensee number CM/L-4098 has been cancelled with effect from 1976-07-04 instead of 1975-12-16.

[No. CMD/13:8]

का० आ० 945.—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार प्रधिसूचित किया जाता है कि IS : 2406—1963 गैर-भौतिकीय भवनों की आग में सुरक्षा की रूपी मिश्रित जिसके ब्यौरे भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 1963-08-31 में प्रधिसूचना संख्या एमओ 2160 दिनांक 1963-08-20 के प्रधान छपे थे, वापस कर नी गई है और इदूर मानी जाए क्योंकि हम मानक में दिए गए उपबन्धों को भारत की राष्ट्रीय भवन संस्था 1970 में शामिल कर दिया गया है।

[सं० सीएमडी/13:7]

S.O. 945.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is hereby notified that IS : 2406-1963 Code of Practice for fire safety of non-industrial buildings, details of which were published under notification number S.O. 2460 dated 1963-08-20, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1963-08-31 has been withdrawn and stands cancelled as the provisions of this standard have been covered in the National Building Code of India, 1970.

[No. CMD/13:7]

का० आ० 946.—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मंत्रालय) विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्रतिक्रियाओं के प्रधान यहाँ अनुसूची में शिल सार्वत्रीय मानकों के संशोधन जारी किया गया है।

अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक संस्था की पदसंघया और शीर्षक:	जिस राजपत्र में भारतीय संशोधित मानक की मानक के तैयार होने का संख्या और दिनांक सूचना दिया थी उसकी संख्या और तिथि	संशोधन का विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 191—1967 नांबे की विशिष्ट एम ओ 287 (दूसरा पुनरीक्षण)	दिनांक 21 जनवरी, 1968	संख्या 1	खण्ड 10.1 और पृष्ठ 13 की पाद-टिप्पणी के स्थान पर नया खण्ड 6 और पाद टिप्पणी दी गई है।	प्रैल, 1975	
2. IS : 278—1969 बाइ लगाने के एम ओ 639 जमीकूल काटेवार इस्पात के तार की शिलिंग्डि (दूसरा पुनरीक्षण)	दिनांक 21 फरवरी, 1970	संख्या 3	(पृष्ठ 6, खण्ड 7.1 प्रतिम पंक्ति में) 'Times' के स्थान पर 'Turns' कर जाओगिए।	1 दिसंबर, 1971	
3. IS : 428—1969 वाल्टर रग के एम ओ 4114 चिट्टोन्पर, तैल इमलण की विशिष्ट दिनांक 11 अक्टूबर, 1969	संख्या 1	(1) मार्णी 1 का भंगोष्टन किया गया 1 जनवरी, 1975 है और (2) (पृष्ठ 8, पारेशिष्ट 'है') हमकी छटा दीजिए।	1 जनवरी, 1975		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4 IS : 562—1972 बोएचर्सी एस ओ 3256 (एवरी एच) जल विसर्जनीय सेज दिनांक 24 नवम्बर 1973 फरवरी 1975 चूपे की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	संख्या 1			(1) खण्ड ए-3 के स्थान पर एक 1 फरवरी 1975 नया खण्ड किया गया है और (2) मार्णी 1 का संगोष्ठी किया गया है।	
5. IS : 697—1963 ऊर्ती बालीनों एस ओ 1102 (ड्रेट) की विशिष्टि दिनांक 28 मार्च 1961 मार्च 1975 (पुनरीक्षण)	संख्या 2			(पृष्ठ 3, खण्ड 2, 3, टिप्पणी) — उभयों 1 मार्च 1975 हटा दीजिए।	
6 IS : 1354—1964 कोक की एस ओ 1081 परीक्षण पद्धतिया—विशेष परीक्षण दिनांक 9 अप्रैल 1966 (पुनरीक्षण)	संख्या 1		मार्च 1975	(पृष्ठ 6, खण्ड 3, 2, 2 पंक्ति 3) — 1 मार्च 1975 '100 मिमी' के स्थान पर "6 मिमी" कर लीजिए।	
7. IS : 1509—1972 पशुआहार के रूप में टैपिमोका की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1		मार्णी 1 का संगोष्ठी किया गया है।	1 मार्च 1975
8. IS : 1973—1973 ऊन से तैयार वस्त्र मामधो पर निशान लगाने की संदर्भिका (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1		(पृष्ठ 3, खण्ड 1, 2, पंक्ति 1) — '1, 2' के 1 मार्च 1975 बाद मार्च 1975 के ग्रन्द "Wool fibre" को हटा दीजिए।	
9. IS : 2141—1968 रोक के लिए जस्तीकृत तार की लड्डों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 3		(पृष्ठ 7, खण्ड 6, 2, 1) — उभयों हटा दीजिए। 1 दिसम्बर 1974	
10. IS : 2556 (भाग 12) — 1973 कॉवाम सेनीटी मामान की विशिष्टि (चीनी मिट्टी का) भाग 12 कर्ण वाले ट्रैप की विशिष्टि प्रयोगात्	—	संख्या 1		(पृष्ठ 5, आकृति 1 में) — '320' के स्थान 1 मार्च 1975 पर '310' कर लीजिए।	
11. IS : 2873—1969 पटमन की एस ओ 3561 वस्तुओं की गांड बालने की दिनांक 7 नवम्बर 1970 विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	संख्या 1		अप्रैल 1975	(पृष्ठ 12, मार्णी 5) — 'टिप्पणी' के स्थान 1 अप्रैल 1975 पर "टिप्पणी 1" कर लीजिए और "टिप्पणी 1" के बाद निम्नलिखित जोड़ लीजिए।	
12. IS : 3099—1965 मूक्षमदर्दी के स्टाइडों और कवर स्लिपों की दिनांक 28 अगस्त 1965 विशिष्टि	एस ओ 2673	संख्या 3		टिप्पणी 2 — In case of internal transit two baling strips may be used for bale length below "69 cm." (1) खण्ड 1, 3 के स्थान पर नया खण्ड 1 दिसम्बर 1974 दिया गया है, और (2) मार्णी 1 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	
13. IS : 3104—1965 घनत्व द्रव्य-मध्यी की विशिष्टि	एस ओ 1081	संख्या 1		खण्ड ए-3, 3 के स्थान पर नया खण्ड 1 अप्रैल 1975 दिया गया है।	
14. IS : 3329—1973 सूती मोजों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1		(पृष्ठ 3, खण्ड 1, 1 की अंतिम पंक्ति 1 मार्च 1975 में) "reached" के स्थान पर "bleached" कर लीजिए।	
15. IS : 3961 (भाग 1) — 1967 एस ओ 287 केबलों की धारा रेटिंग की सिफारिशें भाग 1 कागज रोधित सीमे के खोलदार केबल	संख्या 1		खण्ड 3, 1 (मो) (2) और मार्णी 1 मार्च 1975 1 में 20, 23, 24, 32, 33, और 39 का संगोष्ठी किया गया है।		
16. IS : 4009—1967 ग्रीज नियम की विशिष्टि	एस ओ 4633	संख्या 1		मार्णी 2 के नीचे एक टिप्पणी जोड़ी गई है। 1 मार्च 1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17. IS : 4748—1968 धातुओं के एस ओ 4114 कार्यों का औसत आकार शात करने की पद्धतियां	एस ओ 4114 दिनांक 11 अप्रैल 1969	संख्या 2 दिनांक 11 अप्रैल 1969	संख्या 2 फरवरी 1975	मारणी 2 और आकृति 1 का संशोधन किया गया है।	1 फरवरी 1975
18. IS : 4804 (भाग 2)—1968 प्रतिरोध बैलिंग उपकरण की विशिष्टि भाग 2 एक फेज राकर-आर्म स्पाट बैलिंग मशीन	एस ओ 593 दिनांक 15 फरवरी 1969	संख्या 1 मार्च 1975	खण्ड 4.1 (ई) का संशोधन किया गया है।	1 मार्च 1975	
19. IS : 4804 (भाग 3)—1969 प्रतिरोध बैलिंग उपकरण की विशिष्टि भाग 3 एक फेज स्पाट और प्रक्षेप बैलिंग मशीन	एस ओ 1236 दिनांक 4 अप्रैल 1970	संख्या 1 मार्च 1975	खण्ड 4.1 (ई) का संशोधन किया गया है।	1 मार्च 1975	
20. IS : 4942—1969 एल्युमिनियम और एल्युमिनियम मिश्रधातुओं पर विज्ञाही हारा निकेल और क्रोमियम की परत बढ़ाने की विशिष्टि	एस ओ 1906 दिनांक 15 मई 1969	संख्या 1 मार्च 1975	खण्ड 4 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1 मार्च 1975	
21. IS : 5041—1969 जैन, बटों और स्टेनलरी में लगाने वाले नाकों की विशिष्टि	एस ओ 3728 दिनांक 13 सितम्बर 1969	संख्या 1 फरवरी 1975	खण्ड 5.1 के बाद नया खण्ड 5.2 का संशोधन किया गया है।	1 फरवरी 1975	
22. IS : 5225—1969 अल्यूमीय वर्षा-मासी की विशिष्टि	एस ओ 89 दिनांक 10 जनवरी 1970	संख्या 5 जनवरी 1970	खण्ड 4.1 (बी) का संशोधन किया गया है।	1 जनवरी 1975	
23. IS : 5577—1970 भवचल गाड़ियों के एमोटर की विशिष्टि	एस ओ 1277 दिनांक 27 मई 1972	संख्या 3 अप्रैल 1975	(1) खण्ड 7.6.2 और 7.10 का संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 7.6.3 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1 अप्रैल 1975	
24. IS : 5638—1970 अमरीय तेलों एस.ओ 5032 (शिरोता और संगकरी) की विशिष्टि	एस.ओ 5032 दिनांक 6 नवम्बर 1971	संख्या 1 जनवरी 1975	मारणी 1 और खण्ड भी 3.1.8 का संशोधन किया गया है।	1 जनवरी 1975	
25. IS : 6306—1971 अवप्राप्त रद्द की परीक्षण पद्धतियां	एस.ओ 231 दिनांक 26 नवम्बर 1974	संख्या 1 अप्रैल 1975	कार्लिक की मात्रा निर्धारित करने की एक और पद्धति आर.आर. 5 खण्ड 6.1 के बाद पृष्ठ 13 पर जोड़ी गई है।	1 अप्रैल 1975	
26. IS : 6736—1972 खांचदार उभे शंकुवानित मिरों वाले नकड़ी के वेचों की विशिष्टि	—	संख्या 1 मार्च 1975	आकृति 1 और मारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1 मार्च 1975	
27. IS : 7075—1973 पटमत कपड़े की लिपटाई के लिए प्रयुक्त कार्ड-बोर्ड की तत्त्वांकी की विशिष्टि	—	संख्या 1 मार्च 1975	(1) मारणी 1 का संशोधन किया गया है, और (2) (पृष्ठ 6, खण्ड 7.5)—इसको हटा दीजिए।	1 मार्च 1975	

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002 और इसके आकाश कार्यालयों: अहमदाबाद, बगपोर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना से प्राप्त की जा सकती हैं।

[सं. सी.एम.डी/13:5]

S.O. 946.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect	
1	2	3	4	5	6
1. IS : 191-1967 Specification for copper. (Second Revision).	S.O. 287 dt 21 Jan 1968	No. 1 Apr 1975	Clause 10.1 and foot-note at page 13 have been substituted by new ones.	1 Apr 1975	
2. IS : 278-1969 Specification for galvanized steel barbed wire for fencing. (Second Revision).	S.O. 639 dt 21 Feb 1970	No. 3 Dec 1974	(Page 6, clause 7.4, last line)—Substitute 'turns' for 'times'.	1 Dec 1974	
3. IS : 428-1969 Specification for distemper, oil emulsion, colour as Required. (First Revision).	S.O. 4114 dt 11 Oct 1969	No. 1 Jan 1975	(i) Table 1 has been amended, and (ii) (Page 9, Appendix E)—Delete.	1 Jan 1975	
4. IS : 562-1972 Specification for BIIC (HCH) water dispersible powder concentrates. (Third Revision)	S.O. 3256 dt 24 Nov 1973	No. 1 Feb 1975	(i) Clause A-3 has been substituted by a new one, and (ii) Table 1 has been amended.	1 Feb 1975	
5. IS : 697-1963 Specification for woollen druggets. (Revised)	S.O. 1102 dt 28 Mar 1964	No. 2 Mar 1975	(Page 3, clause 2.3, Note)—Delete	1 Mar 1975	
6. IS : 1354-1964 Methods of test for coke-special tests. (Revised).	S.O. 1081 dt 9 Apr 1966	No. 1 Mar 1975	(Page 6, clause 3.2.2, line 3)—Substitute '6 mm' for '100 mm'.	1 Mar 1975	
7. IS : 1509-1972 Specification for tapioca as livestock feed. (First Revision).	—	No. 1 Mar 1975	Table 1 has been amended.	1 Mar 1975	
8. IS : 1793-1973 Guide for marking textile materials made of wool. (First Revision).	—	No. 1 Mar 1975	(Page 3, clause 1.2, line 1)—Delete the words 'WOOL FIBRE' appearing after '1.2'.	1 Mar 1975	
9. IS : 2141-1968 Specification for galvanized stay strand. (First Revision).	—	No. 3 Dec 1974	(Page 7, clause 6.2.1)—Delete.	1 Dec 1974	
10. IS : 2556 (Pt XII)-1973 Specification for vitreous sanitary appliances. (Vitreous China). Part XII Specific requirements	—	No. 1 Mar. 1975	(Page 5, Fig 1)—Substitute '310' for '320'.	1 Mar 1975	
11. IS : 2873-1969 Specification for packaging of jute products in bales. (First revision).	S.O. 3561 dt 7 Nov 1970	No. 1 Apr 1975	(Page 12, Table 5)—Substitute 'Note 1' for 'Note' and add the following after Note 1. Note 2—In case of internal transit, two balancing strips may be used for bale length below 69 cm'. (i) Clause 1.3.1 has been substituted by a new one and (ii) A note has been added at the end of table 1.	1 Apr 1975	
12. IS : 3099-1965 Specification for slides and cover slips for microscopes.	S.O. 2673 dt 28 Aug 1975	No. 3 Dec 1974	Clause A-3.3 has been substituted by a new one.	1 Dec 1974	
13. IS : 3104-1965 Specification for density hydrometers	S.O. 1081 dt 9 Apr 1966	No. 1 Apr 1975	(Page 3, clause 1.1, last line)—Substitute 'bleached' for 'reached'.	1 Apr 1975	
14. IS : 3329-1973 Specification for socks, cotton. (First revision).	—	No. 1 Mar 1975		1 Mar 1975	

1	2	3	4	5	6
15.	IS : 3961 (Pt. I)—1967 Recommended current ratings for cables.	S.O. 287 dt. 20 Jan 1968	No. 1 Mar. 1975	Clause 3.1 (c)(2) and tables 1 to 20, 23, 24, 32, 33 and 39 have been amended.	1 Mar. 1975
Part I Paper insulated lead sheathed cables.					
16.	IS : 4009-1967 Specification for grease nipples.	S.O. 4633 dt. 30 Dec 1967	No. 1 Mar. 1975	A note has been added under table 2.	1 Mar. 1975
17.	IS : 4748—1968 Methods for estimating average grain size of Metals.	S.O. 4114 dt. 11 Oct 1969	No. 2 Feb. 1975	Table 2 and Fig. 1 have been amended.	1 Feb. 1975
18.	IS : 4804 (Pt. II)—1968 Specification for resistance welding equipment.	S.O. 593 dt. 15 Feb 1969	No. 1 Mar. 1975	Clause 4.1 (e) has been amended.	1 Mar. 1975
Part II Single Phase rocker arm spot welding machines.					
19.	IS : 4804 (Pt. III)—1969 Specification for resistance welding equipment.	S.O. 1236 dt. 4 Apr 1970	No. 1 Mar. 1975	Clause 4.1 (e) has been amended.	1 Mar. 1975
Part III Single-Phase spot and projection welding machines					
20.	IS : 4942—1969 Specification for electroplated coatings of nickel and chromium on aluminium and aluminium alloys.	S.O. 1906 dt. 17 May 1969	No. 1 Mar. 1975	Clause 4 has been substituted by a new one.	1 Mar. 1975
21.	IS : 5041—1969 Specification for shoe, Boot and Stationery eyelets.	S.O. 3728 dt. 13 Sep 1969	No. 1 Feb. 1975	New clause 5.2 has been added after clause 5.1.	1 Feb. 1975
22.	IS : 5225—1969 Specification for rainguage, non recording.	S.O. 89 dt. 10 Jan. 1970	No. 5 Jan. 1975	Clause 9.1 (b) has been amended.	1 Jan. 1975
23.	IS : 5577—1970 Specification for ammeters for automobiles.	S.O. 1277 dt. 27 May 1972	No. 3 Apr. 1975	(i) Clauses 7.6.2 and 7.10 has been amended and (ii) A note has been added at the end of clause 7.6.3.	1 Apr. 1975
24.	IS : 5638—1970 Specification for acid oil (cottonseed and groundnut).	S.O. 5032 dt. 6 Nov. 1971	No. 1 Jan. 1975	Table 1 and clause B 3.1.8 have been amended.	1 Jan. 1975
25.	IS : 6306—1971 Methods of test for reclaimed rubber.	S.O. 231 dt. 26 Nov 1974	No. 1 Apr. 1975	An alternative method for the determination of carbon a black has been added at page 13, RR : 5 after 6.1	1 Apr. 1975
26.	IS : 6736—1972 Specification for slotted raised counter sunk head wood screws.	—	No. 1 Mar. 1975	Fig. 1 and table 2 have been amended.	1 Mar. 1975
27.	IS : 7075—1973 Specification for cardboard tubes used at cores for jute fabric rolls.	—	No. 1 Mar. 1975	(i) Table 1 has been amended and (ii) (Page 6, clause 7.5)—Delete.	1 Mar. 1975

Copies of these Amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110001 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Patna.

[No. CMD/13 : 5]

का० आ० 947.—मय-ममय पर संयोगित भारतीय मानक संस्था (समाजन चिह्न) विनियम 4 के उपविनियम (2) के अनुमार अधिसूचित किया जाना है कि : IS : 1361—1959 श्रोतांगिक भवनों की इमारत की बिड़कियों की विशिष्टि से सम्बन्धित श्रोतांगिक भवनों की इमारत की बिड़कियों का मानक चिह्न जिसके ब्यारे भारत के राजपत्र I, खण्ड 3, (ii) दिनांक 1971-08-14 में एम० श्रो० संख्या 3023 दिनांक 1971-07-20 के अधीन लगे थे, 1976-07-04 से नियम हो गया है।

[मं० सी एम शी/13 : 9]

ए० बी० राथ, उप-महानिदेशक

S.O. 947.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Standard Mark for steel windows for industrial buildings, relating to IS:1361-1959 Specification for steel windows for industrial buildings, details of which were published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1971-08-14 under notification number S.O. 3023 dated 1971-07-20, has been rescinded with effect 1976-07-04.

[No. CMD/13/9]
A. B. RAO, Dy. Director General.

**MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)**

New Delhi, the 7th March, 1977

CORRIGENDUM

S.O. 948.—In the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 159(E)/15/IDRA/77 dated the 10th February, 1977, and published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), Extraordinary, at pages 501-502—at page 501, in line 6, for "Messrs. National Rubber Manufacturing Limited, Calcutta," read "Messrs. National Rubber Manufacturers Limited, Calcutta."

[File No. 2/24/76-CUC]
R. R. PAHWA, Under Secy.

स्वास्थ्य व परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1977

का० आ० 949.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) में खण्ड (ख) के अनुसरण में गवर्नरमेंट मेडिकल काउन्सिल, जबलपुर में नेत्र विज्ञान के प्रोफेसर डा० आर० के० मिश्र को जबलपुर विश्वविद्यालय कोटे ने 30-7-1976 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य बन लिया है।

अतः ग्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद् धारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की 9 जनवरी 1960 की प्रधिसूचना संख्या 5-13/59-एम-1 में आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः :

उक्त प्रधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 13 और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों को प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः :

"13. डा० आर० के० मिश्र,

नेत्र विज्ञान के प्रोफेसर, गवर्नरमेंट मेडिकल काउन्सिल, जबलपुर।"

[सं० वी० 11013/1/76-एम पी ई]

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(Department of Health)**

New Delhi, the 23rd February, 1977

S.O. 949.—Whereas, in pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. R. K. Mishra, Professor of Ophthalmology, Government Medical College, Jabalpur has been elected by the Court of Jabalpur University to be a member of the Medical Council of India, with effect from the 30-7-1976;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, late Ministry of Health, No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for serial number

13 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

"13. Dr. R. K. Mishra, Professor of Ophthalmology, Government Medical College, Jabalpur."

[No. V. 11013/1/76-MPT]

का० आ० 950—यतः केन्द्रीय सरकार ने गुजरात सरकार से परामर्श करते हुए भारतीय चिकित्सा परिषद् प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में डा० ओम प्रकाश रामचन्द्र गुप्त, निदेशक, चिकित्सा शिक्षा और प्रनुसंधान गुजरात को 17 सितम्बर, 1976 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है ;

अतः ग्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की 9 जनवरी, 1960 की प्रधिसूचना संख्या 50/3/59/एम-1 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, नामतः :—

उक्त प्रधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन मनोनीत "शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 14 और तत्सम्बन्धी प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी नामतः :

"14. डा० ओम प्रकाश रामचन्द्र गुप्त, निदेशक चिकित्सा शिक्षा और प्रनुसंधान, गुजरात।"

[सं० वी० 11013/1/76-एम पी ई]

S.O. 950. Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), and in consultation with the Government of Gujarat, nominated Dr. Om Prakash Ramachandra Gupta, Director of Medical Education and Research, Gujarat, to be a member of the Medical Council of India, with effect from the 17th September, 1976;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, late Ministry of Health, No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3", for serial number 14 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

"14. Dr. Om Prakash Ramachandra Gupta, Director of Medical Education and Research, Gujarat."

[No. V. 11013/1/76-MPT]

का० आ० 951—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की सिलेट ने डा० एच० पैच० शाह के स्थान पर, जो मानोनीत चिकित्सा परिषद् के सदस्य नहीं रहे हैं, डा० प्रब्ल० शाह० माधव डीन एम० पी० शाह० मेडिकल काउन्सिल जामनगर को 27 अक्टूबर, 1975 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः ग्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की 9 जनवरी 1960 की प्रधिसूचना संख्या 5-3/59/एम 1 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, नामतः :

उक्त प्रधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा 1 के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित "शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 37 और तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएंगी, नामतः :

“37. डा० अचर साथू माथव, डी०,
एम पी शाह मेडिकल कालेज, जामनगर ।”

[स० बी० 11013/1/76-एम० पी० टी०]

एस० श्रीनिवासन, उप मंत्रिवाचन,

S.O. 951.—Whereas in pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 3, read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. Achar Sathu Mathav, Dean, M. P. Shah Medical College, Jamnagar, has been elected by the senate of the Saurashtra University to be a member of the Medical Council of India, with effect from the 27th October, 1975 vice Dr. H. H. Shah, who ceased to be the member of the Medical Council of India ;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, late Ministry of Health, No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3”, for serial number 37 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

“37. Dr. Achar Sathu Mathav, Dean, M.P. Shah Medical College, Jamnagar.”

[No. V. 11013/1/76-MPT]

S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

नई विस्ती, 5 मार्च, 1977

का० आ० 952.—बायाच अपमिश्चण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा निवेश देती है कि भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 1 अप्रैल, 1976 की प्रधिसूचना संख्या का० आ० 276 (इ) में निम्नलिखित और संशोधन किए जायेंगे, प्रार्थतु :—

उक्त प्रधिसूचना के अन्तर्गत त्रय संख्या (21) के सम्बूद्ध “धारा 3 की उप-धारा (2) के बाण्ड (इ) के अधीन मनोनीत सदस्य” “शोर्पे के “महामारी वैशानिक” शब्द के स्थान पर “स्वास्थ्य सेवा महायक नियेशक (बायाच अपमिश्चण)” शब्द और कोल्क रखे जायेंगे ।

[स० बी० 15016/1/76-डी० एण्ड एम (भाग-II)]

जी० पंचपक्षीम, अवर. मंत्रिवाचन

New Delhi, the 5th March, 1977

S.O. 952.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government hereby directs that the following further amendment shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health), No. S. O. 276(E), dated the 1st April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading “Members nominated under clause (e) of sub-section (2) of section 3”, against serial No. (21), for the word “Epidemiologist”, the words and brackets “Assistant Director of Health Services (Food Adulteration)” shall be substituted.

[No. P. 15016/1/76-D&MS(Pt. II)]

G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई विस्ती, 28 फरवरी, 1977

का० आ० 953.—यह: पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) के माध्यम भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का० आ० स० 5671 तारीख 28-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न

अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आवश्य घोषित कर दिया था ।

ग्रोर यतः सक्षम, अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है ।

ग्रोर यागे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना में संलग्न प्रत्यूषी में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

ग्रब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त अक्षिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

ग्रोर यागे, उस धारा की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त अक्षिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बायाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में मधी बंधनों से सुकून स्पष्ट में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

रुद्रमार छृपनम्बर 1 से रुद्रमार जी० जी० प.स०

नम्बर 3 मवाकी पाइपलाइन

राज्य	असम, जिला: गिरिमालग, नालुक: मेनका दोन्याव	ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	ग्रे०	मैत्री ग्रे०
सलगुरिया		69.5व्ह	0	1	87	
		69.6व्ह	0	1	20	
		13.3व्ह	0	1	20	
		13.4व्ह	0	3	48	
		19.4व्ह	0	1	20	
		19.5व्ह	0	1	87	
		19.8व्ह	0	2	54	
		19.9व्ह	0	2	68	
		20.1व्ह	0	2	27	
		19.3व्ह	0	1	20	
		25.6व्ह	0	4	15	

[स० 12020/5/75-एल ५०८ एल]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 28th February, 1977

S.O. 953.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 5671 dated 28-11-75 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines ;

And whereas the competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well No. 1 to Rudrasagar GGS

No. 3

State : Assam, Dist : Sibsagar, Taluk : Meteka Bongaon

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Salaguria	695 Kha	0	1	87
	696 Kha	0	1	20
	133 Kha	0	1	20
	134 Kha	0	3	48
	194 Kha	0	1	20
	195 Kha	0	1	87
	198 Kha	0	2	54
	199 Kha	0	2	68
	201 Kha	0	2	27
	193 Kha	0	1	20
	256 Kha	0	4	15

[No. 12020/5/75-L & L]

तर्फ़ दिल्ली, 1 मार्च, 1977

का० आ० 954.—यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहत में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कासम्बा जी० जी० एस०-७ से मी० टी० एफ० पिलोदरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुमति में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः ; अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बाणते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप समझ अधिकारी, तेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देवभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बदोदरा-९ को इस अधिसूचना की तारीख से २१ दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि व्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुमूली

कासम्बा जी० जी० एस०-७ से मी० टी० एफ० पिलोदरा तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन

राज्य:गुजरात,	ज़िला:सूरत,	तालुकःमङ्गरोड़		
गाव	सर्वेक्षण सं०	हेक्टेयर	एक्टराई	सेण्टियर
कुवरदा	798	0	18	00

[सं० 12016/3/76/एल एफ० एस०-१०]

New Delhi, the 1st March, 1977

S.O. 954.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kasamba G.G.S. to C.T.F. Pilodra in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission :

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9 ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. in Land for Laying Pipeline from Kosamba GGS-7 to CTF Pilodra

State : Gujarat	District : Surat	Taluka : Mangrol		
Village	Survey No.	Hectare	Are	Contiare
Kuvarda	798	0	18	00

[No. 12016/3/76-L & L/Prod., I]

का० आ० 955.—यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहत में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० एस० पी०-१ से कूप नं० 23 (जी०जी०एस०-III) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुमति भूमि में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः ; अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बाणते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप समझ अधिकारी, तेल सथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देवभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बदोदरा-९ को इस अधिसूचना की तारीख से २१ दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि व्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कृपा न० एस० पी०-१ से कृपा न० 23 (जी०जी० एस०-३) तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन।

राज्य : गुजरात	ज़िला : ब्रोच	तालुका : अंकलेश्वर
गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टर ए अर्क सेटियर
अदोल	151	0 03 90
	139/1	0 02 60
	140	0 07 28
	139/2	0 04 55
	138/2-ए	0 07 15
	138/1	0 03 90

[सं० 12016/3/76-एस एंड एल/प्रोड०-II]

S.O. 955.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. SP-1 to Well 23 (GGS III) in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9 ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDE

Acquisition of right of User in Land from Well SP-1 to Well No. 23 (GGS-III)

State : Gujarat	District : Broach	Taluka : Ankleshvar		
Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Adol	151	0	03	90
	139/1	0	02	60
	140	0	07	28
	139/2	0	04	55
	138/2-A	0	07	15
	138/1	0	03	90

[No. 12016/3/76-L & L/Prod. II]

का०आ० यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० मं० 2287 तारीख 24-5-76 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मल्वन अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विभाने के प्रयोजन के लिए अंगत करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सकार प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

और यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् हम अधिसूचना से मल्वन अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंगत करने का विनियोग किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार प्रदत्त द्वारा घोषित करती

है कि इस अधिसूचना से मल्वन अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विभाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अंगत किया जाता है।

और, आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विनिविष्ट होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, मध्य संघर्षों से मुक्त रूप में, हम शोधणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र नं० के०३००१८०-१९ से जी०जी० एस०-१/२ तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन।

राज्य : गुजरात ज़िला : गांधीनगर तालुका : गांधीनगर

गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टर ए अर्क सेटियर
उवरसद	1312	0 04 95
	1311	0 00 50
	1318	0 23 45
	1317	0 02 10
	1316	0 28 20
कार्ट-ट्रैक	0	01 05
1230/1	0	18 00
1230/2	0	16 35
1229	0	08 85

[सं० 12016/3/76-एस एंड एल व०/प्रोड०-III]]

S.O. 956.—Wheeras by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 2287 dated 24-5-1976 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines ;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of the section 6 of the said Act, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDE

Acquisition of R.O.U. from D.S. No. KDE-19 to GGS-VII
State : Gujarat District : Gandhi Nagar Taluka : Gandhi Nagar

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Uwarsad	1312	0	04	95
	1311	0	00	50
	1318	0	23	45
	1317	0	02	10
	1316	0	28	20
Cart-track	0	01	05	
1230/1	0	18	00	
1230/2	0	16	35	
1229	0	08	85	

[No. 12016/3/76-L & L/Prod.-III]]

नई दिल्ली, ५ गार्ड, १९७७

का० ०३० ५७—यत्. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह प्रावधान है कि गुजरात राज्य में व्यधन क्षेत्र के० ११३ (के० ०३० ५८०) से के० १२४ (के० ०४० ५९०) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन नेत्र तथा पाइपलिन गैस आयोग द्वारा बिल्ड अर्जित जाती जातिये।

और यत्. यह परिव लोता है कि ऐसी लाइनों को बिल्ड अर्जित के लिये पाइप लाइन अनुसूची में अंगत भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना अवश्यक है।

यत्. अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जित) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा ३ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अंकितों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करते का अपना आशय प्रदर्शारा घोषित किया है।

बासरें कि उक्त भूमि में हितमद्दृ कोई व्यक्ति, उम भूमि के नीचे पाइपलाइन बिल्ड अधिनियम के लिये आवेदन सक्षम अधिकारी, नेत्र तथा प्राइवेट गैस आयोग, निर्भार्ता और देशभान अधिकार एवं मकरपुरा रोड, बद्रोवरा-९ को इस अधिसूचना की नारीख से २१ विनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन करते वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह आहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि अवसायी को मार्फत।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र नं० ११३ (के० ०३० ५८०) से व्यधन क्षेत्र के० १२४ (के० ०४० ५९०) तक भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जित।

राज्य: गुजरात जिला: मेहमाना तालुका: कलोल

गांव	क्षेत्र नं०	हेक्टेयर	ए. ग्राम	सेटियर
पंसार	१०५	०	१४	७०
	११९	०	०१	००
	१०६	०	१०	५०
	१४३	०	०७	९५
	१११	०	१०	५०
	१४०	०	०९	१५
	१३५	०	२५	६५
	१३४	०	०६	९०
	११३	०	०६	७५

[मे० १२०१६/८/७६-एन ए३१ एल-१]

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 957.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from L.S.K-113 (KIC) to K-124 (KHQ) in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of Right of User from D.S. No. 113 (KIC) to D.S. K-124 (KHQ).

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol			
		Village	Blok No.	Hactare	Arc
Pansar		105		0	14
		149		0	01
		106		0	10
		143		0	07
		141		0	10
		140		0	09
		135		0	25
		134		0	06
		113		0	06

[No. 12016/8/76-L & L-I]

का० ०३० ५८० ९५८,—यत्: पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जित) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा ३ की उपधारा (१) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० ०३० ५१४० तारीख, १७-११-७५ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिल्ड अर्जित करने के प्रयोग के अंतिम करते का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत्: मक्षम, प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

श्रीर आगे, यत्: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अवधारा द्वारा बिल्ड अर्जित करने का विनियोग किया है।

श्रीर, आगे उम धारा ६ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अंकित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिल्ड अर्जित किया जाता है।

श्रीर, आगे उम धारा ६ की उपधारा (४) द्वारा प्रदत्त अंकितों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विभिन्न होने के बाजार नेत्र और प्राइवेट गैस आयोग में सभी बंधनों में सूक्ष्म रूप में, इस धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

रद्दमार्ग कृपा नं० ४६ से कृपा नम्बर ३० तक की पाइप लाइन।

राज्य: असम ज़िला: शिल्पमार्ग तालुका: नगर महल

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	तेरे सेटियर
शिल्पमार्ग टालम	५९४१ ख		० ६७
	६३९० ख		४ ०१
	६१९६ ख		० १३
	५९४२ ख		४ ५५
	५९४४ ख		३ २१
	५९४५ ख		१ ८७
	६००१ ख		२ २७

ग्राम	मेर्वे नम्बर	हेक्टर	ऐरे वेन्टीयर	Village	Survey No.	Hectre	Arc Centiare
	6044 ख	0	27		6055 Kha	0	7 63
	6002 ख	4	15		6058 Kha	0	1 47
	6003 ख	2	14		6059 Kha	0	1 61
	6053 ख	6	42		6385 Kha	0	2 01
	6054 ख	5	89		1388 Kha	0	2 94
	6055 ख	7	63		6391 Kha	0	2 94
	6058 ख	1	17		6392 Kha	0	1 47
	6059 ख	1	61		6046 Kna	0	0 80
	6385 ख	2	01		6137 Kha	0	5 35
	6388 ख	2	94		6318 Kha	0	7 22
	6391 ख	2	94		6321 Kha	0	4 41
	6392 ख	1	47				
	6046 ख	0	80				
	6137 ख	5	35				
	6318 ख	7	22				
	6321 ख	4	41				

[मेर्वे 12020/4/75-एन० पण्ड एन०-१]

[No. 12020/4/75-L & L-1]

S.O. 958.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 5140 dated 17-11-1975 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well No. 46 to Rudrasagar Well No. 30

State : Assam	Dist : Sibsagar	Taluk : Nagarmahal	Village	Survey No.	Hectare	Arc Centiare
Sibsagar Town			5941 Kha	0	0	67
			6390 Kha	0	4	01
			6496 Kha	0	0	13
			5942 Kha	0	4	55
			5944 Kha	0	3	21
			5945 Kha	0	1	87
			6001 Kha	0	2	27
			6044 Kha	0	0	27
			6002 Kha	0	4	15
			6003 Kha	0	2	14
			6053 Kha	0	6	42
			6054 Kha	0	5	89

का०आ० 959.—यतः पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार की अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम प्रौद्योगिकीय मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० मेर्वे 5111 तारीख 17-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संस्थन अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन के विधान के लिये अर्जित करने का अन्तरा आग्रह घोषित कर दिया था।

ओर यतः संस्था प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देती है।

ओर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संस्थन अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विधान के प्रयोजन के लिये एन्ड्रडारा अर्जित किया जाता है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेव ओर प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बन्धनों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस सारीष्ठ को निहित होगा।

अनुसूची

स्ट्रेमागर कूा नम्बर 38 में स्ट्रेमागर जो०जी०ग्रा० नम्बर 1 तरु की पाइप लाइन

राज्य : असम	ज़िला : शिवमागर	तालुक : मैनेहा बनगाँव	ग्राम	मेर्वे नम्बर	हेक्टर	मेर्वे	मैटीपर
पर्फॉलियाल			261 ख		1	61	
			262 ख		0	67	
			308 ख		0	67	
			310 ख		0	67	
			354 ख		0	80	
			311 ख		0	67	
			312 ख		0	67	
			358 ख		0	67	
			313 ख		1	34	
			314 ख		1	61	
			315 ख		1	87	

प्राप्ति	गवर्णर नम्बर	क्रैकटेयर	प्रेरणा संटीप्पे
	316 ख	2	11
	357 ख	0	67
	259 ख	0	67
	350 ख	2	41
	355 ख	0	10
	353 ख	0	67
	517 ख	2	54
	352 ख	0	67
	351 ख	2	11
	521 ख	1	74
	522 ख	1	31
	547 ख	2	01

मि० १२०२०/४/७५-एम० एफ० एम०-II]

S.O. 959.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 5141 dated 17-11-1975 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines:

And further in exercise of the power conferred by Sub-Section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar GGS No. 1 to Rudrasagar well
No. 38

State : Assam		Dist : Sibsagar		Taluk : Meteka Bongaon		
Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare	Perch	
Pathalial,	261 Kha	0	1	61		
	262 Kha	0	0	67		
	308 Kha	0	0	67		
	310 Kha	0	0	67		
	354 Kha	0	0	80		
	311 Kha	0	0	67		
	312 Kha	0	0	67		
	358 Kha	0	0	67		
	313 Kha	0	1	34		
	314 Kha	0	1	61		
	315 Kha	0	1	87		
	316 Kha	0	2	41		
	357 Kha	0	0	67		
	259 Kha	0	0	67		
	350 Kha	0	2	41		
	355 Kha	0	0	40		
	353 Kha	0	0	67		
	517 Kha	0	2	54		
	352 Kha	0	0	67		
	351 Kha	0	2	41		
	521 Kha	0	1	74		
	522 Kha	0	1	34		
	347 Kha	0	2	01		

〔No. 12020/4/75.1 & 1.113〕

कांगड़ा ७०—९६०।—यह: पैटोलियम पारस्पाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का धर्जन) अधिनियम, १९६२ (१९६२ का ५०) की धरा ३ की उपधारा (१) के अधीन भारत सरकार के पैटोलियम और रसायन मंत्रालय (पैटोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का ० आ० मं० २२९१ तारीख २४-५-७६ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में भवत अनुसूची में विनिरिच्छित भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाषण लाहौरों की विभागों के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का ग्रन्ता आण्य घोषित कर दिया था।

और यह: भवाम प्राधिकारी के उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ओर आगे, यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुमोदी में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करते का विनिश्चय किया है।

अब, प्रातः उक्त अधिनियम की धारा 6 का उल्लंगणना (1) द्वारा प्रदत्त गणकों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन्टव्हर्सा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पालप साहन विभाग के प्रयोगन के लिये एन्टव्हर्सा प्राप्ति किया जाता है।

और, आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने द्वाएँ केन्द्रीय सरकार निवेद देती है कि उन्हें भूमियों में उपरोक्त का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विविह होने के बजाय न देन और प्राकृतिक रैम आयोग में, सभी संघर्षों से मुक्त रूप में, ईम वापरण के प्रकाशन की इस तरीख को निवित देया।

प्रत्यक्षी

कृप न० प्रम०पी०ज० से एन०क०य० से प्रम०पी०ह० तक भूमि के उपयोग के अधिकार

राज्य : गुजरात जिला : अहमदाबाद तालुका : बीरभगम

गांव	मर्यादान नं	हैक्टेएर त्रै	मैन्टेएर
ब्राह्मसामन	34	0	10
	93	0	10
	92/1	0	04
मातेरिया	13	0	02
	11	0	04
	10/3	0	05
	9	0	05
	712	0	13
	612	0	15

सं० १२०१६/८/७६-एल० ए०३ एल०-II

S.O. 960.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2291 dated 24-5-1976 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the

said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. from Well No. SPJ to NKO to SPE

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Balsasan	94	0	10	75
	93	0	10	75
	92/1	0	04	75
Bhateria	13	0	02	00
	11	0	04	20
	10/3	0	05	75
	9	0	05	40
	7/2	0	13	20
	6/2	0	15	25

[No. 12016/8/76-L & L-JI]

का० आ० 961.—यतः पैट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 5145 तारीख 17-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिरिट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की विलासने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का प्रपत्ता आण्य घोषित कर दिया था।

प्रौढ़ यतः सक्षम, प्राधिकारिय ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

प्रौढ़ आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिरिट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

आगे, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एन्ड्रायां घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिरिट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विलासने के प्रयोजन के लिये एन्ड्रायां अर्जित किया जाता है।

प्रौढ़, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आपोग में सभी बन्धनों से मूल रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निश्चित होगा।

अनुसूची

रुद्रसागर कूप नम्बर 25 से कूप नम्बर 38 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम, जिला : शिवामगर, तालुका : मेनेकाबनगाँव

आम	मत्रों नम्बर	हेक्टेयर	मेरे	मैटीरे
पथसीमाल	539ब्र	0	3	61
	540ब्र	0	7	22
	577ब्र	0	2	01
	541ब्र	0	2	14
	578ब्र	0	2	81

[मं० 12020/4/75-एन०एड एन०-III]

टी०पी० सुश्रृृतियन, अब्रर मचिव

S.O. 961.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 5145 dated 17-11-1975 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar Well No. 25 to Rudrasagar Well No. 38

State : Assam District : Sibsagar Taluk : Metekabongaon

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Pathalial	539 Kha	0	3	61
	540 Kha	0	7	22
	577 Kha	0	2	01
	541 Kha	0	2	14
	578 Kha	0	2	81

[No. 12020/4/75-L & L-II]

T.P. SUBRAMANYAN, Under Secy.

अर्जी मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

का० आ० 962.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (प्रप्राधिकृत अधिभोगियों की बेबखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 349 (अ), तारीख 11 जुलाई, 1975 में निम्नलिखित संशोधन करती है. अर्थात्—

उक्त अधिसूचना से उत्तराधि मारणी में, “कोल माइन्स अवारिटी लिमिटेड (प्रिवेट लिमिटेड)” गव्हर्नर और कोष्ठकों के स्थान पर, जहां कहीं भी वे आये हों, “वैस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड” गव्हर्नर जायेंगे।

[का०सं० 19(43)/75-सी००८०एन०]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 962.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification

of the Government of India in the Ministry of Energy No. S.O. 349 (E), dated the 11th July, 1975, namely :—

In the table appended to the said notification, for the words and brackets "Coal Mines Authority Limited (Western Division)", wherever they occur, the words "Western Coal-fields Limited" shall be substituted.

[F. No. 19(43)/75-C]

का० आ० 963.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जित और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के प्रधीन, भारत सरकार के इसात और खान मंत्रालय (खान विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2512, तारीख 11 मित्तम्बर, 1974 द्वारा उस प्रधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिशेष में 2100.00 एकड़ (लगभग) या 850.00 हैट्टेयर (लगभग) माप की भूमियों में कोयले के लिए पूर्वान्वय करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार ने उस अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के प्रधीन, भारत सरकार के कर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3290, तारीख 28 अगस्त, 1976 द्वारा, 11 मित्तम्बर, 1976 से प्राप्त होने वाली एक वर्ष की और प्रधिधि की उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट किया था, जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उस भूमियों को या ऐसी भूमियों में या उन पर किसी अधिकारी को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकती है ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त मम्पूर्ण भूमियों में कोयला अभिनियम है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उस अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना देती है :—

(क) इससे उपाबद्ध अनुसूची 'क' में वर्णित 2046.31 एकड़ (लगभग) या 828.28 हैट्टेयर (लगभग) माप वाली भूमि ; और

(ख) इससे उपाबद्ध अनुसूची 'ख' में वर्णित 53.69 एकड़ (लगभग) या 21.72 हैट्टेयर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खान, बेधन, उनकी खुदाई करने और उन्हें तलाश करने उन्हें प्राप्त करने, उत्पर कार्य करने और उन्हें हो कर से जाने के अधिकार ।

इस प्रधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलक्टर का कार्यालय, बर्दमान (पश्चिमी बंगाल) में या कोयला नियंत्रक का कार्यालय, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में अधिकार मुख्य खान इंजीनियर (संशिमणी और विकास) का कार्यालय, ईस्टर्न कोण्फील्ड मिलिटेड, संकटोरिया, शक्तिर दिशेरगड़, जिला बर्दमान (पश्चिमी बंगाल) में किया जा सकेगा ।

कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस म्स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम के प्रधीन सभी प्राधिकारी के स्पष्ट में नियुक्त किया गया है ।

अनुसूची-क

रानोगंज खण्ड—9 विस्तार

रानोगंज कोयला क्षेत्र

उपखण्ड—'क'

झारखंड सं० 33/1861

तारीख 1-5-76

(जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमियां दर्शित हैं)

सभी अधिकार

क्रम सं०	मोजा (ग्राम)	थाना सं०	पुलिस स्टेशन	जिला थाना	क्षेत्र टिप्पणियां
1.	बोनाबंधी	11	फरीखपुर	बर्दमान	प्राप्तिक
2.	बालीजुड़ी	16	"	"	"
3.	सिरसा	17	"	"	"
4.	नवधनपुर	19	"	"	"
5.	जमगारा	23	"	"	"
6.	मधाईगंजा	24	"	"	"

कुल क्षेत्रफल 2046.31 एकड़ (लगभग)
या 828.28 हैट्टेयर (लगभग)

मीजा बोनाबंधी में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएँ : 145(पी), 177(पी), 178(पी), 179, 180(पी), 181, 182, 183(पी), 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 180/215, 189/199 ।

मोजा बालीजुड़ी में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएँ : 1, 2, 3, 4, 3/2064, 4/2065, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 14/2066, 15, 16, 17, 18, 18/2076, 5/2077, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 31/2079, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 56/2067, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 101/2070, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 113/2068, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140/2080, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 160/2082, 151, 2115, 167, 168, 168/2113, 168/2114, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 174/2128, 174/2129, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 210/2083, 211, 212, 213, 214,

215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 205/2112, 206, 2081, 233/2116, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 248/2084, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 279/2085, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 308/2069, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 354/2086, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 377/2071, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 404/2117, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 424/2087, 424/2088, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 560, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 521, 525, 542(पं), 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 574/2121, 577, 578, 578/2122, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 631/2123, 634, 635, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 732/2091, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 662, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 783, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862(पं), 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872(पं),

873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880(पं), 851/2036, 881(पं), 882(पं), 884(पं), 885(पं), 886(पं), 887(पं), 890(पं), 890/2093, 891(पं), 892(पं), 893(पं), 894(पं), 895, 896, 897, 898, 899, 899/2058, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 904/2094, 931, 932, 933, 934, 935, 936(पं), 939(पं), 940, 940/2060, 940/2061, (पं) 941(पं), 1210(पं), 1211(पं), 1212(पं), 1213(पं), 1215(पं), 1216, 1217(पं), 1218, 1219, 1220(पं), 1268(पं), 1269(पं), 1272(पं), 1277(पं), 1278(पं), 1279(पं), 1280, 1281, 1282, (पं), 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298(पं), 1299(पं), 1301(पं), 1303(पं), 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312(पं), 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1314, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1308/2138, 1442, 1443, 1441, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1467/2104, 1468, 1469, 1470, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1183, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1501/2105, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1524/2106, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1574/2137, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1588/2063(पं), 1589(पं), 1590, 1591(पं), 1592(पं), 1594(पं), 1598(पं), 1599(पं), 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605(पं), 1606(पं), 1625(पं), 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638(पं), 1639, 1640(पं), 1721(पं), 1725(पं), 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742(पं), 1743, 1744, 1745,

1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758(पी), 1759, 1760, 1761, 1762, 1763(पी), 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769(पी), 1770(पी), 1773(पी), 1774(पी), 1882(पी), 1883(पी), 1884, 1885, 1886(पी), 1887(पी), 1888(पी), 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903(पी), 1904, 1905(पी), 1908(पी), 1909(पी), 1910(पी), 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917(पी), 1918(पी), 1919(पी), 1922(पी), 1923(पी), 1924(पी), 1925(पी), 1917/2130, 1917/2131(पी), 1917/2132, 1917/2133, 1897/2127, 1769/2111.

मौजा नवधनपुर में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएँ—
 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 18/2336, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 53/2385, 53/2394, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 199/2340, 145/2348, 201, 201/2337, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 274, 275, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 355, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 365/2349, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 375/2350, 376, 377(पी), 378, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 105, 406, 107, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431(पी), 431/2347, 431/2405(पी), 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 161, 462, 363, 164, 465, 166, 467, 168, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483(पी), 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495,

496, 497, 498, 499, 500, 500/2339, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 547, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593(पी) 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606(पी), 607(पी), 610(पी), 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621(पी), 622(पी), 623, 624, 625(पी) 626(पी), 627(पी), 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 681/2351, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 816, 817, 855(पी), 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996(पी), 997, 998, 999, 1001, 1002, 1003, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 2022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1123, 1125, 1226, 1127, 1128, 1133, 1134, 1151, 1152, 1153, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1156/2360, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1185/2363, 1185/2364, 1185/2365, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216,

1217, 1218, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 3640,
 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1841, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648,
 1234, 1235, 1236, 1237, 1239, 1240, 1242, 1243, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656,
 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1657, 1758, 1659, 1660, 1660/2368, 1661, 1662,
 1252, 1253, 1254, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670,
 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678,
 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1679, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686,
 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694,
 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702,
 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710,
 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718,
 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726,
 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734,
 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1331/ 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742,
 2366, 1331/2367, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750,
 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758,
 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766,
 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1767, 1768, 1769, 1770, 1737/2403, 1737/2384, 1771,
 1360/2380, 1360/2381, 1360/2382, 1360/2383, 1361, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779,
 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787,
 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795,
 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803,
 1387, 1388, 1389, 1390, 1316/2361, 1316/2362, 1390/ 1804, 1805, 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811,
 2392, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819,
 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1820, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827,
 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835,
 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843,
 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851,
 1430, 1431, 1432, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859,
 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867,
 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1868, 1869, 1884, 2343, 1881, 1882, 1883, 1884,
 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1885, 1929, 1930, 1928/2377, 1935, 1936, 1937, 1938,
 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946,
 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954,
 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962,
 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1968/2344, 1969,
 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977,
 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985,
 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993,
 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001,
 1529, 1451/2342, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009,
 1392/2341, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540(पी), 1544, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017,
 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024,
 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 2025, 1793/2378, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030,
 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038,
 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046,
 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2052/2345,
 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 2052/2379, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058,
 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 2059(पी), 2060(पी), 2061(पी), 2062, 2063, 2064, 2065,
 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 2066, 2067, 2068, 2068/2346, 2069, 2070, 2071,
 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 2072(पी), 2073(पी), 2074(पी), 2075(पी), 2064/2390, 2077(पी),
 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 2071/2386, 2123(पी), 2124, 2125, 2126, 2127, 2128,

2129, 2130, 2131, 2132(पी), 2133(पी), 2141(पी), 2142(पी), 2148(पी), 2172(पी), 2188(पी), 2189(पी), 2190, 2191(पी), 2192, 2193(पी), 2194(पी), 2199(पी), 2200/2397(पी)।

मौजा मिरमा में अंगिन किंव जाने वाले प्लाटों की संख्याएँ : 1047(पी), 1048, 1047/1588(पी), 1047/1608(पी), 1047/1609(पी), 1047/1610, 1047/1611, 1047/1612, 1047/1613, 1047/1614, 1047/1616(पी), 1047/1623(पी), 1047/1624, 1047/1625, 1047/1657(पी), 1047/1615, 1047/1622(पी), 1048/1660(पी)

मौजा जगमगा में अंगिन किंव जाने वाले प्लाटों की संख्याएँ : 1(पी), 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41(पी), 42, 43, 44, 45(पी), 46(पी), 47(पी), 53(पी), 60(पी), 61(पी), 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90(पी), 91, 92(पी), 93, 94, 95, 98(पी), 99(पी), 100(पी), 194(पी) 199(पी), 200(पी), 201(पी), 204(पी), 205(पी), 210(पी), 211(पी), 212(पी), 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 71/1244, 73/1245(पी), 41/1253, 86/3346, 33/3418

मौजा मध्याईंजा में अंगिन किंव जाने वाके प्लाटों की संख्याएँ : 1, 2(पी), 13(पी), 14(पी), 15(पी), 16(पी), 17(पी), 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34(पी), 35(पी), 37(पी), 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86(पी), 87(पी), 88(पी), 89(पी), 90, 91, 92, 93(पी), 97(पी), 98(पी), 99(पी), 153(पी), 154(पी), 158(पी), 159, 160(पी), 161(पी), 162(पी), 172(पी), 174(पी), 175, 176, 177, 178, 179, 180, 182, 183(पी), 184, 185, 186, 187(पी), 178/967, 186/970, 172/977(पी), 68/981, 66/982, 28/983, 162/997(पी), 160/1013, 5/1017(पी), 1/1018(पी), 1/1019, 1/1022(पी), 160/1064, 162/1066(पी), 162/1068(पी), 1/1020(पी), 12/1141(पी)

मीमा वर्णन :

ए. बी लाइन मौजा मिरमा और नक्कोन्दा के बीच मामान्य मीमा के साथ-साथ, और मौजा नक्कनपुर की प्लाट में 1047/1588, 1047/1657, 1047/1658, 1047/1622, 1047/1623, 1047/1608, 1047/1609, 1047 से होकर जाती है तथा बिन्दु 'बी' पर मिलती है।

शो-गो लाइन मौजा नक्कनपुर की प्लाट में 1047/1657, 1048/1660, 1047, 1051 से मौजा मिरमा की प्लाट में 431/2105, 131, 2200/2397, 483, 2194, 2199, 2193, 2191, 2189, 2188, 2172, 2132, 2133, 2141, 2142, 2124, 2123, 593, 606, 607, 610, 621,

622, 625, 626, 627, 2075, 2074, 2077, 2071/2386, 2073, 2061, 2072, 2059, 2060, से मौजा बालीजुड़ी की प्लाट में 1925, 1922, 1924, 1923, 1917/2131, 1917, 1919, 1918, 1910, 1909, 1908, 1903, 1905, 1888, 1887, 1886, 1882, 1883, 1758, 1763, 1774, 1773, 1770, 1769, 1742, 1721, 1725, 1640, 1726, 1638, 1625, 1606, 1605, 1598, 1599, 1594, 1592, 1591, 1589, 1588/2063 से होकर गुजरती है बिन्दु 'बी' पर (जो कोइला अधिनियम की धारा 4(1) के प्रत्येक अधिसूचित गाँविंज खण्ड XI की अंगिन उत्तरी सीमा है) मिलती है।

मी-डी

लाइन मौजा जगमगा की प्लाट में 1 से होकर मौजा मध्याईंजा की प्लाट में 1/1022, 1/1021, 1/1020, 2, 1/1018, 5/1017, 17, 16, 15, 14, 13, 12/1141, 86, 87, 88, 89, 99, 98, 97, 93, 153, 154, 160, 161, 162/1068, 162/1066, 162, 174, 172, 172/977 से गुजरती है और बिन्दु 'बी' पर (जो कोइला अधिनियम की धारा 4(1) के प्रत्येक अधिसूचित गाँविंज खण्ड XI की आंगिक पूर्वी सीमा है) मिलती है।

डी-ई

लाइन मौजा जगमगा की प्लाट में 1, 73/1245, 199, 200, 201, 204, 205, 212, 211, 210, 194 से गुजरती है और बिन्दु 'ई' पर मिलती है।

ई एफ

लाइन मौजा जगमगा की प्लाट में 194, 90, 100, 99, 98, 92, 60, 61, 53, 45, 46, 47, 41 से मौजा मध्याईंजा की प्लाट में 187, 183, 162/997, 162, 162/1066, 162/1068 161, 160, 158, 160/1064, 154, 153, 37, 35, 34, से, मौजा बोनावंडी की प्लाट में 183, 145, 180, 178, 177, में मौजा बालीजुड़ी की प्लाट में 1279, 1281, 1278, 1277, 1272, 1269, 1268, 1282, 1299, 1298, 1301, 1303, 1312, 1212, 1220, 1218, 1217, 1215, 1213, 1210, 1211, 1212, 872, 880, 881, 882, 883, 884, 862, 885, 886, 887, 890, 891, 892, 893, 894, 936, 939, 941, 940/2061 से गुजरती है और बिन्दु 'एफ' पर मिलती है।

एफ-ए

लाइन मौजा बालीजुड़ी की आंगिक उत्तरी सीमा और मौजा मिरमा की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

प्रमुखी-स्थ
उपस्थिति 'ख'

इहांग में 33/1861
तारीख 1-5-76

(जिसमें ऐसी सूमि वर्णन की गई है, जिसमें खनिजों के बनान, खदान, बेधन, उनकी खुदाई करने, उन्हें तनाश करने, प्राप्त करने उन पर काये करने और उन्हें दो कर ले जाने के प्रविकार अर्जित किए जाने हैं)

खनन अधिकार

क्रम संख्या मं० (ग्राम)	धाना म०	पुर्विस स्टेण्ड जिला (याना)	धोन्न	टिप्पणिया
१) मिरसा	17	फरीदपुर	बद्रवान	प्राणिक
				कुल क्षेत्रफल-23.47 एकड़ (लगभग) या 9.49 हेक्टेयर (लगभग)

मौजा मिरसा में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएँ :— 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 228/2338, 229, 230, 231, 232, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 253, 354, 356, 377(पी), 379, 380, 381, 382, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 812, 813, 814, 815, 818, 819, 820, 821, 822, 831/2355, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855(पी), 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 997, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 969, 970, 996 (पी), 941/2359, 1101, 1129, 1130, 1131, 1132, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1154, 935/2357, 935/2358, 858/2356, 829/2354, 829/2352, 829/2353.

मौजा वर्गीन :

ए-श्री-मौजा-डी-एफ लाइने मौजा मिरसा की प्लाट मं० 969 की उनरी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 912 और 954 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 942, 943, 938, 937 की उनरी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 933 की पश्चिमी और उनरी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 1101 की उनरी और पूर्वी

मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 887 की उनरी मौजा के गाथ-गाथ, प्लाट मं० 887 और 1117 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 886 की उनरी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 886 और 1118 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 881, 880, 879, 878, की उनरी मौजा के गाथ-गाथ, प्लाट मं० 877 और 1119 की सामान्य मौजा के साथ-गाथ, प्लाट मं० 1129 और 1119 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 1129, 1130 की उनरी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 1128 और 1131 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 1131 की उनरी मौजा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'एफ' पर मिलती है।

एफ-जी

लाइन मौजा, मिरसा की प्लाट मं० 1131, 1132, 1135, 1154 की पूर्वी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 1150 और 1153 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 1150, 1149 की पूर्वी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 855 में होकर प्लाट मं० 764 की पूर्वी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 764 और 753 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 763, 762, 761, 759, 758, 754 की पूर्वी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 754 और 791 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 781, 783, की पूर्वी मौजा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'जी' पर मिलती है।

जी-एच-आई-जे-के- लाइने मौजा मिरसा की प्लाट मं० 783, 782 की दक्षिणी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 812 की पूर्वी और दक्षिणी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 814 की दक्षिणी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 815 और 811 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 815, 818, 819, 820, 546 की दक्षिणी मौजा के साथ-साथ प्लाट मं० 548, 549, 550 की पूर्वी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 550 की दक्षिणी मौजा के साथ-साथ प्लाट मं० 550 और 555 तथा 550 और 552 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 551, 519, 520, 521, 522 की दक्षिणी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 377 में होकर प्लाट मं० 377 और 517 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 382 और 383 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 382, 379 की दक्षिणी मौजा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'एन' पर मिलती है।

एन-एन-ए-डी-
क्ष्यू-आर-एम

लाइने मौजा मिरसा की प्लाट मं० 377 में होकर प्लाट मं० 379 की पश्चिमी और उनरी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 351, 356 की दक्षिणी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 356 की पश्चिमी और उनरी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 354 की पश्चिमी और उनरी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 343 और 334 की सामान्य मौजा की साथ-साथ, प्लाट मं० 340 की पश्चिमी मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 340 और 335 की सामान्य मौजा के साथ-साथ, प्लाट मं० 338, 337 की

पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 336 और 335 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 284, 285, 286 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 286 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 278 और 287 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 277 को दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 277, 276, 272, 273 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 249, 258 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 258, 257 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 257, और 255 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 230, 231, 232 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट, सं० 223, 222, 220, की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 996 से होकर प्लाट सं० 220 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 970, 969 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

उपच्छण्ड 'ग'

खनन अधिकार

क्रम	मौजा	थाना	पुलिस स्टेशन	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
	सं०	ग्राम	सं०	(थाना)		
1	सिरसा	17	फरीदपुर	बर्दवान	ग्रामिक	

कुल क्षेत्रफल—8. 66 एकड़ (लगभग)
या—3. 50 हेक्टेयर (लगभग)

मौजा सिरसा में अंजित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएँ:—1433, 1434, 1435, 1874, 1875, 1876, 1876/2369, 1877 1895, 1541, 1542, 1543, 1870, 1871, 1872, 1873 1926, 1927, 1928, 1924, 1923, 1931, 1922, 1921, 1920, 1919, 1932, 1933, 1934, 1913, 1918, 1911, 1910, 1909, 1912, 1914, 1915, 1916, 1917, 1908, 1907, 1887, 1888, 1886, 1889, 1906, 1890, 1903, 1904, 1905, 1901, 1902, 1900, 1899, 1891, 1898, 1892, 1879, 1893/2375, 1893, 1897, 1896, 1894, 1878, 1880, 1540(पी), 1925, 1894/2370, 1894/2371, 1894/2372, 1894/2373, 1894/2374, 1890/2376

सीमा वर्णन :

1-2-3 लाइने मौजा सिरसा की प्लाट सं० 1880, 1878, 1894/2370 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1876 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1876/2369 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 1433, 1434 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1540 से होकर प्लाट सं० 1435 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1539 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1541, 1542, 1543 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु '3' पर मिलती है।

3-4

लाइन मौजा सिरसा की प्लाट सं० 1543, 1871, 1870, 1926, 1928 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1928 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1927 और 1928/2377 तथा 1540 और 1928/2377 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1931, 1932, 1933 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1933 और 1955 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1934 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु '4' पर मिलती है।

4-5

लाइन मौजा सिरसा की प्लाट सं० 1934 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1934 1937 की सामान्य सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 1913 और 1937 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1911, 1910 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1910 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1909 और 1937 तथा 1909 और 1941 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1908, 1887 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु '5' पर मिलती है।

5-1

लाइन मौजा सिरसा की प्लाट सं० 1887 और 2058 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1986, 1886 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1886 की पश्चिमी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1906 और 1881 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1889, 1892, 1879 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 1880 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु '1' पर मिलती है।

उपच्छण्ड 'घ'

खनन अधिकार

क्रम	मौजा	थाना	पुलिस	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
	सं०	(ग्राम)	सं०	स्टेशन	(थाना)	
1.	बालीजुड़ी	16	फरीदपुर	बर्दवान	ग्रामिक	

कुल क्षेत्रफल-21. 56 एकड़ (लगभग)

या 8. 73 हेक्टेयर (लगभग)

मौजा बालीजुड़ी में अंजित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएँ:—491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501/2089, 502, 503, 504, 505 506, 507, 508 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542(पी), 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 567, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 602/2120, 601/2090, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 616/2118, 616/2119 619, 620

621, 622, 623, 624, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 477, 478, 475, 474, 473, 478, 479, 567/2073, 561/2072, 779, 782, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 805/2092, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 847, 1391, 1392, 1390, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 851/2057, 1473, 1474.

सीमा वर्णन :

ए-सी

लाइन मोजा बालीजुड़ी की प्लाट सं. 779 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 779 की आंशिक पूर्वी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 825, 826, 828, 829, की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 829, 828, 821, की पूर्वी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 847 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'की' पर मिलती है।

बी-सी

लाइन मोजा बालीजुड़ी की प्लाट सं. 847 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 820 और 851 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 851/2057 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 788 से होकर प्लाट सं. 788 और 851 तथा 788 और 851/2056 की सामान्य सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 1390 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है। और बिन्दु 'सी' पर मिलती है।

सी-डी

लाइन मोजा बालीजुड़ी की प्लाट सं. 1453 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 1439, 1441 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 1441, 1440, 1438, 1437 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 525, 521, की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 521/1446 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 1473, 1474 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'डी' पर मिलती है।

डी-ई

लाइन मोजा बालीजुड़ी की प्लाट सं. 1474 की दक्षिणी और आंशिक पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 1474 और 493 की सामान्य सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 491 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 492 की आंशिक पूर्वी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 495 की पूर्वी और आंशिक दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 496 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 497, 498 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 477 की आंशिक पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 479 की पूर्वी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 473 की दक्षिणी

और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 475 की आंशिक दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ई' पर मिलती है।

ई-एफ-जी-एच-
प्राई-ए :

लाइन मोजा बालीजुड़ी की प्लाट सं. 542 से होकर प्लाट सं. 475, 501 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 542 और 156 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 543 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 544, 545 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 545 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 156 की आंशिक पूर्वी सीमा और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 567 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 567 की आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 567 और 568 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 568 और 566 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 569 और 566 की सामान्य सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 573 और 566 की सामान्य सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 575 की दक्षिणी पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 576 की आंशिक पूर्वी और आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 596 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 623, 624 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 624, 622, 620, 619, 617 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 635 की आंशिक दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 636, 637, की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 638 की आंशिक पश्चिमी और आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 644, 645, की आंशिक पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 645, 784, 785, 786 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 787 की आंशिक पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 782 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 779 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[सं. 19(46)/76-सी-एल-०]
चन्द्रधर त्रिपाठी, निवेशक

S.O. 963.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) No. S.O. 2512 dated the 11th September, 1974 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 2100.00 acres (approximately) or 850.00 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And, whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3290 dated the 28th August, 1976, under sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government specified a further period of one year commencing from the 11th September, 1976 as the period within which the Central Government may give

notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands;

And, whereas, the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the whole of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire—

(a) the lands measuring 2046.31 acres (approximately) or 828.28 hectares (approximately) described in Schedule A appended hereto; and

(b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 53.69 acres (approximately) or 21.72 hectares (approximately) described in Schedule B appended hereto.

The plans of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Burdwan (West Bengal) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Chief Mining Engineer (Construction and Development), Eastern Coalfields Limited, Santorua, Post Office Dishergarh, District Burdwan (West Bengal).

The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

THE SCHEDULE A
RANIGANJ BLOCK—XI EXTN.

RANIGANJ COALFIELD

Sub Block 'A'

Drawing No. 33/1861

Dated 1-5-76

All rights

(Showing lands to be acquired)

Serial No.	Mouza (Village)	Thana No.	Police Station	District Area (Thana)	Remarks
1.	Benibandhi	11	Faridpur	Burdwan Part	
2.	Balijuri	16	"	"	"
3.	Sirsha	17	"	"	"
4.	Nabaghanapur	19	"	"	"
5.	Jamgora	23	"	"	"
6.	Madhaiganja	24	"	"	"

Total area—2046.31 acres
(Approximately)
or—828.28 hectares
(Approximately)

Plot numbers to be acquired in Mouza Benibandhi :—145(P), 177(P), 178(P), 179, 180(P), 181, 182, 183(P), 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 180/215, 189/199.

Plot numbers to be acquired in mouza Balijuri :—1, 2, 3, 4, 3/2064, 4/2065, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 14/2066, 15, 16, 17, 18, 18/2078, 5/2077, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31/2079, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 56/2067, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 101/2070, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 113/2068, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129,

130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 140/2080, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 160/2082, 151/2115, 167, 168, 168/2113, 168/2114, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 174/2128, 174, 2129, 175, 176, 177, 178, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 210/2083, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 205/2112, 206/2081, 233/2116, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 248/2084, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 279/2085, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301-302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 308/2069, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 354/2086, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 377/2071, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 404/2117, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 424/2087, 424/2088, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 521, 525, 542(P), 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 574/2121, 577, 578, 578/2122, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 631/2123, 634, 635, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 732/2091, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 783, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862(P), 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872(P), 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880(P), 851/2056, 881(P), 882(P), 884(P), 885(P), 886(P), 887(P), 890(P), 890/2093, 891(P), 892(P), 893(P), 894(P), 895, 896, 897, 898, 899, 899/2058, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 904/2094, 931, 932, 933, 934, 95, 936(P), 939(P), 940, 940/2060, 940/2061(P), 941(P), 1210(P), 1211(P), 1212(P), 1213(P), 1215(P), 1216(P), 1217(P), 1218, 1219, 1220(P), 1268(P), 1269(P), 1272(P), 1277(P), 1278(P), 1279(P), 1280, 1281, 1282(P), 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298(P), 1299(P), 1301(P), 1303(P), 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312(P), 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373.

1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1308/2138, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1467/2104, 1468, 1469, 1470, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1501/2105, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1524/2106, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1544, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1574/2137, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1588/2063(P), 1589(P), 1590, 1591(P), 1592(P), 1594(P), 1598(P), 1599(P), 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605(P), 1606(P), 1625(P), 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638(P), 1639, 1640(P), 1721(P), 1725(P), 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742(P), 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758(P), 1759, 1760, 1761, 1762, 1763(P), 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769(P), 1770(P), 1773(P), 1774(P), 1882(P), 1883(P), 1884, 1885, 1886(P), 1887(P), 1888(P), 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1994, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903(P), 1904, 1905(P), 1908(P), 1909(P), 1910(P), 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917(P), 1918(P), 1919(P), 1922(P), 1923(P), 1924(P), 1925(P), 1917/2130, 1917/2131(P), 1917/2132, 1917/2133, 1897/2127, 1769/2111.

Plot numbers to be acquired in mouza Sirsha :—1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 18/2336, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 53/2385, 53/2394, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 199/2340, 145/2348, 201, 201/2337, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 274, 275, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 335, 337, 338, 339, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 365/2349, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 375/2350, 376, 377(P), 378, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431(P), 431/2347, 431/2405(P), 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483(P), 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 500/2339, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 547, 552,

553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593(P), 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606(P), 607(P), 610(P), 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621(P), 622(P), 623, 624, 625(P), 626(P), 627(P), 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 681/2351, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 816, 817, 855(P), 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996(P), 997, 998, 999, 1001, 1002, 1003, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1123, 1125, 1126, 1127, 1128, 1133, 1134, 1151, 1152, 1153, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1156/2360, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1185/2363, 1185/2364, 1185/2365, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1027, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1239, 1240, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1331/2366, 1331/2367, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1360/2380, 1360/2381, 1360/2382, 1360/2383, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1390, 1316/2361, 1316/2362, 1390/2392, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1554, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485,

1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1451/2342, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1392/2341, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540(P), 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1660/2368, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1773, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1779, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1737/2403, 1737/2384, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1998, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875, 1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885, 1929, 1930, 1928/2377, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1660/2344, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 1793/2378, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2052/2345, 2052/2379, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059(P), 2060(P), 2061(P), 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2068/2346, 2069, 2070, 2071, 2072/(P), 2073(P), 2074(P), 2075(P), 2064/2390, 2077(P), 2071/2386, 2123(P), 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132(P), 2133(P), 2141(P), 2142(P), 2148(P), 2172(P), 2188(P), 2189(P), 2190(P), 2191(P), 2192, 2193(P), 2194(P), 2199(P), 2200/2397(P).

Plot numbers to be acquired in mouza Nabaghanapur : 1047(P), 1048, 1047/1588(P), 1047/1608(P), 1047/1609(P), 1047/1610, 1047/1611, 1047/1612, 1047/1613, 1047/1614, 1047/1616(P), 1047/1623(P), 1047/1624, 1047/1625, 1047/1657(P), 1047/1615, 1047/1622(P), 1048/1660(P).

Plot numbers to be acquired in mouza Jamgora : 1(P), 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41(P), 42, 43, 44, 45(P), 46(P), 47(P), 53(P), 60(P), 61(P), 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81,

82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90(P), 91, 92(P), 93, 94, 95, 98(P), 99(P), 100(P), 194(P), 199(P), 200(P), 201(P), 204(P), 205(P), 210(P), 211(P), 212(P), 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 71/1244, 73/1245(P), 44/1253, 86/3346, 33/3418.

Plot numbers to be acquired in mouza Madhaiganja : 1, 2(P), 13(P), 14(P), 15(P), 16(P), 17(P), 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34(P), 35(P), 37(P), 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86(P), 87(P), 88(P), 89(P), 90, 91, 92, 93(P), 97(P), 98(P), 99(P), 153(P), 154(P), 158(P), 159, 160(P), 161(P), 162(P), 172(P), 174(P), 175, 176, 177, 178, 179, 180, 182, 183(P), 184, 185, 186, 187(P), 178/967, 186/970, 172/977(P), 68/981, 66/982, 28/983, 162/997(P), 160/1013, 5/1017(P), 1/1018(P), 1/1019, 1/1022(P), 160/1064, 162/1066(P), 162/1068(P), 1/1020(P), 12/1141(P).

BOUNDARY DESCRIPTION

A-B Line passes along the common boundary between mouzas Sirsha and Nakrakonda, and through plot numbers 1047/1588, 1047/1657, 1047/1658 1047/1622, 1047/1623, 1047/1608, 1047/1609, 1047 of mouza Nabaghanapur and meets at point 'B'.

B-C Line passes through plot numbers 1047/1657, 1048/1660, 1047, 1051 of mouza Nabaghanapur, through plot numbers 431/2405, 431, 2200/2397, 483, 2194, 2199, 2193, 2191, 2189, 2188, 2172, 2132, 2133, 2141, 2142, 2124, 2123, 593, 606, 607, 610, 621, 622, 623, 626, 627, 2075, 2074, 2077, 2071/2386, 2073, 2061, 2072, 2059, 2060 of mouza Sirsha through plot numbers 1925, 1922, 1924, 1923, 1917/2131, 1917, 1919, 1918, 1910, 1909, 1908, 1903, 1905, 1888, 1887, 1886, 1882, 1883, 1758, 1763, 1774, 1773, 1770, 1769, 1742, 1721, 1725, 1640, 1726, 1638, 1623, 1606, 1605, 1598, 1599, 1594, 1592, 1591, 1589, 1588, 2053 of mouza Balijuri and meets at point 'C' (which is part northern boundary of Raniganj Block XI notified under section 4(1) of the Coal Act).

C-D Line passes through plot numbers 1/1022, 1/1021, 1/1020, 2, 1/1018, 5/1017, 17, 16, 15, 14, 13, 12/1141, 86, 87, 88, 89, 99, 98, 97, 93, 153, 154, 160, 161, 162/1068, 162/1066, 162, 174, 172, 172/977 of mouza Madhaiganja through plot number 1 of mouza Jamgora and meets at point 'D' (which is part eastern boundary of Raniganj Block XI notified under section 4(1) of the Coal Act).

D-E Line passes through plot numbers 1, 73/1245, 199, 200, 201, 204, 205, 212, 211, 210, 194 of mouza Jamgora and meets at point 'E'.

E-F Line passes through plot numbers 194, 90, 100, 99, 98, 92, 60, 61, 53, 45, 46, 47, 41 of mouza Jamgora, through plot numbers 187, 183, 162/997, 162, 162/1066, 162/1068, 161, 160, 158, 160/1064, 154, 153, 37, 35, 34, of mouza Madhaiganja, through plot numbers 183, 145, 180, 178, 177 of mouza Benebandhi, through plot numbers 1279, 1281, 1278, 1277, 1272, 1269, 1268, 1282, 1299, 1298, 1301, 1303, 1312, 1212, 1220, 1218, 1217, 1215, 1213, 1210, 1211, 1212, 872, 880, 881, 882, 883, 884, 862, 885, 886, 887, 890, 891, 892, 893, 894, 936, 939, 941, 940/2061 of mouza Balijuri and meets at point 'F'.

F-A Line passes along the part northern boundary of mouza Balijuri and northern boundary of mouza Sirsha and meets at starting point 'A'.

SCHEDULE—B

Sub-Block—'B'

Drawing No. 33/1861

Dated 1-5-76

(Showing lands the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals wherein are to be acquired).

f-g

879, 878 along common boundary of plot numbers 887 and 1119, along common boundary of plot numbers 1129 and 1119 along northern boundary of plot numbers 1129, 1130 along common boundary of plot numbers 1128 and 1131 along northern boundary of plot number 1131 of mouza Sirsha and meet at point 'f'.

Line passes along the eastern boundary of plot numbers 1131, 1132, 1135, 1154 along common boundary of plot numbers 1150, and 1153, along eastern boundary of plot numbers 1150, 1149, through plot number 855 along eastern boundary of plot number 764 along common boundary of plot numbers 764 and 753 along eastern boundary of plot numbers 763, 762, 761, 759, 758, 754, along common boundary of plot numbers 754 and 791 along eastern boundary of plot numbers 781, 783 of mouza Sirsha and meets at point 'g'.

Mining Rights

Sl. No.	Mouza (Village)	Thana Number	Police Station (Thana)	District	Area	Remarks
1. Sirsha	17	Faridpur	Burdwan	Part		

Total area—23.47 acres (Approximately)
or—9.49 hectares (Approximately)

Plot numbers to be acquired in mouza Sirsha : 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 228/2338, 229, 230, 231, 232, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 377(P), 379, 380, 381, 382, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 812, 813, 814, 815, 818, 819, 820, 821, 822, 831/2355, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855(P), 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 969, 970, 996(P), 941/2359, 1101, 1129, 1130, 1131, 1132, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1154, 935/2357, 935/2358, 858/2356, 829/2354, 829/2352, 829/2353.

BOUNDARY DESCRIPTION

a-b-c-d-e-f Line pass along the northern boundary of plot number 969 along common boundary of plot numbers 942 and 954 along northern boundary of plot numbers 942, 943, 938, 937 along western and northern boundary of plot number 933 along northern and eastern boundary of plot number 1101 along northern boundary of plot number 887 along common boundary of plot number 887 and 1117 along northern boundary of plot number 886 along common boundary of plot numbers 886 and 1118 along northern boundary of plot numbers 881, 880,

n-o-p-q-r-a

Lines pass along western and northern boundary of plot number 379 through plot number 377 along southern boundary of plot numbers 351, 356 along western and northern boundary of plot number 356 along western and northern boundary of plot number 354 along common boundary of plot numbers 343 and 334 along western boundary of plot number 340 along common boundary of plot numbers 340 and 335 along western boundary of plot numbers 338, 337 along common boundary of plot numbers 336 and 335 along southern boundary of plot numbers 284, 285, 286, along western boundary of plot number 286 along common boundary of plot numbers 278 and 287 along southern boundary of plot number 277 along western boundary of plot numbers 277, 276, 272, 273, along southern boundary of plot numbers 259, 258 along western boundary of plot numbers 257, 257 along common boundary of plot numbers 257 and 255 along western boundary of plot numbers 230, 231, 232 along southern boundary of plot numbers

223, 222, 220 along western boundary of plot number 220 through plot number 996 along western boundary of plot numbers 970, 969 of mouza Sirsha and meet at starting point 'a'

SUB-BLOCK 'C'

Mining Rights

S. No.	Mouza Village	Thana Number	Police Station	District	Area (Thana)	Re-marks
1.	Sirsha	17	Faridpur	Burdwan	Part	
Total area--8.66 acres (approximately) or--3.50 hectares (approximately)						
<p>Plot numbers to be acquired in mouza Sirsha : 1433, 1434, 1435, 1874, 1875, 1876, 1876/2369, 1877, 1895, 1541, 1542, 1543, 1870, 1871, 1872, 1873, 1926, 1927, 1928, 1924, 1923, 1931, 1922, 1921, 1920, 1919, 1932, 1933, 1934, 1913, 1918, 1911, 1910, 1909, 1912, 1914, 1915, 1916, 1917, 1908, 1907, 1887, 1888, 1886, 1889, 1906, 1890, 1903, 1904, 1905, 1901, 1902, 1900, 1899, 1891, 1898, 1892, 1879, 1893/2375, 1893, 1897, 1896, 1894, 1878, 1880, 1540(P), 1925, 1894/2370, 1894/2371, 1894/2372, 1894/2373, 1894/2374, 1890/2376.</p>						

BOUNDARY DESCRIPTION

1-2-3 Lines pass along northern boundary of plot numbers 1880, 1878, 1894/2370 along western and northern boundary of plot number 1876 along northern boundary of plot number 1876/2369 along western boundary of plot numbers 1433, 1434, along western and northern boundary of plot number 1435 through plot number 1540 along western boundary of plot number 1539 along northern boundary of plot numbers 1541, 1542, 1543 of mouza Sirsha and meet at point '3'.

3-4 Line passes along eastern boundary of plot numbers 1543, 1871, 1870, 1926, 1928 along southern boundary of plot number 1928 along common boundary of plot number 1927 and 1928/2377 and 1540 and 1928/2377 along eastern boundary of plot numbers 1931, 1932, 1933 along common boundary of plot numbers 1933 and 1935 along eastern boundary of plot number 1934 of mouza Sirsha and meet at point '4'.

4-5 Line passes along southern boundary of plot number 1934 along common boundary of plot numbers 1934 and 1937 along common boundary of plot numbers 1913 and 1937 along eastern boundary of plot numbers 1911, 1910 along southern boundary of plot numbers 1910 along common boundary of plot numbers 1909 and 1937 and 1909 and 1941 along southern boundary of plot numbers 1908, 1887 of mouza Sirsha and meets at point '5'.

5-1 Line passes along common boundary of plot numbers 1887 and 2058 along southern boundary of plot numbers 1906, 1886 along western and northern boundary of plot number 1886 along common boundary

boundary of plot numbers 1906 and 1881 along western boundary of plot numbers 1831, 1832, 1879 along southern and western boundary of plot number 1880 of mouza Sirsha and meets at starting point '1'.

SUB-BLOCK 'D'

Mining Rights

Sl. No.	Mouza (Village)	Thana Number	Police Station (Thana)	District	Area	Re-marks
1.	Balijuri	16	Faridpur	Burdwan	Part	
Total area--21.56 acres (approximately) or--8.73 hectares (approximately)						
<p>Plot numbers to be acquired in mouza Balijuri : 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 501/2089, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542(P), 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 602/2120, 601/2090, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 616/2118, 616/2119, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 477, 476, 475, 474, 473, 478, 479, 567/2073, 561/2072, 779, 782, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 805/2092, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 847, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 851/2057, 1473, 1474.</p>						

BOUNDARY DESCRIPTION

a'-b' Line passes along northern boundary of plot number 779, along part eastern boundary of plot number 779, along northern boundary of plot numbers 825, 826, 828, 829, along eastern boundary of plot numbers 829, 828, 821, along northern boundary of plot number 847 of mouza Balijuri and meets at point 'b'.

b'-c' Line passes along eastern and southern boundary of plot number 847, along common boundary of plot numbers 820 and 851, along eastern boundary of plot number 851/2057 along common boundary of plot numbers 788 and 851 & 788 and 851/2056, through plot number 788, along western boundary of plot number 1390 of mouza Balijuri and meets at point 'c'.

c'-d' Line passes along northern boundary of plot number 1453, along eastern boundary of plot numbers 1439, 1441, along southern boundary of plot numbers 1441, 1440, 1438, 1437, along western boundary of plot numbers 525, 521, along southern boundary of plot numbers 521, 1446 along eastern

boundary of plot numbers 1473, 1474 of mouza Balijuri and meets at point 'd'.	1	2
d'—e' Line passes along southern and part western boundary of plot number 1474, along common boundary of plot numbers 1474 and 493, along southern boundary of plot numbers 491, along part eastern boundary of plot number 492, along eastern and part southern boundary of plot number 495 along eastern and southern boundary, of plot number 496, along southern boundary of plot numbers 497, 498 along part eastern boundary of plot numbers 477, along eastern and southern boundary of plot number 479, along southern and western boundary of plot number 473, along part southern boundary of plot number 475 of mouza Balijuri and meets at point 'e'.	1106	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "गोदाम कर्क" पढ़ें।
e'—f'—g'—h'—i'—a' Lines pass along western boundary of plot numbers 475, 501 through plot number 542, along common boundary of plot numbers 542 and 155, and southern and western boundary of plot numbers 543, along western boundary of plot numbers 544, 545, along northern boundary of plot number 545, along part eastern boundary and northern boundary of plot number 156 along western boundary of plot number 567, along part northern boundary of plot number 567, along common boundary of plot numbers 567 and 568 along common boundary of plot numbers 568 and 566 along common boundary of plot numbers 569 and 566 along common boundary of plot numbers 573 and 566, along southern, eastern and northern boundary of plot number 575, along part eastern and part northern boundary of plot number 576, along eastern and northern boundary of plot number 596, along western boundary of plot numbers 623, 624 along northern boundary of plot numbers 624, 622, 620, 619, 617 along part southern boundary of plot number 635, along western boundary of plot numbers 636, 637 along part western and part northern boundary of plot number 638, along part western boundary of plot numbers 644, 645 along northern boundary of plot numbers 645, 784, 785, 786, along part western boundary of plot number 787, along southern and western boundary of plot number 782, along western boundary of plot number 779 of mouza Balijuri and meet at starting point 'a'.	1111	क्रम सं० 1023 की दृष्टि में इमंको निकाल दें।
	1129	(i) कालम 2 में श्रीचन्द्र शर्मा के स्थान पर "श्री श्रीचन्द्र शर्मा" पढ़ें। (ii) कालम 3 में चपरासी के स्थान पर "दफ्तरी पढ़ें।
	1130	कालम 2 में श्री हर प्रसाद मिश्र के स्थान पर "श्री हरि प्रसाद मिश्र" पढ़ें।
	1133	कालम 3 में चपरासी के स्थान पर (—) पढ़ें।
	1135	कालम 3 में चपरासी के स्थान पर "डिस्ट्रिंग आपरेटर" पढ़ें।
	1144	क्रम संख्या 1142 की दृष्टि में इमंको निकाल दें।
	1145	कालम 4 में "बही" के स्थान पर "दफ्तरी" पढ़ें।
	1146	कालम 4 में बही के स्थान पर "चपरासी" पढ़ें।
	1153	कालम 2 में श्री शी० कौ० मैनी के स्थान पर "श्री बाल किशन" पढ़ें।
	1154	कालम 2 में श्री राम पाल के स्थान पर "श्री राम फल" पढ़ें।
	1157	(i) कालम 2 में श्री कीर्ति राम शर्मा के स्थान पर "श्री कीर्ति राम शर्मा" पढ़ें। (ii) कालम 3 में (—) के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें।
	1158	कालम 3 में चपरासी के स्थान पर (—) पढ़ें।
	1159	कालम 3 में बही के स्थान पर (—) पढ़ें।
	1160	कालम 3 में बही के स्थान पर (—) पढ़ें।
	1161	कालम 3 में बही के स्थान पर "चपरासी" पढ़ें।
	1166	(i) कालम 2 में श्री भगत मिह के स्थान पर "श्री भगत मिह सुपुत्र श्री भगत मिह" पढ़ें। (ii) कालम 3 में (—) के स्थान पर "डिस्ट्रिंग आपरेटर" पढ़ें।
	1169	कालम 3 में मिफ्टर के स्थान पर "डिस्ट्रिंग आपरेटर" पढ़ें।
	1171	(i) कालम 2 में श्री मनमाल के स्थान पर "श्री संत राज सुपुत्र श्री विश्वकर्मा" पढ़ें। (ii) कालम 3 में (—) के स्थान पर "डिस्ट्रिंग आपरेटर" पढ़ें।
	1179	कालम 2 में श्री चन्द्र शंकर के स्थान पर "श्री चन्द्र शंकर" पढ़ें।
	1187	कालम 3 में (—) के स्थान पर "स्वीपर" पढ़ें।
	1189	कालम 3 में (—) के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें।
	1198	कालम 4 में बही के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें।
	1199	कालम 4 में बही के स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें।
	1200	कालम 4 में बही के स्थान पर "डिस्ट्रिंग आपरेटर" पढ़ें।
	1201	कालम 3 में (—) 1 स्थान पर "चौकीदार" पढ़ें।
	1202	कालम 3 में (—) के स्थान पर "डिस्ट्रिंग आपरेटर" पढ़ें।
	1205	कालम 3 में (—) के स्थान पर "डिस्ट्रिंग आपरेटर" पढ़ें।
स्थानान्तरण प्रावेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियाँ	
1	2	
1105	कालम 4 में बही के स्थान पर "वरिष्ठ गोदाम रक्षक" पढ़ें।	

1206	कालम 3 में “डस्टिंग प्रापरेटर” के स्थान पर “चौकीदार” पढ़ें।	1161	For the word “Do” in col. 3, read “Peon”.
1217	कालम 3 में चौकीदार के स्थान पर “डस्टिंग प्रापरेटर” पढ़ें।	1166	(i) For the words “Shri Attar Singh” in col. 2, read “Shri Attar Singh S/o Shri Bhara-Singh”.
1218	कालम 3 में (—) के स्थान पर “चौकीदार” पढ़ें।	1169	(ii) For the “Dash” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1230	कालम 2 में श्री नथी मल के स्थान पर “श्री नथीमल खट्टीक” पढ़ें।	1171	For the word “Sister” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1232	कालम 4 में बड़ी के स्थान पर “स्लीपर” पढ़ें।	1171	(i) For the words “Shri Sant Lal” in col. 2, read “Shri Sant Raj S/o Shri G. Viskarma”.
1233	कालम 4 में बड़ी के स्थान पर “डस्टिंग प्रापरेटर” पढ़ें।	1171	(ii) For the “Dash” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1241	कालम 4 में बड़ी के स्थान पर “चौकीदार” पढ़ें।	1179	For the words “Sri Chandra Shanker” in col. 2, read “Shri Chandra Sheker”.
1242	कालम 4 में बड़ी के स्थान पर “डस्टिंग प्रापरेटर” पढ़ें।	1187	For the “Dash” in col. 3, read “Sweeper”.
1257	कालम 3 में चौकीदार के स्थान पर (—) पढ़ें।	1189	For the “Dash” in col. 3, read “Watchman”.
1258	कालम 3 में बड़ी के स्थान पर “चौकीदार” पढ़ें।	1198	For the word “Do” in col. 4, read “Watchman”.
1260	कालम 3 में बड़ी के स्थान पर “डस्टिंग प्रापरेटर” पढ़ें।	1199	For the word “Do” in col. 4, read “Watchman”.
		1200	For the word “Do” in col. 4, read “Dusting Operator”.
		1201	For the “Dash” in col. 3, read “Watchman”.
		1202	For the “Dash” in col. 3, read “Dusting Operator”.
		1205	For the “Dash” in col. 3, read “Dusting Operator”.
		1206	For the words “Dusting Operator” in col. 3, read “Watchman”.
		1217	For the word “Watchman” in col. 3, read “Dusting Operator”.
		1218	For the “Dash” in col. 3, read “Watchman”.
		1230	For the words “Shri Nathi Mal” in col. 2, read “Shri Nathi Mal Khatik”.
		1232	For the word “Do” in col. 4, read “Sweeper”.
		1233	For the word “Do” in col. 4, read “Dusting Operator”.
		1241	For the word “Do” in col. 4, read “Watchman”.
		1242	For the word “Do” in col. 4, read “Dusting Operator”.
		1257	For the word “Watchman” in col. 3, read “Dash”
		1258	For the word “Do” in col. 3, read “Watchman”.
		1260	For the word “Do” in col. 3, read “Dusting Operator”.

[मा० 52/7/74-एफ० मो०-III (वाल्यम VIII)]
मुख्यी गम, उप सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 22nd February, 1977.

CORRIGENDUM

S.O. 964.—In this Department Order No. 52/21/68-FC, III(NZ)/Vol. V(I) dated 11-6-74, the following corrections shall be carried out :—

S. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
1105	For the word “Do” in col. 4, read “Senior Godown Keeper”.
1106	For the word “Do” in col. 4, read “Godown Clerk”.
1111	Deleted in view of Sl. No. 1023.
1129	(i) For the words “Shri Chand Sharma” in col. 2, read, “Shri Sri Chand Sharma”. (ii) For the word “Peon” in col. 3, read “Dastry”
1130	For the words “Shri Har Prasad Misra” in col. 2, read “Shri Hari Prasad Misra”.
1133	For the word “Peon” in col. 3, read “Dash”.
1135	For the word “Peon” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1144	Deleted in view of Sl. No. 1142.
1145	For the word “Do” in col. 4, read “Dastry”.
1146	For the word “Do” in col. 4, read “Peon”.
1153	For the words “Shri B.K. Saini” in col. 2, read “Shri Bal Kishan”.
1154	For the words “Shri Ram Pal” in col. 2, read “Shri Ram Phal”.
1157	(i) For the words “Shri Kirti Ram” in col. 2, read “Shri Kirti Ram Sharma”. (ii) For the “Dash” in col. 3, read “Watchman”.
1158	For the word “Peon” in col. 3, read “Dash”.
1159	For the word “Do” in col. 3, read “Dash”.
1160	For the word “Do” in col. 3, read “Dash”.

1161	For the word “Do” in col. 3, read “Peon”.
1166	(i) For the words “Shri Attar Singh” in col. 2, read “Shri Attar Singh S/o Shri Bhara-Singh”. (ii) For the “Dash” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1169	For the word “Sister” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1171	(i) For the words “Shri Sant Lal” in col. 2, read “Shri Sant Raj S/o Shri G. Viskarma”. (ii) For the “Dash” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1179	For the words “Sri Chandra Shanker” in col. 2, read “Shri Chandra Sheker”.
1187	For the “Dash” in col. 3, read “Sweeper”.
1189	For the “Dash” in col. 3, read “Watchman”.
1198	For the word “Do” in col. 4, read “Watchman”.
1199	For the word “Do” in col. 4, read “Watchman”.
1200	For the word “Do” in col. 4, read “Dusting Operator”.
1201	For the “Dash” in col. 3, read “Watchman”.
1202	For the “Dash” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1205	For the “Dash” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1206	For the words “Dusting Operator” in col. 3, read “Watchman”.
1217	For the word “Watchman” in col. 3, read “Dusting Operator”.
1218	For the “Dash” in col. 3, read “Watchman”.
1230	For the words “Shri Nathi Mal” in col. 2, read “Shri Nathi Mal Khatik”.
1232	For the word “Do” in col. 4, read “Sweeper”.
1233	For the word “Do” in col. 4, read “Dusting Operator”.
1241	For the word “Do” in col. 4, read “Watchman”.
1242	For the word “Do” in col. 4, read “Dusting Operator”.
1257	For the word “Watchman” in col. 3, read “Dash”
1258	For the word “Do” in col. 3, read “Watchman”.
1260	For the word “Do” in col. 3, read “Dusting Operator”.

[No. 52/7/74-FC. III (Vol. VIII)]
BAKHSI RAM, Dy. Secy.

नैवेहन व परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1977

S.O. 965.—शीपधर प्रधिनियम 1927 (1927 का 17) की धारा 2 के अंडे (ग) के अनुमत्य में केन्द्रीय सरकार प्रतिष्ठान “मद्रास शीपधर” को उक्त प्रधिनियम के प्रयोगनामों के लिए “सामान्य शीपधर” घोषित करती है।

[फा० स० 33-डी(21)/76]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 5th February, 1977

S.O. 965.—In pursuance of clause (c) of section 2 of the Lighthouse Act, 1927 (17 of 1927), the Central Government hereby declares the “Madras Lighthouse” to be a “General Lighthouse” for the purposes of the said Act.

[File No. 33-D(2)/76]

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

का० आ० 966.—भारतीय व्यापार पोत (नाविकों का रोजगार कार्यालय, कलकत्ता) नियम 1954 के नियम, 5 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एन्डडारा राजपत्र में इस प्रधिकारिता के प्रकाशन की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के लिए कलकत्ता के पत्तन में नाविकों के रोजगार बोर्ड (विदेशगामी) नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित मद्दत्य होंगे, अवश्यक:—

1. नौवहन महानिदेशक ।	सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
2. नाविकों के रोजगार कार्यालय, कलकत्ता के प्रभारी नौवहन उपमहानिदेशक ।	
3. श्रम आयुक्त, पर्सनली बोगाल, कलकत्ता ।	पीन स्वामियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
4. गिपिग मास्टर, कलकत्ता ।	
5. निर्देशक, नाविकों का रोजगार कार्यालय, कलकत्ता ।	नाविकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
6. पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी, कलकत्ता ।	
7. श्री एन० के० सेन ।	पीन स्वामियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
8. श्री टी० बागची ।	
9. कैप्टन एस० डी० चड्हा ।	नाविकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
10. श्री एस० पुरी ।	
11. कैप्टन जी० सी० राय ।	नाविकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
12. कैप्टन शी० एस० पावरी ।	
13. श्री असिन मित्रा ।	नाविकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
14. श्री अर्जित चक्रवर्ती ।	
15. श्री विजय मुखर्जी ।	नाविकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
16. श्री के० पी० राय ।	
17. श्री एन० सी० भारद्वाज ।	नाविकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य ।
18. श्री चुनील दास ।	

2. नौवहन महानिदेशक और नाविकों के रोजगार कार्यालय, कलकत्ता के प्रभारी नौवहन उपमहानिदेशक, बोर्ड के अमण्ड़ अध्यक्ष और उपाध्यक्ष होंगे।

[सं० एम एस ई (36)/76-एम ली]

श्रीमती श्री० निमेन, अवार सचिव

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 966.—In pursuance of rule 5 of the Indian Merchant Shipping (Seaman's Employment Office, Calcutta) Rules 1954, the Central Government hereby appoints Seaman's Employment Board (Foreign Going) at the port of Calcutta, for a period of two years with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette, consisting of the following members, namely :—

1. The Director General of Shipping.	Members representing Government.
2. The Deputy Director General of Shipping, incharge of the Seaman's Employment Office, Calcutta.	
3. Labour Commissioner, West Bengal.	Members representing Shipowners.
4. The Shipping Master, Calcutta.	
5. The Director, Seamen's Employment Office, Calcutta.	Members representing Seamen.
6. The Port Health Officer, Calcutta.	
7. Shri N.K. Son.	Members representing Shipowners.
8. Shri T. Bagchi.	
9. Capt. S.D. Chadha.	Members representing Seamen.
10. Shri S. Puri.	
11. Capt. G.C. Rao.	
12. Capt. B.S. Pavri	
13. Shri Asit Mitra.	
14. Shri Ajit Chakraborty.	
15. Shri Bijoy Mukherjee.	
16. Shri K.P. Roy.	
17. Shri N.C. Bharadwaj.	
18. Shri Sunil Das.	

2. The Director General of Shipping and the Deputy Director General of Shipping incharge of the Seaman's Employment Office, Calcutta shall, respectively, be the Chairman and the Vice Chairman of the Board.

[No. MSE(36)/76-MT]
SMT. B. NIRMAL, Under Secy.

सूचना और प्रसारण भेंतालय

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1977

का० आ० 967.—चलचित्र (सेमर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उप नियम (2) के माध्य पठ्ठन नियम 8 के उप नियम (3) और चलचित्र प्रधिनियम, 1952 की धारा 5(1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एन्डडारा निम्नलिखित अविकारों को इस प्रधिसूचना के जारी होने की तारीख में प्राप्त आदेश तक, केन्द्रीय फिल्म मेंर बोर्ड के अस्ट्रॉ बनाहकार पैनल का मद्दत्य नियुक्त करती है:—

1. श्रीमती नीलम माथुर ।
2. शा० एस० ई० मिश्र ।
3. श्रीमती विजय चोपडा ।
4. श्री बी० जी० कोशी ।
5. श्री मधुरेन्द्र किशोर वर्मा ।

[का० मं० 11/3/76-एफ० मी०]
आनन्द कुमार बर्मा, अध्यक्ष सचिव

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 5th March, 1977

S.O. 967.—In exercise of the powers conferred by Section 5(i) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 8 read with sub-rule (2) of rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby appoints the following persons as members of the Advisory Panel of Central Board of Film Censors at Bombay with effect from the date of issue of this notification until further orders :—

1. Smt. Neelam Mathur.
2. Dr. S. D. Mishra.
3. Smt. Vijay Chopra.
4. Shri B. G. Koshy.
5. Shri Madhurendra Kishore Verma.

[F. No. 11/3/76-FC]

A. K. VERMA, Jt. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

का० आ० 968.—केन्द्रीय सरकार ने, यह ममाधान हो जाने पर कि नोकहिं भेंते करना अनिवार्य था, औरोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के व्याप्ति ३ के उपर्युक्त के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के अस मवालय की अधिसूचना संघात का० आ० 3517, तारीख 17 मिन्हवर, 1976 वार्ग जिक वनत उद्योग की उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 मिन्हवर, 1976 से श्री मार्ग की कानूनवधि के लिए श्रीक उपर्योगी मेंवा बोर्डिंग किया गया था;

ग्रोर केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कानूनवधि को आदेश अस की कानूनवधि के लिए बढ़ाया जाना नोक हित में अपेक्षित है,

अतः अब श्रीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (३) के उप-खण्ड (vi) के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 मार्च, 1977 से आगे छ: मास की कालावधि के लिए लांक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[मक्का एम-11017/3/77-डी०-१(ए)]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 968.—Whereas the Central Government being satisfied that the public interest so required had declared by a notification made in pursuance of the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section (2) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), being the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3517 dated the 17th September, 1976, the Zinc Mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 17th September, 1976;

And whereas the Central Government is of the opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period for six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 17th March, 1977.

[No. S. 11017/3/77/DI(A)]

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1977

का० आ० 969.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रोतित था, श्रीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (३) के उप-खण्ड (vi) के उपवर्धों के अनुसरण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना मक्का का० आ० 3455 नारीश्व 17 मिन्चवर, 1976 द्वारा सीया खनन उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 25 मिन्चवर, 1976 से छ: मास की कालावधि के लिए लांक उपयोगी सेवा घोषित किया गया था।

अब केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कालावधि को आगे छ: मास की कालावधि के लिए बढ़ाया जाना लोकहित में अपेक्षित है;

अतः अब, श्रीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (३) के उप-खण्ड (vi) के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 25 मार्च, 1977 से आगे छ: मास की कालावधि के लिए लांक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[मक्का एम-11017/2/77-डी०-१(ए)]

New Delhi, the 13th March, 1977

S.O. 969.—Whereas the Central Government being satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section (2) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 3455 dated the 17th September, 1976, the lead mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 25th September, 1976;

And whereas the Central Government is of the opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 25th March, 1977.

[No. S. 11017/2/77/DI(A)]

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1977

का० आ० 970.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, श्रीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (३) के उप-खण्ड (vi) के उपवर्धों के अनुसरण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना मक्का का० आ० 3518 नारीश्व 17 मिन्चवर, 1976 द्वारा सीया खनन उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए पहली प्रेषण, 1976 से आगे छ: मास की कालावधि के लिए लांक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

अब केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कालावधि को आगे छ: मास की कालावधि के लिए बढ़ाया जाना लोकहित में अपेक्षित है;

अतः अब, श्रीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (३) के उप-खण्ड (vi) के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए पहली प्रेषण, 1977 से आगे छ: मास की कालावधि के लिए लांक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[मक्का एम-11017/2/77-डी०-१(ए)]

एन० क० नारायणन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th March, 1977

S.O. 970.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 3518 dated the 17th September, 1976, the Copper mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 1st October, 1976;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 1st April, 1977.

[No. S. 11017/2/77/DI(A)]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1977

का० आ० 971.—केन्द्रीय सरकार, लौह अप्यक्ष अम कल्याण उपकर नियम, 1963 के नियम 3 के खण्ड (ii) के साथ पठित लौह अप्यक्ष खान अम कल्याण उपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 58) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खनन और भूविज्ञान निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, नागपुर के स्वान पर लौह अप्यक्ष खान कल्याण आयुक्त गोवा और महाराष्ट्र, पणजी गोवा) को महाराष्ट्र, राज्य के लिए बनाई गई गलाकृष्णाराम समिति के उपाध्यक्ष के स्वप्न में नियुक्त करती है और भारत सरकार के अम कल्याण की अधिसूचना का० आ० ए० 810 नारीश्व, 21 फरवरी, 1976 में निम्ननिवित और संसोधन करती है, अधिनियम:—

उक्त अधिसूचना में, क्रम स० 2 के सामने की प्रविधियों के स्थान पर “बनान प्रांत भूविज्ञान निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, नागपुर” पदश्वरों के स्थान

पर “लोह प्रयोग खान प्रम आयुक्त, गोवा और महाराष्ट्र, लोह प्रयोग खान प्रम कल्याण संगठन, गोवा, पणजी”, शब्द रख जाएँ।

[म० म०-19012/1/75-वृन्दू० प० (पम)]
पी० के० मेन, गोवा मतिवा

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 971.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess Act, 1961 (58 of 1961) read with clause (ii) of rule 3 of the Iron Ore Labour Welfare Cess Rules, the Central Government hereby appoints the Iron Ore Mines Welfare Commissioner Goa and Maharashtra, Panaji (Goa) to be the Vice-Chairman of the Advisory Committee set up for the State of Maharashtra vice the Director of Mining and Geology, Government of Maharashtra, Nagpur and further makes the following amendment in the notification of the Government of India the Ministry of Labour S. O. No. 810 dated the 21st February, 1976, namely :—

In the said notification for the entries against Serial No. 2 for the words “Director of Mining and Geology, Government of Maharashtra, Nagpur” the words “Iron Ore Mines Welfare Commissioner, Goa and Maharashtra, Iron Ore Mines Labour Welfare Organisation, Goa, Panaji” shall be substituted.

[No. U. 19012/1/75-W.A.(M)]

P. K. SEN, Under Secy.

New Delhi, the 9th March, 1977

S.O. 972.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Riverside Transport and Trading Private Limited, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th March, 1977.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 22 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Riverside Transport and Trading Private Limited, Calcutta.

AND

Their workmen

APPEARANCE :

On behalf of Employers—None.

On behalf of Workmen—None.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Port and Dock

AWARD

This reference arise out of the Order of the Government of India, Ministry of Labour, vide No. L-32011/25/75-D. IV(A) dated 10th June, 1976 under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947. The reference reads :

“Whether the management of Messrs Riverside Transport and Trading Private Limited, Calcutta are justified in refusing to pay to their following workmen interim relief as per the recommendations of the Wage Revision Committee for Port and Dock Workers ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?

Names of the workmen involved

1. Shri Chita Bahadur Chetri	Steamer Watchmen Supervisors.
2. " Krishna Prasad Sharma	
3. " Mohammed Safi	
4. " Mohd. Jamil	
5. " Kal Bahadur Chetri	Steamer Watchmen.
6. " Laki Kanta Sharma	
7. " Ganga Bahadur Thapa	
8. " Bhimlal Sharma	
9. " Lakshimpati Sharma	
10. " Jangbahadur Chetri	
11. " Dhan Bahadur Ghala	
12. " Shanta Bahadur Chetri	
13. " Salender Singh	
14. " Mohammed Hanif	
15. " Mohd. Jamil "	
16. " Mohd. Jamil "	
17. " Mohd. Jamil "	
18. " Mohd. Jamil "	
19. " Mohd. Jamil "	
20. " Mohd. Jamil "	
21. " Mohd. Jamil "	
22. " Mohd. Jamil "	
23. " Mohd. Jamil "	
24. " Mohd. Jamil "	
25. " Mohd. Jamil "	
26. " Mohd. Jamil "	
27. " Mohd. Jamil "	
28. " Mohd. Jamil "	
29. " Mohd. Jamil "	
30. " Mohd. Jamil "	
31. " Mohd. Jamil "	
32. " Mohd. Jamil "	
33. " Mohd. Jamil "	
34. " Mohd. Jamil "	
35. " Mohd. Jamil "	
36. " Mohd. Jamil "	
37. " Mohd. Jamil "	
38. " Mohd. Jamil "	
39. " Mohd. Jamil "	
40. " Mohd. Jamil "	
41. " Mohd. Jamil "	
42. " Mohd. Jamil "	
43. " Mohd. Jamil "	
44. " Mohd. Jamil "	
45. " Mohd. Jamil "	
46. " Mohd. Jamil "	
47. " Mohd. Jamil "	
48. " Mohd. Jamil "	
49. " Mohd. Jamil "	
50. " Mohd. Jamil "	
51. " Mohd. Jamil "	
52. " Mohd. Jamil "	
53. " Mohd. Jamil "	
54. " Mohd. Jamil "	
55. " Mohd. Jamil "	
56. " Mohd. Jamil "	
57. " Mohd. Jamil "	
58. " Mohd. Jamil "	
59. " Mohd. Jamil "	
60. " Mohd. Jamil "	
61. " Mohd. Jamil "	
62. " Mohd. Jamil "	
63. " Mohd. Jamil "	
64. " Mohd. Jamil "	
65. " Mohd. Jamil "	
66. " Mohd. Jamil "	
67. " Mohd. Jamil "	
68. " Mohd. Jamil "	
69. " Mohd. Jamil "	
70. " Mohd. Jamil "	
71. " Mohd. Jamil "	
72. " Mohd. Jamil "	
73. " Mohd. Jamil "	
74. " Mohd. Jamil "	
75. " Mohd. Jamil "	
76. " Mohd. Jamil "	
77. " Mohd. Jamil "	
78. " Mohd. Jamil "	
79. " Mohd. Jamil "	
80. " Mohd. Jamil "	
81. " Mohd. Jamil "	
82. " Mohd. Jamil "	
83. " Mohd. Jamil "	
84. " Mohd. Jamil "	
85. " Mohd. Jamil "	
86. " Mohd. Jamil "	
87. " Mohd. Jamil "	
88. " Mohd. Jamil "	
89. " Mohd. Jamil "	
90. " Mohd. Jamil "	
91. " Mohd. Jamil "	
92. " Mohd. Jamil "	
93. " Mohd. Jamil "	
94. " Mohd. Jamil "	
95. " Mohd. Jamil "	
96. " Mohd. Jamil "	
97. " Mohd. Jamil "	
98. " Mohd. Jamil "	
99. " Mohd. Jamil "	
100. " Mohd. Jamil "	
101. " Mohd. Jamil "	
102. " Mohd. Jamil "	
103. " Mohd. Jamil "	
104. " Mohd. Jamil "	
105. " Mohd. Jamil "	
106. " Mohd. Jamil "	
107. " Mohd. Jamil "	
108. " Mohd. Jamil "	
109. " Mohd. Jamil "	
110. " Mohd. Jamil "	
111. " Mohd. Jamil "	
112. " Mohd. Jamil "	
113. " Mohd. Jamil "	
114. " Mohd. Jamil "	
115. " Mohd. Jamil "	
116. " Mohd. Jamil "	
117. " Mohd. Jamil "	
118. " Mohd. Jamil "	
119. " Mohd. Jamil "	
120. " Mohd. Jamil "	
121. " Mohd. Jamil "	
122. " Mohd. Jamil "	
123. " Mohd. Jamil "	
124. " Mohd. Jamil "	
125. " Mohd. Jamil "	
126. " Mohd. Jamil "	
127. " Mohd. Jamil "	
128. " Mohd. Jamil "	
129. " Mohd. Jamil "	
130. " Mohd. Jamil "	
131. " Mohd. Jamil "	
132. " Mohd. Jamil "	
133. " Mohd. Jamil "	
134. " Mohd. Jamil "	
135. " Mohd. Jamil "	
136. " Mohd. Jamil "	
137. " Mohd. Jamil "	
138. " Mohd. Jamil "	
139. " Mohd. Jamil "	
140. " Mohd. Jamil "	
141. " Mohd. Jamil "	
142. " Mohd. Jamil "	
143. " Mohd. Jamil "	
144. " Mohd. Jamil "	
145. " Mohd. Jamil "	
146. " Mohd. Jamil "	
147. " Mohd. Jamil "	
148. " Mohd. Jamil "	
149. " Mohd. Jamil "	
150. " Mohd. Jamil "	
151. " Mohd. Jamil "	
152. " Mohd. Jamil "	
153. " Mohd. Jamil "	
154. " Mohd. Jamil "	
155. " Mohd. Jamil "	
156. " Mohd. Jamil "	
157. " Mohd. Jamil "	
158. " Mohd. Jamil "	
159. " Mohd. Jamil "	
160. " Mohd. Jamil "	
161. " Mohd. Jamil "	
162. " Mohd. Jamil "	
163. " Mohd. Jamil "	
164. " Mohd. Jamil "	
165. " Mohd. Jamil "	
166. " Mohd. Jamil "	
167. " Mohd. Jamil "	
168. " Mohd. Jamil "	
169. " Mohd. Jamil "	
170. " Mohd. Jamil "	
171. " Mohd. Jamil "	
172. " Mohd. Jamil "	
173. " Mohd. Jamil "	
174. " Mohd. Jamil "	
175. " Mohd. Jamil "	
176. " Mohd. Jamil "	
177. " Mohd. Jamil "	
178. " Mohd. Jamil "	
179. " Mohd. Jamil "	
180. " Mohd. Jamil "	
181. " Mohd. Jamil "	
182. " Mohd. Jamil "	
183. " Mohd. Jamil "	
184. " Mohd. Jamil "	
185. " Mohd. Jamil "	
186. " Mohd. Jamil "	
187. " Mohd. Jamil "	
188. " Mohd. Jamil "	
189. " Mohd. Jamil "	
190. " Mohd. Jamil "	
191. " Mohd. Jamil "	
192. " Mohd. Jamil "	
193. " Mohd. Jamil "	
194. " Mohd. Jamil "	
195. " Mohd. Jamil "	
196. " Mohd. Jamil "	
197. " Mohd. Jamil "	
198. " Mohd. Jamil "	
199. " Mohd. Jamil "	
200. " Mohd. Jamil "	
201. " Mohd. Jamil "	
202. " Mohd. Jamil "	
203. " Mohd. Jamil "	
204. " Mohd. Jamil "	
205. " Mohd. Jamil "	
206. " Mohd. Jamil "	
207. " Mohd. Jamil "	
208. " Mohd. Jamil "	
209. " Mohd. Jamil "	
210. " Mohd. Jamil "	
211. " Mohd. Jamil "	
212. " Mohd. Jamil "	
213. " Mohd. Jamil "	
214. " Mohd. Jamil "	
215. " Mohd. Jamil "	
216. " Mohd. Jamil "	
217. " Mohd. Jamil "	
218. " Mohd. Jamil "	
219. " Mohd. Jamil "	
220. " Mohd. Jamil "	
221. " Mohd. Jamil "	
222. " Mohd. Jamil "	
223. " Mohd. Jamil "	
224. " Mohd. Jamil "	
225. " Mohd. Jamil "	
226. " Mohd. Jamil "	
227. " Mohd. Jamil "	
228. " Mohd. Jamil "	
229. " Mohd. Jamil "	
230. " Mohd. Jamil "	
231. " Mohd. Jamil "	
232. " Mohd. Jamil "	
233. " Mohd. Jamil "	
234. " Mohd. Jamil "	
235. " Mohd. Jamil "	
236. " Mohd. Jamil "	
237. " Mohd. Jamil "	
238. " Mohd. Jamil "	
239. " Mohd. Jamil "	
240. " Mohd. Jamil "	
241. " Mohd. Jamil "	
242. " Mohd. Jamil "	
243. " Mohd. Jamil "	
244. " Mohd. Jamil "	
245. " Mohd. Jamil "	
246. " Mohd. Jamil "	
247. " Mohd. Jamil "	
248. " Mohd. Jamil "	
249. " Mohd. Jamil "	
250. " Mohd. Jamil "	
251. " Mohd. Jamil "	
252. " Mohd. Jamil "	
253. " Mohd. Jamil "	
254. " Mohd. Jamil "	
255. " Mohd. Jamil "	
256. " Mohd. Jamil "	
257. " Mohd. Jamil "	
258. " Mohd. Jamil "	
259. " Mohd. Jamil "	
260. " Mohd. Jamil "	
261. " Mohd. Jamil "	
262. " Mohd. Jamil "	
263. " Mohd. Jamil "	
264. " Mohd. Jamil "	
265. " Mohd. Jamil "	
266. " Mohd. Jamil "	
267. " Mohd. Jamil "	
268. " Mohd. Jamil "	
269. " Mohd. Jamil "	
270. " Mohd. Jamil "	
271. " Mohd. Jamil "	
272. " Mohd. Jamil "	
273. " Mohd. Jamil "	
274. " Mohd. Jamil "	
275. " Mohd. Jamil "	
276. " Mohd. Jamil "	
277. " Mohd. Jamil "	
278. " Mohd. Jamil "	
279. " Mohd. Jamil "	
280. " Mohd. Jamil "	
281. " Mohd. Jamil "	
282. " Mohd. Jamil "	
283. " Mohd. Jamil "	
284. " Mohd. Jamil "	
285. " Mohd. Jamil "	
286. " Mohd. Jamil "	
287. " Mohd. Jamil "	
288. " Mohd. Jamil "	
289. " Mohd. Jamil "	
290. " Mohd. Jamil "	
291. " Mohd. Jamil "	
292. " Mohd. Jamil "	
293. " Mohd. Jamil "	
294. " Mohd. Jamil "	
295. " Mohd. Jamil "	
296. " Mohd. Jamil "	
297. " Mohd. Jamil "	
298. " Mohd. Jamil "	
299. " Mohd. Jamil "	
300. " Mohd. Jamil "	
301. " Mohd. Jamil "	
302. " Mohd. Jamil "	
303. " Mohd. Jamil "	
304. " Mohd. Jamil "	
305. " Mohd. Jamil "	
306. " Mohd. Jamil "	
307. " Mohd. Jamil "	
308. " Mohd. Jamil "	
309. " Mohd. Jamil "	
310. " Mohd. Jamil "	
311. " Mohd. Jamil "	
312. " Mohd. Jamil "	
313. " Mohd. Jamil "	
314. " Mohd. Jamil "	
315. " Mohd. Jamil "	
316. " Mohd. Jamil "	
317. " Mohd. Jamil "	
318. " Mohd. Jamil "	
319. " Mohd. Jamil "	
320. " Mohd. Jamil "	
321. " Mohd. Jamil "	
322. " Mohd. Jamil "	
323. " Mohd. Jamil "	
324. " Mohd. Jamil "	
325. " Mohd. Jamil "	
326. " Mohd. Jamil "	
327. " Mohd. Jamil "	
328. " Mohd. Jamil "	
329. " Mohd. Jamil "	
330. " Mohd. Jamil "	
331. " Mohd. Jamil "	
332. " Mohd. Jamil "	
333. " Mohd. Jamil "	
334. " Mohd. Jamil "	
335. " Mohd. Jamil "	
336. " Mohd. Jamil "	
337. " Mohd. Jamil "	
338. " Mohd. Jamil "	
339. " Mohd. Jamil "	
340. " Mohd. Jamil "	
341. " Mohd. Jamil "	
342. " Mohd. Jamil "	
343. " Mohd. Jamil "	
344. " Mohd. Jamil "	
345. " Mohd. Jamil "	
346. " Mohd. Jamil "	
347. " Mohd. Jamil "	
348. " Mohd. Jamil "	
349. " Mohd. Jamil "	
350. " Mohd. Jamil "	
351. " Mohd. Jamil "	
352. " Mohd. Jamil "	
353. " Mohd. Jamil "	
354. " Mohd. Jamil "	
355. " Mohd. Jamil "	
3	

7. T. Krishnan, Thayyulathil House, P. O. Pudur, Nut Street, (via) Badagara, Kozhikode, Kerala.
 8. C. John, Villayil House, Kalayapuram, Mylom P. O. Kottarakkara, Quilon Distt. Kerala.

AND

Indian Airlines, Airlines House, Madras-27.

REFERENCE :

Order No. L-11011(2)/75-D. IIB, dated 13-8-1975 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for hearing this day, upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal K. T. Palpandian and G. V. Srinivasulu, Advocates for the workmen and of Thiruvalargal C. Ramakrishna, N. G. R. Prasad and M. Shakir Ali, Advocates for the Management and the parties having filed a Memoranda of settlement and recording the same, this Tribunal made the following Award.

AWARD

This is an Industrial Dispute between the Management of Indian Airlines and its workmen with reference to the question of non-employment of certain individuals mentioned in the reference. This was referred to this Tribunal by the Government of India in its Order No. L. 11011(2)/75-D. IIB, dated 13-8-1975 of the Ministry of Labour.

2. The Schedule for reference reads as follows :

Is the action of the management of the Indian Airlines, Cochin (Madras Region) is justified in denying employment from 24-11-1973 to Sarvashri C. John, T. M. George, A. C. Purushothaman, V. K. Murugan, V. S. Jayaram, N. V. George, P. Sivan, and T. Krishnan, who were appointed on regular/casual/daily rated basis? If not, to what relief are the said workmen entitled and from what date?

3. The workmen of the Indian Airlines filed a Claim Statement stating that they are all permanent employees in the service of the Indian Airlines Corporation Limited. There was a strike followed by a lock-out in 1973 and thereafter the Management stopped giving work to these petitioners and claim to retrench them giving out that they were only casual employees. The stand of the Management is not correct and these persons are permanent employees of the Corporation who should be reinstated in service with back wages from 24-11-1973.

4. The Management filed a counter statement as follows: These workmen named in the reference are not permanent employees of the Corporation and they were employed purely as casual workmen on a daily rated basis. There was no guarantee of employment for them and they were engaged just for the day when there was work. The reference itself is not proper in that it is not a collective dispute. The claim of the workmen has to be negatived even on the preliminary objection.

5. The matter was adjourned from time to time for a number of hearings at the request of both the parties. Finally when the matter was taken up for enquiry on 10-2-1977, the workman filed a memo in respect of one individual, viz., V. K. Murugan (claimant No. 3) to the effect that he is already a permanent employee in service and therefore the dispute is not pressed so far as he is concerned. Consequently, the memo filed by V. K. Murugan is recorded and the claim for reinstatement so far as he is concerned is dismissed, since he is already a permanent employee in service.

6. When the matter was adjourned to 15-2-1977, the workmen filed further memo of Settlements to the effect that an Award may be passed in terms of the Settlements. The Settlements are marked as Exs. M-1, M-3 and M-4. I have perused the terms of the Settlements and heard learned counsel for both sides. I am satisfied that they are just, fair and equitable. Therefore, an Award is passed in terms of the Settlements in respect of those persons covered by Exs. M-1, M-3 and M-4.

7. The result is that claims of the employees mentioned in the reference have been settled and nothing remains for adjudication. An award is passed in terms of the Settlements. Each party will bear his or its own costs.

Dated this 15th day of February, 1977.

T. N. SINGARAVELU, Industrial Tribunal.

WITNESSES EXAMINED

For both sides : Nil.

DOCUMENTS MARKED

For workmen : Nil

For Management

Ex. M-1/1-11-76.—Memorandum of settlement u/s. 18(1) r/w Section 2(p) of the I. D. Act, 1947 between the Management and the workers 1, 2, 4 and 5.

Ex. M-2.—Memorandum of Worker No. 3 stating that the claim in respect of worker-3 may be dismissed.

Ex. M-3/9-2-77.—Memorandum of settlement u/s. 18(1) r/w Sec. 2(p) of the I. D. Act, 1947 between the Management and the workers 6 and 7.

Ex. M-4/10-2-77.—Memorandum of settlement u/s. 18(1) r/w Sec. 2(p) of the I. D. Act, 1947 between the Management and Worker No. 8.

T. N. SINGARAVELU
Industrial Tribunal

ANNEXURE

MEMORANDUM OF SETTLEMENT UNDER SECTION
18(1) READ WITH SECTION 2(p) OF THE INDUS-
TRIAL DISPUTES ACT, 1947.

Name of parties :

1. Employer.—Indian Airlines represented by Shri Krishan Dev, Manager, Personnel Services, Indian Airlines, Madras.

2. S/Shri

(i) A. C. Purushothaman
(ii) N. V. George.
(iii) V. S. Jayaram.
(iv) T. M. George.

} Workmen

Whereas Indian Airlines had engaged the above mentioned workmen purely on casual and daily rated basis depending upon day to day requirement of work at Cochin and its other stations.

And whereas Indian Airlines were constrained to declare a lock-out with effect from 24-11-1973 following an illegal strike which was commenced by the employees of the Corporation.

And whereas subsequently the lock-out was lifted.

And whereas after lifting the lock-out Indian Airlines found that its permanent staff was more than ample to meet its requirements.

And whereas in consequence the above mentioned daily rated casual workmen could not be offered any work after lifting of the lock-out.

And whereas the said workmen raised a dispute under the Industrial Disputes Act, 1947 alleging non-employment by Indian Airlines.

And whereas on failure of conciliation the said dispute was referred for adjudication by the Central Government by Order No. I-11011/2/75-D.IIA, dated 13th August, 1975 of the Ministry of Labour, Government of India, originally to Shri T. Palaniappan (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal).

And whereas the said dispute has been numbered as I.D. No. 60 of 1975 and is now pending before T. N. Singaravelu, Industrial Tribunal, Madras, (as Central Government Tribunal) consequent upon the retirement of Shri T. Palaniappan.

And whereas during the pendency of the said dispute a certain number of permanent vacancies in the cadre of loader have arisen in Indian Airlines.

And whereas along with others the above mentioned workmen were also called for interview to adjudge their suitability for regular employment in Indian Airlines.

And whereas on the basis of the oral test and the interview, the above mentioned workmen who are parties to this settlement have been found suitable for the job of a loader in Indian Airlines.

And whereas the above mentioned workmen no longer wish to prosecute their claims any more in I.D. No. 60 of 1975 and in this view the parties hereto agree as follows :—

Terms of settlement :

- (1) Indian Airlines agree to appoint the above mentioned workmen namely S/Shri A. C. Purushothaman, N. V. George, V. S. Jayaram and T. H. George as loaders against regular vacancies with effect from the date they join Indian Airlines.
- (2) The above appointment is subject to their being found medically fit for the job of a loader and further subject to service regulations framed/amended by Indian Airlines from time to time for their employees.
- (3) The above mentioned workmen agree to withdraw their claim in I. D. No. 60 of 1975 on the file of Shri T. N. Singaravelu (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal) and submit a joint petition along with Indian Airlines to the said Central Government Industrial Tribunal requesting that an award may be made by the said Tribunal dismissing their claim without costs.
- (4) The above mentioned workmen agree not to make any claim whatsoever against Indian Airlines in respect of alleged non-employment prior to their present appointment.

Madras,

Dated the 1st November, 1976

Signature of the parties.

Witness : For Indian Airlines.

1. Sd/-..... Sd/-.....

(S. K. GHOSH) Manager, Personnel Services, Madras.

2. Sd/-..... Workmen.

A. C. Purushothaman—Sd/-.....

N. V. George—Sd/-.....

V. S. Jayaram—Sd/-.....

T. M. George—Sd/-.....

Witness :

1. Sd/-.....

(W. T. S. DAVID)

2. Sd/-.....

(K. V. Varghese)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT UNDER SECTION 18(1) READ WITH SECTION 2(p) OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

NAMES OF PARTIES :

1. Employer	— Indian Airlines represented by Shri Krishnan Dev, Manager, Personnel Services, Indian Airlines, Madras.
2. S/Shri T. Krishnan P. Sivan	}
	Workmen.

Whereas Indian Airlines had engaged the above mentioned workmen purely on casual and daily rated basis depending upon day to day requirement of work at Madras and its other stations.

And whereas Indian Airlines were constrained to declare a lock-out with effect from 24-11-73 following an illegal strike which was commenced by the employees of the Corporation.

And whereas subsequently the lock-out was lifted.

And whereas after lifting the lock-out Indian Airlines found that its permanent staff was more than ample to meet its requirements.

And whereas in consequence the above mentioned daily rated casual workmen could not be offered any work after lifting of the lock-out.

And whereas the said workmen raised a dispute under the Industrial Disputes Act, 1947 alleging non-employment by Indian Airlines.

And whereas on failure of conciliation the said dispute was referred for adjudication by the Central Government by Order No. 1. 11011(2)/75-DIA, dated 13-8-75 of the Ministry of Labour, Government of India, originally to Shri T. Palaniappan (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal).

And whereas the said dispute has been numbered as I.D. No. 60 of 1975 and is now pending before Shri T. N. Singaravelu, Industrial Tribunal, Madras (as Central Government Industrial Tribunal) consequent upon the retirement of Shri T. Palaniappan.

And whereas during the pendency of the said dispute a certain number of permanent vacancies in the cadre of loader have arisen in Indian Airlines.

And whereas along with others the above mentioned workmen were also called for interview to adjudge their suitability for regular employment in Indian Airlines.

And whereas on the basis of the oral test and the interview, the above mentioned workmen who are parties to this settlement have been found suitable for the job of loader in Indian Airlines.

And whereas the above mentioned workmen no longer wish to prosecute their claims any more in I.D. No. 60 of 1975 and in this view the parties hereto agree as follows :—

TERMS OF SETTLEMENT

1. Indian Airlines agree to appoint the above mentioned workmen namely S/Shri T. Krishnan and P. Sivan as loaders against regular vacancies with effect from the date they join Indian Airlines.
2. The above appointment is subject to their being found medically fit for the job of a loader and further subject to service regulations framed/amended by Indian Airlines from time to time for their employees.
3. The above mentioned workmen agree to withdraw their claim in I.D. No. 60 of 1975 on the file of Shri T. N. Singaravelu (duly constituted as Central Government

Industrial Tribunal) and to submit a joint petition along with Indian Airlines to the said Central Government Industrial Tribunal requesting that an award may be made by the said Tribunal dismissing their claim without costs.

4. The above mentioned workmen agree not to make any claim whatsoever against Indian Airlines in respect of the alleged non-employment prior to their present appointment.

Madras, 9-2-1977

Signature of the parties.
For Indian Airlines.
Sd/-.....

WITNESS :

1. Sd/-.....
2. Sd/-.....

WORKMEN :

1. T. Krishnan—Sd/-.....
2. P. Sivan —Sd/-.....

WITNESS :

1. Sd/-.....
(K. V. VARGHESE)

2. Sd/-.....
(C. J. SOUNDARARAJAN)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT UNDER SECTION 18(1) OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

NAMES OF PARTIES :

1. Employer—Indian Airlines represented by Shri Krishan Dev, Manager, Personnel Services, Indian Airlines, Madras.
2. Shri C. John—Workman.

Whereas Indian Airlines had engaged the above mentioned workman purely on casual and daily rated basis depending upon day to day requirement of work at Madras and its other stations.

And whereas Indian Airlines were constrained to declare a lock out with effect from 24-11-73 following an illegal strike which was commenced by the employees of the Corporation.

And whereas subsequently the lock out was lifted.

And whereas after lifting the lock out Indian Airlines found that its permanent staff was more than ample to meet the requirements.

And whereas in consequence the above mentioned daily casual workman could not be offered any work after lifting the lock out.

And whereas the said workman raised a dispute under the Industrial Disputes Act, 1947 alleging non-employment by Indian Airlines.

And whereas on failure of conciliation the said dispute was referred for adjudication by the Central Government by order No. L-11011(2)/75-D-IIA dated 13-8-75 of the Ministry of Labour, Government of India, originally to Shri T. Palaniapan (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal).

And whereas the said dispute has been numbered as I.D. No. 60 of 1975 and is now pending before Sri T. N. Singaravelu, Industrial Tribunal, Madras (as Central Government Tribunal) consequent upon the retirement of Shri T. Palaniapan.

And whereas during the pendency of the said dispute a certain number of permanent vacancies in the cadre of loader have arisen in Indian Airlines.

And whereas along with others the above mentioned workman was also called for interview to adjudge his suitability for regular employment in Indian Airlines.

And whereas on the basis of the oral test and the interview, the above mentioned workman who is party to this settlement has been found suitable for the job of loader in Indian Airlines.

And whereas the above mentioned workman no longer wish to prosecute his claim any more in I.D. No. 60 of 1975 and in this view the party hereto agree as follows:—

TERMS OF SETTLEMENT

1. Indian Airlines agree to appoint the above mentioned workman namely Shri C. John as loader against regular vacancies with effect from the date he joins Indian Airlines.
2. The above appointment is subject to his being found medically fit for the job of a loader and further subject to service regulations framed/amended by Indian Airlines from time to time for their employees.
3. The above mentioned workman agrees to withdraw his claim in I.D. No. 60 of 1975 on the file of Shri T. N. Singaravelu (duly constituted as Central Government Industrial Tribunal) and to submit a joint petition along with Indian Airlines to the said Central Government Industrial Tribunal requesting that an award may be made by the said Tribunal dismissing his claim without costs.
4. The above mentioned workman agrees not to make any claim whatsoever against Indian Airlines in respect of the alleged non-employment prior to his present appointment.

Madras : 10-2-1977

Signature of the parties.

WITNESS :

for Indian Airlines

1. Sd/-.....

Sd/-.....

2. Sd/-.....

WITNESS :

1. Sd/-.....
(K. V. VARGHESE)

WORKMAN :
Shri C. John—Sd/-.....

2. Sd/-.....

(V. P. KRISHNAKUTTY)

15th Feb., 1977.

T. N. SINGARAVELU, Presiding Officer

Note : Parties are directed to take return of their document/s within six months from the date of the Award.

[No. L-11011(2)/75-D-II(B)]
HARBANS BAHADUR, Desk Officer

S.O. 974.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery of Coal Mines Authority Limited, District Shahdol (Madhya Pradesh) and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th March, 1977.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(4)/1975

PARTIES :

Employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery of Coal Mines Authority Limited, Post Office, Birsinghpur, Distt. Shahdol (M.P.) and their workman represented through the Birsinghpur Colliery Mazdoor Sabha, P.O. Birsinghpur, Distt. Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For workman—Shri P. K. Thakur, Advocate.
For management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines DISTRICT : Shahdol (M.P.)

New Delhi, the 1st March, 1977

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the ministry of Labour vide its Order No. L-22012/9/74-LR, II Dated 7th February, 1975 for the adjudication of the following industrial dispute:—

“Is the management of Birsinghpur Colliery of Coal Mines Authority Limited justified in not providing Shri Hunilal Coal Cutter, a Surface job under it as recommended by the Medical Officer ? If not, to what relief is the workman entitled ?”

2. It is not disputed that the workman, Munilal, developed an eye trouble and was admitted to Company's hospital at Birsinghpur from where he was sent to Manendragarh. His eye was operated upon by the Doctors in the end of 1972 or early 1973 and he had to stay in the hospital for about two months. When he was discharged from the hospital the Doctor gave a letter under which he recommended that he may be given some work on the surface. The management offered him the work of a wagon loader in the siding by its letter dated 19-7-1973 but the workman did not join his duties on that job and agitated the matter before the Assistant Labour Commissioner where the conciliation failed and a failure report was sent to the Government.

3. The case of the workman is that the Doctor had recommended that he should be given some light job on the surface. It was not possible for him to have head loads and as such he did not accept the offer of the management to do the wagon loaders job on the surface. The management have several light jobs e.g. the jobs of peon, chowkidars or pump attendants. He is willing to do any of the jobs. The management did not post him on any of these jobs inspite of vacancy occurring subsequently. Such a light job was refused to the workman because of his trade union activities and he is being victimised for that purpose.

4. The case of the management is that Doctor recommended only a job on the surface. There was no recommendation that he should be given light duty, nor the letter prohibited him from taking head loads. Under the circumstances the refusal of the workman to do the work of wagon loader in siding was not justified. He was not penalised for any trade union activities. A man with a weak eye sight could not be posted as a chowkidar which post is generally given to Ex Army man. Similarly the job of pump attendant is given to the qualified persons. The allegation that vacancy occurred subsequently is false and no post of his choice could be created simply because the applicant suffered from some eye disease which was not due to his underground

working. The ailment was not connected with the job. The reference is alleged to be mechanical because it speaks of the management not offering him any job on the surface when in fact a job on the surface was offered to Shri Munilal. It is further bad because the demand appears to be for a surface job of the workman's choosing while the reference is about surface job only.

5. Many attempts were made to get the matter amicably settled between the parties and the proceedings were adjourned times out of number so that the workman could secure some relief by appealing to the sympathetic attitude and human considerations. However, when all such attempts were frustrated the case was posted for evidence. The parties failed to attend and adduce evidence on the date fixed. Hence the case was closed.

6. Under the contract of service when a person is appointed as a coal cutter he cannot claim as a matter of right that he should be posted to work on the surface. However, as said by Hidayat Ullah J. in R. M. M. Singh Vs. Appollo Mills Ltd. (1960-JI-I LJ 263 SC) that 'social justice is not based on contractual relations and is not to be enforced on the principle of contract of service. It is something outside these principles and is invoked to do justice without a contract to back it'. Similarly in R. B. Diwan Badridas Vs. Industrial Tribunal [1952 (5) FLR 354 SC] the Supreme Court while comparing the industrial law developments with the constitutional developments said that 'so too, in industrial adjudication the claims of employer based on freedom of contract have to be adjusted with the claims of industrial employees for social justice'. It is thus within the powers of this Tribunal to see whether without causing any untoward inconvenience to the employer a disabled employee could be accommodated on some other job which may not adversely affect the sight in this old age. However, for doing so this Tribunal is not to act arbitrarily but has to balance the interests of both the sides.

7. In the present case the reference is about justification in not providing a surface job as recommended by the Medical Officer. Thus the main question is as to what was recommended by the Medical Officer. According to the workman the Medical Officer had recommended light job and had prohibited him from taking any load on the head. These facts have been denied by the management. The workman filed the papers which contain the certificate of the junior Surgeon of Central Hospital Manendragarh. Though this out door patient ticket is not proved yet it can well be used against the person producing it even without a formal proof of the said document. In the discharge certificate the advice written by the Doctor is that the "patient may do surface duty with glasses". This advice purports to have been recorded on 25-2-73. In the out door patient ticket on 13-6-73 the opinion recorded by the same Doctor is as follows:—

“As patient is Aphakic in L.P. and has got Immature Catarract in R.E., he is not fit for underground duty. He may however do surface duty if available.”

Thus in none of these medical certificates there is any recommendation made by the Doctor that he should be given light work and should be prohibited from taking load on his head. Under these circumstances after seeing these medical certificates the management was perfectly justified in giving him an offer of wagon loader's job in the siding on the surface and Shri Munilal was unjustified in not joining the job. In view of this finding it is not necessary for me to comment upon the mechanical character or otherwise of the reference. Award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer
[No. L-22012(9)/74-LR, II/D. IV(B)]

S.O. 975.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the matter of application filed by Satya Shri Fagu and Aruna, Wagon Loaders in Pure Chirimiri Colliery of Western Coalfields Limited under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947, which was received by the Central Government on the 8th March, 1977.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)Case No. CGIT/LC(A)(1) of 1977
Under Sec. 33-A of I.D. Act.

PARTIES :

1. Shri Fagu S/o Duhan, Wagon Loader and Shri Aruna S/o Mahadeo Rao, Wagon Loader, Residing at West Jhagrakhand Colliery, P.O. West Jhagrakhand Colliery, District Surguja (M.P.).

—Complainants.

Versus

The General Manager, Chirimiri Area, Western Coal Field Ltd. P.O. Chirimiri, Distt. Surguja (M.P.).

—Opposite Party.

APPEARANCES :

For Complainants—None.

For Opposite Party—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mines DISTRICT : Surguja (M.P.)

New Delhi, the 24th February, 1977

AWARD

This is a joint complaint under Sec. 33-A of the Industrial Disputes Act filed by Fagu and Aruna, Wagon Loaders in Pure Chirimiri Colliery of Western Coal Fields Ltd. against the dismissal from services with effect from 7-1-1975 by the management during the pendency of Reference Case No. 34 of 1974 before this Tribunal.

2. After the perusal of the said reference case and the facts of the complaint it is obvious that the complainants have no right to come before this Tribunal directly because the complaint does not arise out of the reference nor is it in any way related to the reference mentioned in the complaint, while the reference was against the management of North Chirimiri Colliery. The complaint is against Pure Chirimiri Colliery. The reference related to 8 wagon Loaders of North Chirimiri Colliery who were stopped from work by the management of that colliery. It had no relationship with the present complainants. The two collieries are altogether different and the fact that they are under the common management of Western Coal Fields Ltd. is not sufficient for the complainants to seek the shelter of the provisions of Sec. 33-A. Inspite of the common management each unit has its separate entity. The dispute under the reference was not of such a nature as could have affected all the workmen in the different collieries of that area. Hence I am of the view that the complaint is not maintainable. It is dismissed and the award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-22014(1)-77-D.IV(B)]

S.O. 976.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nimcha Colliery of Messrs Coal Mines Authority Limited, Post Office Jaykaynagar and their workmen, which was received by the Central Government on 4th March, 1977.

155 G I/76- 12

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
CALCUTTA

Reference No. 8 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of Nimcha Colliery of the Coal Mines Authority Limited ;

AND

Their Workmen.

APPEARANCE :

On behalf of Employers—Shri N. Das, Advocate with Shri B. N. Lala, Assistant Chief Personnel Officer, & K. C. Koat, Area Industrial Relations Officer.

On behalf of Workmen—Shri Manoj Kumar Mukherjee, Advocate.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal Mine

AWARD

By Order No. I-19012/24/75/DIII B dated 4th February 1976, the Government of India, in the Ministry of Labour referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Nimcha Colliery of the Coal Mines Authority Limited, Nimcha Sub-Area, Area III, Post Office Jaykaynagar, District Burdwan (West Bengal) and their workmen, to this Tribunal for adjudication. The reference reads :

“Whether the management of Nimcha Colliery of Messrs Coal Mines Authority Limited, Post Office Jaykaynagar, District Burdwan, were justified in stopping Sarva Shri Basudeo Verma and Sohamal Verma, clerks from work with effect from 10-2-1973 ? If not, to what relief are the said workmen entitled ?”

2. The Nimcha Colliery was owned by Nimcha Coal Company Ltd. It was a Public Limited Company. The two workmen concerned in the reference were appointed as clerks in the erstwhile company under the appointment letters, Ex-M-1 dated 24-12-1972 and Ex. M-2 dated 29-12-1972. The letters were issued by one of the Directors of the company for and on behalf of the company. It is alleged that the two workmen joined duty at the office of the company on 1-1-1973. On 31-1-1973 the management of the company and Coal mine was taken over by the Custodian on behalf of the Government of India on the strength of the Coal Mines (Taking over of Management) Act, 1973 under which the appointed day for taking over the management was fixed as 31-1-1973.

3. The last pay sheet (Ex. M 11) kept and maintained during the period of management by Custodian shows that both these two workmen worked in the colliery office in the month of January, 1973 and for 10 days in the month of February 1973. Thereafter, they had been stopped from working. That there was necessity and purpose for making the appointments to the clerical staff during the month of January 1973 was made clear out of the letter dated 8-2-1973 and letter Ex. M3(a) dated 10-2-1973. Ex. M3 is the list attached to the letter dated 8-2-1973 and there was a similar list attached to Ex. M3(a). The manager in charge reported to the custodian in these letters that “considering the output of the colliery and labour strength, I think their appointment is necessary for maintaining office work regularly and punctually. A list showing the persons appointed in January 1973 attached”. Ex. M3 and Ex. M3(b) are the two lists in which the names of the two concerned workmen appeared as persons appointed in January 1973. The B Form register (Ex. M6) maintained under Section 48 of the Mines Act, 1952 gives the names of these two workmen as members of the mines establishment. These facts combined with the evidence of MW1 clearly established that the two workmen were employed with effect from 1-1-1973 and that they continued in service till 10-2-1973.

4. The only ground relied upon by the management to terminate the services of the two workmen is the power vested in the Custodian to terminate the services of any workman under Section 16 of the Coal Mines (Taking over the Management) Act, 1973 and the exercise of that power by him in this particular case against the workmen. The section reads:

“16. Power to terminate contract of employment. If the Custodian is of opinion that any contract of employment entered into by any owner or agent of a coal mine, at any time before the appointed day, is unduly onerous or if he considers that it is necessary so to do in the interests of the proper management of a coal mine, he may, by giving to the employee concerned one month's notice in writing, or the salary or wages for one month in lieu thereof, terminate such contract of employment.”

First of all it is not certain whether the power vested in the Custodian under this section can be exercised by him in relation to dispute between employer and employee under the Industrial Disputes Act, 1947. Even if he has any such power under Section 16, it has to be exercised in accordance with the principles of natural justice. In this case the workmen were stopped from work with effect from 10-2-1973. But the actual order of termination was passed on 17-4-1973 vide the letter of the Custodian (Ex. M4). The Custodian was seen to have exercised his right under Section 16 of the aforesaid taking over the management Act on the basis of a written recommendation contained in Ex. M5 dated 10-4-1973. An officer of the Custodian made a spot enquiry on 9-4-1973 when he collected certain details of the work and appointment of these two workmen. The workmen were, however, not given a chance to explain their position. So that spot enquiry was conducted behind their back and the officer came to the conclusion that the workmen (one among them) were unfit for appointment and that the appointment was made as they happened to be close relatives of the Superintendent of the colliery. I do not propose to sit on judgment over the conclusions arrived at by the officer as a result of his enquiry. It is sufficient to say that no notice of the enquiry was given to the concerned workmen and the enquiry was conducted behind their back after they were sent away from the office on 10-2-1973.

5. The alleged enquiry is not material circumstance for consideration in this case. We are concerned with the justification or otherwise of the termination of the services of the two workmen with effect from 10-2-1973. It has to be admitted that the Custodian did not pass an order on 10-2-1973 terminating the services of the two employees. The order passed on 17-4-1973 could have no application to the termination of the service on 10-2-1973. It is incumbent upon the Custodian under Section 16 of the Act to come to a conclusion that the appointment in question was unduly onerous or that it is necessary to terminate the service in the interest of the proper management of the coal mine. Nothing of the sort was considered or recorded in this case before the termination was effected on 10-2-1973. So, the termination of the services can said to be illegal.

6. The termination of the services can also said to be malafide because the management felt that the two workmen having entered the service through the personal interest of the erstwhile management shall not be kept in service. So before any decision could be taken on merits the management stopped their work and later go up an enquiry without the knowledge of the workmen. The procedure adopted is not in accordance with the principle of natural justice. So the termination of the services of the workmen could not be supported. There is no ground to hold that it is a case of termination simpliciter; but it goes to show that there was something else which disturbed the management in terminating the services of the workmen. On a consideration of all the aspects of the question I am constrained to hold that the management is not justified in stopping the work of the two workmen with effect from 10-2-1973.

7. Since the stoppage of the work of these two workmen is found to be invalid, they shall be reinstated to their former posts. They shall also be paid the back wages. But they shall be paid only the basic wages for each month during the un-employed period. There was no evidence that they were elsewhere employed or earned any other income after 10-2-1973.

8. In the result, an award is passed against the management and in favour of the two workmen, Basudeo Verma and Sohanlal Verma holding that the management was not justified in stopping them from work with effect from 10-2-1973 and

therefore they shall be reinstated to their former posts forthwith. They shall be paid back wages; but the claim for back wages is restricted to basic salary which they drew per month and it shall be paid for the period of their unemployment.

Dated Calcutta,

the 23rd February 1977.

E. K. MOIDU, Presiding Officer.

[No. I-19012/24/75-D.IIB/D.IV(B)]

BHUPENDRA NATH, Desk Officer.

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 977.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Madhuband Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nudkhurkee (Dhanbad) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st March, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 5 of 1975

(Ministry's Order No. L-2012/66/74-LRII, dated, 11-2-1975)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Madhuband Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nudkhurkee (Dhanbad).

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the management—Shri T. P. Choudhury, Advocate and Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen—Shri J. D. Lal, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated the 23rd February, 1977

AWARD

The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Madhuband Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nudkhurkee (Dhanbad) of not employing the following 36 workmen after the take over of the colliery by the Bharat Coking Coal Limited, is justified? If not, to what relief are the workmen entitled and from what date?

S. No. Name of the workmen

1. R. N. Dass
2. R. S. Sarkar
3. Madan Nandi
4. Iernail Singh
5. D. P. Mahto
6. Devendar Kri
7. Shaktipado
8. Gulampir Ansari

Sl. No.	Name of the Workman
9.	Aktor Ali
10.	Sukhoo
11.	Arjun Mahato
12.	Basant Ram
13.	Chattar Singh
14.	Jadunandan
15.	Mangal Mahato
16.	Kirti Rajwar
17.	Ramkissen No. II
18.	Ramkissen No. I
19.	Jugal Rajwar
20.	Bhairoo
21.	B. K. Chakrabarti
22.	Mahanand Mahato
23.	Ainul Haque
24.	Loftar Rajwar
25.	Daulat
26.	Mansha Kr.
27.	Neel Kamal Rajwar
28.	Pasupati Rajak
29.	B. Gope
30.	Dept. Pd.
31.	S. N. Banerjee
32.	Sudama Singh
33.	Krishna Dubey
34.	Rahman Miya
35.	Pyero Lall
36.	Agnu Mahato."

2. Usual notices were issued requiring the parties to file their respective written statements; and in compliance with that, the Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, filed the written statement on behalf of the said 36 workmen on June 26, 1976 and the Chief Personnel Manager, Bharat Coking Coal Limited, filed the written statement on behalf of the Madhuband Colliery on June 29, 1976. The Bharat Coking Coal Limited filed a rejoinder to the written statement of the Union on June 30, 1976 and the Union filed the rejoinder to the written statement of the Bharat Coking Coal Limited on August 27, 1976.

3. The case of the workmen is that M/s. Oriental Coal Co. Ltd. was the owner of the Amlabad and the Madhuband Collieries. These two are coking coal mines. M/s. Thapar Intrafor Co. (India) Ltd. is a sister concern of M/s. Oriental Coal Co. Ltd. M/s. Thapar Intrafor Co. carried on the sole business of Shaft-sinking and drifts-driving in various collieries under contract with such collieries. They were employed as contractors by the Oriental Coal Co. Ltd. for shaft-sinking work in the Amlabad Colliery and when shaft-sinking work in that colliery was completed or almost completed, similar work was taken on contract in the Madhuband Colliery. Similarly when the work was finished or was about to finish in the Amlabad Colliery, a contract for similar purpose was obtained by M/s. Thapar Intrafor Co. at Jamadoba Colliery owned

by the Tata Iron & Steel Co. Ltd. The workmen further allege that they were either initially appointed as workmen in the Amlabad Colliery or in the Madhuband Colliery and were subsequently transferred to the shaft-sinking work in the Amlabad Colliery or in the Madhuband Colliery and were thereafter transferred to the Jamadoba Colliery; but throughout this period they continued to remain the workmen of either the Amlabad Colliery or the Madhuband Colliery and never became the employees of M/s. Thapar Intrafor Co. The Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 came into force on October 17, 1971 and was subsequently replaced by the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Act, 1971. The Central Government specified K. S. R. Chari as the authorised person in respect of these and other mines under sub-sec. (3) of section 4 of the Coking Coal Mines (Emergency Provisions) Ordinance, 1971 by Notification No. G.S.R. 1543 dated October 16, 1971 published in the Gazette of India, Extraordinary Part II-Sec. 3-Sub-section (i) dated October 16, 1971. He took over the management of the two mines on the 'appointed day', that is to say, on October 17, 1971. The Bharat Coking Coal Ltd. took over the management from K. S. R. Chari as custodian on January 12, 1972 on the basis of Notification G.S.R. (27)E dated January 12, 1972 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II-Sec. 3-Sub-section (i) dated January 14, 1972. These two coking coal mines and other coking coal mines were nationalised on May 1, 1972 under the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1972 and the ownership was vested in Bharat Coking Coal Limited on the same day by Notification No. G.S.R. 379(E) dated August 17, 1972 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II-Sec. 3-Sub-section (i) dated August 17, 1972. The question of absorption of the workmen of the nationalised collieries then cropped up. The workmen allege that R. D. Singh, the Project Manager of M/s. Thapar Intrafor Co. in the shaft-sinking project and other officers were absorbed by the Bharat Coking Coal Limited. They further allege that 17 workmen, namely, Gulab Singh, Yunish Mian, Sashi Rajwar, Anand Shekhar, Haripado, Lal Rajwar, Gour Mahto, Chando Mahato, Ashoo Mahato, Abdul Haque, Bakshi Singh, Dharamdeo Singh, Maheshwari Napit, Chaku Kamar, Khatil Mian, Nembu Mahato and Mukund Rajwar who were working in the Shaft-sinking Project in the Amlabad Colliery under M/s. Thapar Intrafor Co. were also absorbed by the Bharat Coking Coal Limited after nationalisation. However, they were discriminated against and were not absorbed even though they were workmen either in the Amlabad Colliery or in the Madhuband Colliery and were working in shaft-sinking project in either or both these collieries though under the contractor M/s. Thapar Intrafor Company. They have further pleaded that they took up their cause with the Bharat Coking Coal Limited after nationalisation. However, they the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, 1971 but their request was turned down and thereafter they approached the A.L.C. for conciliation but that also failed and, therefore, they are entitled to be absorbed in the Madhuband Colliery with effect from May 1, 1972 with continuity of service and with full back wages and other monetary benefits.

4. The claim of the workmen has been resisted by the Bharat Coking Coal Limited. Their case is that none of these 36 workmen was ever in the employment of either the Amlabad Colliery or the Madhuband Colliery owned by M/s. Oriental Coal Co. Ltd.; that they were actually the employees of the contractor M/s. Thapar Intrafor Co.; that M/s. Thapar Intrafor Co. was not a sister concern of

M/s. Oriental Coal Co. Ltd. but was a wholly independent company and only worked as contractor of M/s. Oriental Coal Co. Ltd.; that there was no relationship of employer and employees between it (B.C.C.L.) and these 36 workmen; that there is misjoinder of parties; that section 17 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act has no application; that under sections 9 and 28 of the said Act it is not liable to absorb them or to pay any back wages to them; that the reference is bad because of laches; and that since these workmen were not workmen in any colliery but were workmen of a contractor, it has no liability whatsoever for not employing them after the date of nationalisation.

5. In its rejoinder, the Bharat Coking Coal Limited has pleaded that the 17 workmen who had been absorbed by it were workmen in a coking coal mine and were not workmen of M/s. Thapar Intrafor Company.

6. In their rejoinder, the workmen have reiterated their original stand and have added by saying that the legal pleas taken by the Bharat Coking Coal Limited are untenable; that the 36 workmen were originally the workmen of M/s. Oriental Coal Co. Ltd. in its Amlabad Colliery and were transferred by it to work in the Shaft-sinking Project in the same colliery under M/s. Thapar Intrafor Co.; that thereafter they were transferred from the Amlabad Colliery to the Madhuband Colliery, belonging to M/s. Oriental Coal Co. Ltd., to work in Shaft-sinking Project in that colliery under the same contractor; that these workmen were the workmen of the Madhuband Colliery and not of the contractor when the Madhuband Colliery was taken over by K. S. R. Chari or by Bharat Coking Coal Limited or at the time of nationalisation; that their employment under M/s. Thapar Intrafor Co. will not change their status as workmen of either of the two collieries in view of the Standing Orders; that Section 17(1) is fully applicable and sections 9 and 28 have no application; that there has been no laches; and that the stand taken by the Bharat Coking Coal Limited is neither tenable in fact nor in law.

7. The onus to prove that the action of not employing the 36 workmen is justified, lies fairly and squarely on the Bharat Coking Coal Limited. The Company examined K. P. Rawati MW-1 to discharge this burden. He is a clerk in the Personnel Section in Barora Area No. 1, under whose jurisdiction the Madhuband Colliery is situate. He frankly conceded that he has no knowledge whatsoever if these 36 workmen were or were not in the employment of the Madhuband Colliery before its management was taken over by K. S. R. Chari or by the Bharat Coking Coal Ltd. He has never himself worked in the Madhuband Colliery. Even in the Personnel Section in Barora Area No. 1, he is posted only since July, 1972. He neither knows the names of any of these 36 workmen nor is in a position to recognise them. Under the Mines Act, the name and other particulars of every workman employed in a mine is entered in a Register in the prescribed Form B. That Register was called by the Bharat Coking Coal Ltd. in its Sub-Area office from the colliery office but the witness never cared to go through it in order to find out if these 36 workmen were ever in employment in the Madhuband Colliery. His evidence, on his own admission, leads us no where and does not discharge the burden which lay heavily upon the Bharat Coking Coal Ltd.

8. The Bharat Coking Coal Ltd. did not press any of the legal points raised by it either in the evidence or in the

arguments and, therefore, the less said about them, the better.

9. The Union raised only two points, both in the evidence and in arguments, namely, that (1) these 36 workmen were bona fide workmen in a coking coal mine and, therefore, under section 17(1) of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act, it was the statutory liability of the Bharat Coking Coal Ltd. to continue them in employment and it was their statutory right to so continue, and (2) the action of not employing them is discriminatory in the sense that the Bharat Coking Coal Ltd. cannot be allowed to pick and choose as to whom, from a given category, they will keep in employment and whom they will refuse to do so. On both these questions, the Union has examined three witnesses; Basant Ram WW-1, Ainal Haque WW-2 and R.D. Singh WW-3 and has further filed a large number of documents.

10. I will first survey the oral evidence. In doing that, and subsequently in referring to the documentary evidence also, I will not refer to the 36 workmen by their names, for the sake of brevity, but by their serial nos. in the reference.

11. Basant Ram WW-1 is the workman at serial no. 12. His evidence is to the effect that both the Amlabad and Madhuband Collieries were owned by the Oriental Coal Co. Ltd. O. P. Manchanda was the Manager of the Amlabad Colliery. He appointed him as a workman in the Amlabad Colliery in 1967 and asked him to work in connection with shaft-sinking in that colliery. Likewise, the workmen at serial nos. 1, 4, 7, 12, 13, 15, 18, 19, 20, 22, 24, 26, 27, 28, 31, 33 and 35 were also appointed in the Amlabad Colliery by O. P. Manchanda after shaft-sinking work had already started but were deployed to work in the shaft-sinking project in that colliery. He goes on to state that the workmen at serial nos. 3, 21 and 23 were appointed as workmen in the Amlabad Colliery and worked in that colliery for some time before they were shifted to the shaft-sinking project in that colliery. His further statement is that shaft-sinking work had started in Amlabad Colliery sometime in 1966 and came to a close sometime in 1969. He then deposes that R. D. Singh who was originally an officer in the Madhuband Colliery was transferred to the Amlabad Colliery as Shaft-sinking Project Manager and after the close of the shaft-sinking work there, he was retransferred to the Madhuband Colliery as Shaft-sinking Project Manager in that Colliery. When shaft-sinking work was about to finish in the Amlabad Colliery, 17 workmen (in respect of whom I will refer to later) were retained in the Amlabad Colliery to complete the shaft-sinking job but the others, namely, the workmen at serial nos. 1, 3, 4, 7, 12, 13, 15, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 31, 33, 35 and 36 were transferred by the Oriental Coal Co. Ltd. to their Madhuband Colliery to do shaft-sinking work in that colliery. He has then stated that the workmen at serial nos. 2, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 14, 16, 17, 30, 32 and 34 were originally appointed as workmen in the Madhuband Colliery but when shaft-sinking work started in that colliery, they were deployed to work in the shaft-sinking project in that colliery. He subsequently modified his statement and stated that the workman at serial no. 25 was not originally appointed in the Amlabad Colliery but in the Madhuband Colliery. He went on to state that after nationalisation, he and the other 35 workmen were shifted to the Tata Iron & Steel Company's Jamadoba Colliery for shaft-sinking work there. M/s. Thapar Intrafor Co. were the contractors for shaft-sinking at Amlabad, Madhuband and

also at Jamadoba. At Jamadoba, Thapar Intrafor Co. dismissed the workmen at serial nos. 2, 13 and 33. An industrial dispute regarding their dismissal is pending adjudication in Industrial Tribunal No. 2 at Dhanbad. Six out of these 36 workmen are still working in Thapar Intrafor Co. and these six are the workmen at serial nos. 18, 19, 21, 23, 24 and 27. The other 27, namely, the workmen at serial nos. 1, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 15, 16, 17, 20, 22, 25, 26, 28, 29, 30, 31, 32, 34, 35 and 36 were retrenched by Thapar Intrafor Co. at Jamadoba on July 6, 1975. Those who were retrenched were offered gratuity and they accepted it under protest, but no retrenchment compensation was paid. Ainsul Haque WW-2 is the workman at serial no. 23. He has stated that he was originally appointed as a Fitter Helper in the Amlabad Colliery in the year 1955. The workmen at serial nos. 1, 3, 5, 7, 12, 13, 15, 18, 21, 24, 26, 33, 35 and 36 were also appointed originally in the Amlabad Colliery by O. P. Manchanda and were drafted by him to work in the shaft-sinking project there, which was started in the year 1967. While shaft-sinking work was still in progress at Amlabad, O. P. Manchanda transferred them for shaft-sinking work in the Madhuband Colliery. He has then stated that the workmen at serial nos. 2, 4, 6, 8, 9, 10, 11, 14, 16, 17, 19, 20, 22, 25, 27, 28, 29, 30, 31, 32 and 34 were appointed in the Madhuband Colliery as fresh hands and were drafted to do work in the shaft-sinking project. According to him, Register Form B for the Amlabad Colliery and the Amlabad shaft-sinking project was one and the same; wage-sheets for each department, that is to say, for miners, monthly-raters, loaders, shaft-sinking workers were all separate; Bonus Register for colliery workmen and shaft-sinking workmen was one and the same; payment to all workmen without distinction was made in colliery office; leave applications of shaft-sinking workmen used to be forwarded by R. D. Singh, the Project Manager, and used to be sanctioned by O. P. Manchanda, the Colliery Manager; the Welfare Officer and the Personnel Officer both for the colliery workmen and the shaft-sinking workmen were the same; and the disciplinary authority also for both the categories was the Colliery Manager himself. WW-3 R. D. Singh was the Project Manager of the shaft-sinking project in the Amlabad Colliery from 1969 to 1971. He was then shifted in the same capacity to the Madhuband Colliery for the same nature of work. He has deposed that these 36 workmen worked under him at Amlabad and later at Madhuband. He has given some points of similarity and also dissimilarity in the methodology of work of Thapar Intrafor Co. and the collieries. He says that the Colliery Manager, whether at Amlabad or at Madhuband, was also the Manager of the shaft-sinking project; the Colliery Manager was the disciplinary authority both for colliery workmen and shaft-sinking workmen; and the Colliery Manager was the overall controller both of the colliery and of the shaft-sinking project. However, the Attendance Register, the Register Form B and Bonus Register of the workmen working under Thapar Intrafor Co. were different from similar registers for colliery workmen. The Cash Section both for colliery workmen and shaft-sinking workmen was the same; the store facility for both was the same; the Manager, Cashier and the Chief Engineer for both were the same but both maintained separate books of accounts. He then stated that at Amlabad, some original colliery workmen were taken on shaft-sinking work because of their experience. These original workmen are the workmen at serial nos. 1, 3, 21, 23, 35 and 36. He concedes that there may be other such original workmen also who were drafted

for shaft-sinking work but he has no personal knowledge because he was transferred to Amlabad from Madhuband much later after shaft-sinking work was in full steam there. He frankly conceded that these original workmen were asked by the Amlabad Colliery Manager to work in shaft-sinking project in that colliery. He further stated that the Amlabad Colliery Manager recruited some new hands for shaft-sinking work and directed them to work in that project. He goes on to state that after shaft-sinking work was over at Amlabad, the Chief Engineer of Thapar Intrafor Co. who was none else than the Chief Mining Engineer of the Amlabad Colliery transferred the shaft-sinking workmen, with the exception of some (17) to the Madhuband Colliery for shaft-sinking work there. In cross-examination, he deposed that though the Cash Section was the same, the colliery and Thapar Intrafor Co. had their separate funds as the two were independent companies.

12. I will now deal with the documentary evidence. Exts. W-2 and W-3 have a bearing on the workman at serial no. 4, namely, Jarnail Singh Ext. W-2 and W-3 show that he was appointed as a Dumper Helper by the Oriental Coal Co. on August 17, 1967 and was a subscriber to the Coal Mines Provident Fund. His appointment was in the Madhuband Colliery. Ext. W-2 and W-3 are signed by the Welfare Officer of the Madhuband Colliery and by the Assistant Commissioner, Coal Mines Provident Fund. Ext. W-4 shows that the workmen at serial nos. 5, 25 and 29 were appointed on 9-1-71, 7-7-71 and 1-3-71 and were members of the Coal Mines Provident Fund while shaft-sinking work was continuing at Jamadoba Colliery. Ext. W-5 shows that the workman at serial no. 17 was appointed on 13-10-71 and was a member of the Coal Mines Provident Fund while shaft-sinking work was on at Jamadoba. Ext. W-6 is in respect of membership of the workmen at serial nos. 6, 8, 14, 16, 19, 30 and 34 which shows that they were members of the Coal Mines Provident Fund at Jamadoba. Ext. W-7 shows the same facts in respect of the workmen at serial nos. 9, 10, 20 and 32. Ext. W-8 is in respect of the workman at serial no. 21 which shows that he was appointed in the Amlabad Colliery on August 3, 1957 and was a member of the Coal Mines Provident Fund. Ext. W-9 is in respect of the workman at serial no. 3 which shows that he was appointed in the Amlabad Colliery on January 2, 1959 and was a member of the Coal Mines Provident Fund. Ext. W-10 is in respect of workmen at serial nos. 17, 18, 24 and 36 which reveals that they were appointed in the Amlabad Colliery on February 1, 1969 and were members of the Coal Mines Provident Fund. Ext. W-11 is in respect of the workman at serial no. 15 which shows that he was appointed in the Amlabad Colliery on June 17, 1969. Ext. W-12 and W-13 show that the workmen at serial nos. 7, 12, 13, 22, 26, 27, 28, 33 and 35 were employed on February 1, 1969 in the Amlabad Colliery and were members of the Coal Mines Provident Fund. Ext. W-19 is a certificate under clause 36 of the Coal Mines Regulations, 1957 dated June 28, 1968 which shows that the workman at serial no. 22 was appointed a competent person by the Amlabad Colliery. Ext. W-28 is the letter of confirmation of the workman at serial no. 21 in the Amlabad Colliery as leave clerk on June 1, 1960. Ext. W-21 is again in his respect dated 1-9-1966 appointing him as a Typist in Thapar Intrafor Co. The appointment letter is signed by the Colliery Manager. Ext. W-22 is again signed by the Chief Agent of the Amlabad Colliery in respect of the same workmen transferring him from Thapar Intrafor Co. to the colliery as an Assistant Stores Keeper. Ext. W-23 dated 11-2-68 is an order by the Amlabad Colliery

Manager in respect of the same workman putting him in charge of the magazine. Ext. W-24 is a letter dated 29-12-1960 appointing the same workman as Bonus Clerk in the Amlabad Colliery. Ext. W-26 is the leave application of the workman at serial no. 12 which was granted by the Colliery Manager. Ext. W-27 is again in respect of him mentioning him as an employee of the Amlabad Colliery. Ext. W-28 is in respect of the workman at serial no. 36 appointing him as a competent person on May 23, 1967. Ext. W-29 is in respect of the workman at serial no. 33. It is a leave application dated 9-3-1970 which was sanctioned by the Colliery Manager. Similarly Exts. W-33 and W-34 are appointment letters of competent persons in respect of the workmen at serial nos. 17 and 18 signed by the Colliery Manager. Ext. W-35 is in respect of the workman at serial no. 17 showing him as a workman in the colliery. Ext. W-36 is a letter by the Amlabad Colliery Manager promoting the workman at serial no. 23 as a Fitter Helper in the year 1962. Ext. W-37 is also in his respect dated September 27, 1966. Exts. W-38 and W-39 are again in his respect and show that leave was granted to him by the Colliery Manager in 1969 and 1968. Exts. W-40 and W-41 are in respect of the workman at serial no. 3 treating him as a workman in the colliery. The management has placed reliance on Exts. M-1 to M-5. Ext. M-1 is dated February 7, 1970 transferring the workman at serial no. 3 from the Amlabad project to the Madhuband project. It is signed by the Project Manager. Exts. M-2, M-3, M-4 and M-5 merely show that the accounts of Thapar Intrafor Co. were kept separately from the accounts of the collieries.

13. I have summed up above both the oral and the documentary evidence. The oral evidence categorically shows that some of the 36 workmen were working in the Amlabad Colliery from long before the shaft-sinking project came into existence in that colliery. Some more were appointed by the Amlabad Colliery Manager but were asked to work in the shaft-sinking work in the Amlabad Colliery and the rest were transferred to the Madhuband Colliery when shaft-sinking work was to commence there. Some more were appointed by the Madhuband Colliery Manager to work in the shaft-sinking project there. All these were transferred to Jamadoba, owned by a different company, when Thapar Intrafor Co. took a shaft-sinking contract there. The documentary evidence supports the oral evidence in part but not entirely. May be it is so because the workmen have not preserved all the documents which were issued to them by the collieries. The Bharat Coking Coal Ltd. has not been able to rebut this evidence. It has examined one witness who talks in the air and has no personal knowledge about any material issue in the reference. Under the Ordinance and the two Acts, the authorised person and the custodian had to take charge of all the documents of both the Amlabad and Madhuband Collieries. All the documents should and must be in their custody. They have not filed any documents. Exts. M-1 to M-5 are the documents which were filed by the Union but not proved and were admitted on the date of arguments by the Bharat Coking Coal Ltd. The Bharat Coking Coal Ltd. was in a position to completely demolish the case of the workmen by the production of the documents of the two collieries but it has not done so. It does not even say that the documents are lost or misplaced. It should not forget that the onus lay on it. I have no hesitation in my mind, therefore, that the workmen were in employment in Coking Coal Mines from long before the promulgation of the Ordinance. They were bona fide workmen in such a colliery and were not inductees. The learned counsel for the Bharat Coking Coal Ltd. argued that

these 36 workmen had disconnected their relationship as servants of the collieries and had taken fresh appointments under Thapar Intrafor Co. and therefore, they were not the workmen in the collieries to whom section 17(1) could apply. It is argued that the workmen had better prospects under Thapar Intrafor Co. and that is why they voluntarily severed their connections with their old masters and chose a new master. Reliance has been placed on the cross-examination of Ainul Haque WW-2 for this purpose. He stated that the workman at serial no. 3 was only a conveyor-belt mazdoor in the Amlabad Colliery but was employed as a dumper khalasi in the shaft-sinking project at Amlabad and was ultimately appointed as a dumper operator. Ainul Haque himself was a fitter in the Amlabad Colliery but ultimately became a Head Fitter under Thapar Intrafor Co. I find no substance in this contention. They were employed by Managers of Coking Coal Mines and were bound to carry out his orders. R. D. Singh WW-3 has stated that the old hands were taken in the shaft-sinking project because of their experience. The Bharat Coking Coal Ltd. did not plead that they had resigned their old jobs in the collieries or had given their consent, express or implied, for permanent transfer under Thapar Intrafor Co. It has not led evidence to show that any one of them was appointed by Thapar Intrafor Co. On legal grounds also, the Bharat Coking Coal Ltd. has no case.

14. For one thing, Ext. W-1 is the certified Standing Order of the Madhuband Colliery filed by the Bharat Coking Coal Ltd. Standing Order No. 1 defines the term 'employees'. It means all work people, male or female, employed above-ground or underground, either directly by the company or under a contractor or contractors except those who come within the category of officers of the company or those whose basic pay exceeds Rs. 300 per month. All the workmen were in the Madhuband Colliery when nationalisation came. I have held above that they were workmen of the Madhuband Colliery at that time, but even assuming for the sake of arguments but not holding so, that they were the workmen of the contractor, still they will be the workmen of the Madhuband Colliery under the Standing Orders. The Standing Orders are statutory terms of employment between the employer and his employees. See Bagalkot Cement Co. vs. R. K. Pathan, AIR 1963 SC. 439; Workmen of Dewan Tea Estate vs. Management, AIR 1964 SC. 1458. Secondly, if the statutory terms and conditions of service permit an employer to engage a contractor and to treat the workmen under the contractor as the workmen of the employer, they will be the workmen of the employer himself. See Basti Sugar Mills vs. Ram Ujagar, 1963 (II) LLJ. 447 and Caraspur Mills Co. Ltd. vs. Ramanlal Chimanlal 1973 SCC (L&S) 410. Besides, on the findings that the 36 workmen were originally employed by a Coking Coal Mine and their services were subsequently lent to Thapar Intrafor Co. for shaft-sinking work in the mines themselves, will not convert them into workmen of the contractor. The contractor was doing shaft-sinking not in his own mine but in the mines, where the workmen were employed. Their master asked them to do one work instead of another under a different person but that will not bring about any cessation in their service relationship with their master. It was held in P. K. R. Bidi Factory vs. O. L. Thenge, 20 F.L.R. 140 that when the employer, in pursuance of a contract between him and a third party, lends or hires the services of his employees to that third party for a particular work, such an assignment does not effect a transfer of the contract of service between the employer and his employees, but only amounts to a transfer of the benefits of their service. Their Lordships of the Supreme Court summed up the position thus :

"A contract of service being thus incapable of transfer unilaterally, such a transfer of service from one employer to another can only be effected by a tripartite agreement between the employer, the employee and the third party, the effect of which would be to terminate the original contract of service by mutual consent and to make a new contract between the employee and the third party. Therefore, so long as the contract of service is not terminated, a new contract is not made as aforesaid and the employee continues to be in the employment of the employer. Therefore, when an employer orders him to do a certain work for another person, the employee still continues to be in his employment. The only thing that happens in such a case is that he carries out the orders of master. The employee has the right to claim his wages from the employer and not from the third party to whom his services are lent or hired. It may be that such third party may pay his wages during the time that he has hired his services, but that is because of his agreement with the employer. That does not preclude the employee from claiming his wages from the employer. The hirer may also exercise control and direction in the doing of the thing for which he is hired or even the manner in which it is to be done. But if the employee fails to carry out his directions he cannot dismiss him and can only complain to the employer. The right of dismissal vests in the employer."

See also M/s. Ithad Motor Transport (P) Ltd. vs. Bir Singh, 1974 I.L.C. 906. The result is that all the 36 workmen were employees in coking coal mines, and to be precise, in the Madhuband Coking coal mine, on May 1, 1972 when this mine was nationalised. Section 17(1) says that every person who is a workman under section 2(s) of the Industrial Disputes Act, and has been, immediately before May 1, 1972, in the employment of a coking coal mine, shall become on and from May 1, 1972, an employee of the Government company in which the right, title and interest of such mine have vested, and shall hold office or service in the coking coal mine, on the same terms and conditions as would have been admissible to him if the right in relation to such coking coal mine had not been transferred to, and vested in, the Government company, and continue to do so unless and until his employment in such coking coal mine is duly terminated or until his remuneration, terms and conditions of employment are duly altered, by the Government company. These 36 workmen are fully covered by this mandatory statutory provision.

15. The learned counsel for the Bharat Coking Coal Ltd. argued that the claim of these 36 workmen is un-founded in law under sections 9 and 28 of the Coking Coal Mines (Nationalisation) Act. I do not find any force in this argument. Section 9(1) states that every liability of the owner etc. of a coking coal mine, in relation to any period prior to May 1, 1972, shall be the liability of such owner etc. and shall be enforceable against him and not against the Government company. These 36 workmen are not claiming to enforce any liability on the part of the Oriental Coal Co. That company had employed them; that company did not terminate their services; that company did not retrench them, that company does not refuse to employ them; and indeed, it is the Bharat Coking Coal Ltd. which has not employed them on and from the date of nationalisation. Section 9(2)(a) is also inapplicable. There is no claim for any wages, or bonus or provident fund, or pension or gratuity or any other dues in relation to a coking coal mine in respect of any period prior to May 1, 1972. Similarly Section 9(2)(b) has no relevancy.

This provision also prohibits the giving of an award in relation to a coking coal mine, in respect of any matter, claim or dispute which arose before May 1, 1972. No award is intended to be given in respect of any such matter, claim or dispute. Finally, section 9(2)(c) is also inapplicable. It speaks of a liability for the contravention of some provisions of law made before May 1, 1972. There is no such contravention in the instant case. There is certainly contravention of section 17(1), but that contravention took place on May 1, 1972 and not prior to that. Section 28 says that the provisions of this Act shall have effect notwithstanding anything inconsistent therewith contained in any other law. No inconsistency has been pointed out by the learned counsel which will bring this section into play.

16. The learned counsel argued that Thapar Intrafor Co. has already dismissed three of the 36 workmen. However, it is apparent to me that Thapar Intrafor Co. had no legal right to dismiss them because it had only hired the services of these three workmen. Their case is fully covered by the decision of their Lordships of the Supreme Court in P.K.P. Bidi Factory vs. O.I. Thenge Supra. He has further argued that Thapar Intrafor Co. has already retrenched a batch of 27 out of these 36 workmen but that action is also without any validity in law. They were not the employees of Thapar Intrafor Co. That company could only request the Bharat Coking Coal Ltd. to take them back. He has finally argued that Thapar Intrafor Co. is still retaining the services of six out of these 36. That may be so, but these six are not willing to work under that company.

17. In paragraph 6 of the written statement of the Union there is a mention of 17 workmen who were appointed by the Amlabad Colliery Manager for shaft-sinking project in that colliery. While the shaft-sinking work was about to finish in that colliery and about to commence in the Madhuband Colliery, these 17 workmen were retained in the Amlabad Colliery to finish the job in that colliery and the rest were transferred to the Madhuband Colliery. Admittedly, these 17 were absorbed by the Bharat Coking Coal Ltd. after nationalisation. The contention is that their absorption as against the non-absorption of these 36 is a blatant piece of discrimination which disturbs industrial peace and, therefore, these 36 be also absorbed. Basant Ram WW-1 and Ainul Haque WW-2 have deposed about these facts. R. D. Singh WW-3 supports them. He himself was working in the shaft-sinking project at Amlabad and at Madhuband but was finally absorbed with continuity of service. A suggestion was made to Ainul Haque that these 17 were appointed in the Amlabad Colliery after shaft-sinking work was over but he denied that this was so. Basant Ram was not even cross-examined. R. D. Singh's testimony was not challenged. In Workmen vs. Dahingerpur Tea Estate, 1958 (II) LLJ. 498, dealing with the dispute relating to the refusal by a purchaser of a Tea Estate as a going concern to continue in employment some members of the old staff except as new entrants, the Industrial Tribunal found that (a) the tea estate was sold as a running or going concern, with a reservation as to the employment of members of the staff; (b) that all the manual labourers as distinguished from members of the staff were continued in employment on their previous terms with continuity of service; (c) three members of the staff also were continued in employment but as new recruits, without continuity of service; (d) there were no trade reasons or reasons of efficiency for which the remaining 18 or 19 members of the staff were not taken, and (e) the incoming management meant to disturb the staff

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice K. B. Srivastava (Regd.)—Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. K. Yashory, General Manager, Area No. 3.

For the Workmen—Shri S. N. Mishra, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 26th February, 1977

AWARD

The dispute referred is :

(1) Whether the action of the Management of Kharkhree Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited is not regularising Shrimati (i) Tetari Kamin, (ii) Piyari Kamin, (iii) Lalmuni Kamin, and (iv) Parmeshwari Kamin as Shale Pickers is justified ? If not, to what relief is each of the said workmen entitled and from which date ?

(2) Whether the action of the Management of the said Colliery in not regularising as Shale Pickers Shrimati (i) Rambati Kamin, (ii) Girza Kamin and (iii) Kalia Kamin is justified ? If not, to what relief is each of the said workmen entitled and from which date ?

2. R. K. Yashroy, General Manager, Area No. 3 of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. and S. N. Mishra, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, have jointly filed a deed of settlement whereby they have amicably settled the aforesaid two disputes.

3. The award is given in terms of the settlement, which shall form part of the award.

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of Reference No. 18 of 1976

Employers in relation to Kharkhree Colliery.

AND

Their workmen represented by R.C.M.S.

The humble petitioners on behalf of the parties above named, most respectfully beg to submit that instant dispute has been amicably settled between the parties, on the terms stated below :—

Terms of Settlement

(1) It is agreed by the parties that S/Smt. Rambati Kamin and Ram Kalia Kamin shall be put on permanent post with designation of Shale Picker from the date of settlement.

members only and not the labour force of the garden, and nothing else would tend to create unrest more than such discrimination would. The Tribunal, therefore, ordered the reinstatement of all those whose employment had not been continued. The matter went upto the Supreme Court and the Tribunal's award was upheld. To my mind, the Bharat Coking Coal Ltd. was rather unfair in not continuing these 36 workmen in employment when the colliery was nationalised.

18. The question now is as to what relief can be granted. Ramkissun No. 1, Jugal Rajwar, B. K Chakraborti, Ainul Haque, Laffar Rajwar and Neel Kamal Rajwar shall be employed by the Bharat Coking Coal Ltd. with continuity of service but they shall not get any back wages for the period prior to the date of the enforceability of the award because these six are in employment and are getting wages. R. S Sarkar, Chater Singh and Krishna Dubey shall also be employed by the Bharat Coking Coal Limited with continuity of service with full back wages from the date on which they were dismissed by the Thapar Intrafor Co. The rest of the 36 workmen shall also be employed by the Bharat Coking Coal Ltd. with continuity of service but they will get their back wages only from July 6, 1975 because they were not sitting idle till that date.

This is my award.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. I-2012/66/74-LR. II/D. III(A)]

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 978.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kharkhree Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kharkhree, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th March, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 18 of 1976

(Ministry5s Order No. L-20012/140/76DIIIA, dt 26-11-1976)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kharkhree Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kharkhree (Dhanbad).

(2) It is agreed that the dispute about the workmen listed in para 1 of the Schedule has already been settled as they have been placed as permanent Shale Picker with effect from 1-10-76.

(3) It is agreed by the Union/Workmen that the claim of the rest of the workmen listed in para 2 of the Schedule is given up by the Union.

(4) It is agreed that the parties shall have no further claim whatsoever against each other on this account and the present dispute stands finally and fully resolved as a result of this settlement.

The humble petitioners pray that Hon'ble Tribunal may be pleased to accept the settlement and pass an award in terms thereof.

S. N. Mishra,
For the workmen.

R. K. Yashory,
For the Employers.

Secretary

R.C.M.S. General Manager
Area No. 3.

Dated : 26-2-1977.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-20012/140/76/DIIIA]

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 979.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dobary Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th March, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 16 of 1976

(Ministry's Order No. L-20012/114/76/DIIIA, dt. 24-11-1976)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dobary Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. Post Office Jharia, District Dhanbad.

155 GI/76—13

AND

Their workmen.

Mr. Justice K. B. Srivastava (Retd.)—Presiding Officer.

APPFARANCES :

For the Employers—Shri S. R. Sinha, Manager, and Shri B. M. Bhardwaj, Personnel Officer, Dobary Colliery.

For the Workmen—Shri Nitya Nand Singh, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, and Shri Budhu Manjhi, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dobary Unit.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 28th February, 1977

AWARD

The dispute referred is whether the action of the Management of Dobary Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited in stopping Lusu Manjhi, Miner, from work with effect from 2nd September, 1975, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

2. S. R. Singh, Manager, Dobary Colliery ; B. M. Bhardwaj, Personnel Officer, Dobary Colliery ; Nitya Nand Singh, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union and Budhu Manjhi, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dobary Unit, have amicably settled the aforesaid dispute.

3. The award is made in terms of that settlement and the settlement shall form part of the award.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In Ref. No. 16 of 1976

Employers in relation to Dobary Colliery.

AND

Their workmen, represented by Bihar Colliery Kamgar Union.

Joint petition of the Compromise settlement

The petition on behalf of the parties above-named most respectfully pray that the parties have arrived at a voluntary settlement of the above dispute on the terms stated below :—

Terms of Settlement

1. The parties agree that Shri Lusu Manjhi, the concerned workman shall be reinstated in his original

post, in Dobaty Colliery within 15 days of his reporting for duty to the Manager of the Colliery.

2. The Parties agree that the continuity of service of the workman shall be maintained and the period of his idleness from to the date of his re-instatement shall be deemed to be leave without pay for the purpose of gratuity and retrenchment etc.
3. The parties agree that if the workman fails to report for duty within 30 days from the date of this petition, all his claims for any relief whatsoever, shall stand forfeited.
4. The management agrees to pay the cost of Rs. 100 to the representative of the Union on the date of filing of the petition.

The petitioners pray that the Hon. Tribunal may be pleased to accept the above settlement and pass award in terms thereof.

For the Management :

(S. R. Sinha)

Manager.

(B. M. Bhardwaj)

Personnel Officer, Dobaty Colliery.

Dated : 28-2-1977.

For Workmen :

(Nitya Nand Singh)

Secy. Bihar Colliery,

Kamgar Union.

(Budhu Manjhi)

Secy. Bihar Colliery,

Kamgar Union.

[No. I-20012/114/76/DIII A]

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer.

S.O. 980.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Khas Jeenagora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th March, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT (NO. 3) AT DHANBAD

Reference No. 31 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of South Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Khas Jeenagora, District Dhanbad.

Versus

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri P. K. Burman, Junior Law Officer.

On behalf of the Workmen—Shri P. K. Bose, Secretary, R.C.M. Sangh.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 1st March, 1977

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, in which Shri Govinda Bouri, the concerned

workman, is involved for the stoppage from work with effect from 3-8-1975 and it has been sent to this Tribunal under Order No. I-20012(27)/76-D-III(A) dated 31st May, 1976, and the adjudication is regarding the justifiability of the stoppage of work with effect from the above date. The schedule of reference runs as follows :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of South Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Khas Jeenagora, District Dhanbad in stopping from work Shri Govinda Bouri a workman of their Colliery with effect from 3-8-75 is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. In the written statement on behalf of the workmen it has been contended that he was employed in the capacity of Wagon Loader-cum-Soft Coke Stacker in the South Tisra Colliery continuously for over three years and the management stopped him from work with effect from 3-8-75 without assigning any reason. It has been further said that there is a general practice in the coal mining industry that Wagon loaders are also provided with alternative employment on days which there are no railway wagons to load and Govinda Bouri was working as regular Wagon Loader and on days when there was no Wagon he along with other wagon loaders used to stack soft coke at the colliery siding. He was never declared surplus and the stoppage of work amounts to termination of services which is clear indication of the malafide intention of the management and unfair labour practice.

3. On behalf of the management the case is that the concerned workman is a casual worker employed intermittently in casual vacancies in the depot as and when available. In order to have proper control over the deployment of casual labour in the colliery the management decided to record the particulars and photographs of the casual workers in the identity card register. Accordingly, in August and September, 1974 all the causal workers in the colliery were photographed and their bio-data were recorded. But at that time the concerned workman did not present himself and therefore his name was not entered in the approved list of casual workers.

4. It is also contended that from the beginning of August 1975, the daily demand of casual labourers in the colliery decreased and consequently the concerned workman being not an approved casual worker could not be provided with work since that time. It is denied that the management intentionally stopped the concerned workman from work with effect from 3-8-75.

5. It may be mentioned that the Branch Secretary of the Union of the concerned workman raised issue before the management by his letter dated 28-8-75. Thereafter, by the letter dated 23-10-75 the issue was raised before the Assistant Labour Commissioner(C), Dhanbad III who took up the matter in the conciliation proceedings. The management, however, refused to settle the issue and the conciliation proceeding ended in failure. Then the Assistant Labour Commissioner(C) sent failure report to the Government and thereafter reference was made.

6. In support of his case the workman has examined himself as WW-1 and has brought on record certain documents. Ext. W-1 is the attested true copy of the charge-sheet to Bhagwat Singh dated 14-8-75 and its original is Ext. W-4. Ext. W-2 is the attested true copy of the reply by Bhagwat Singh and its office copy is Ext. W-5. Ext. W-3 is the attested true copy of the letter to Bhagwat Singh and the original letter is Ext. W-6. Ext. W-7 is the carbon copy of the letter dated 25th December, 1975 from the Manager, South Tisra Colliery to the Assistant Labour Commissioner(C), Dhanbad, giving details of employment of Shri Govinda Bouri, the concerned workman.

7. The management has examined MW-1 Shri P. S. Chalana, Superintendent, North Tisra Colliery and has produced attested true copy of the approved list of casual workers which is Ext. M-1.

8. Shri Chalana who was Manager of South Tisra Colliery from June, 1973 to April, 1976 has stated that casual workmen used to be employed for loading coal and it was on the availability of wagons. Previously there was no list of casual labourers maintained in the colliery but in August, 1974 photographs of all such workers were taken and identity cards were issued. He says that he knows Govinda Bouri and that he was not in the list of casual workmen photographed. There was instruction to all the loading clerks not to engage any man as a casual worker who was not in the list. But on surprise checking Govinda Bouri was found engaged and immediately charge-sheet was issued against the Loading Clerk. He has proved Ext. M-1.

9. In cross-examination he has admitted that there are a few permanent wagon loaders in the colliery but has denied that casual wagon loaders are engaged in other odd jobs when wagon loading is not done. Subsequently, he has said that there was no permanent nucleus of wagon loader during 1973 to 1975. According to him the South Tisra Colliery maintain papers regarding placement of wagons on the siding but he cannot recollect as to what was the placement of wagons on daily average. Speaking about Govinda Bouri he has stated that he was the only man outside the list found working in the surprise checking. He admits that no notice in writing was given before preparing the list of casual workmen. Loading Clerks were asked to inform the casual workers collectively. At the close of his cross-examination he has stated that general practice in coal mining industry is to engage casual labourers in coal mining and this continues also at present.

10. From the evidence of the witness it is clear that no notice in writing was given to the concerned workman to get himself photographed and it was left with the loading clerks to do it. If the concerned workman was working as casual wagon loader from 1-10-1971 as it would appear from Ext. W-7 there cannot be any earthly reason for his not being present at the time of photograph in 1974 particularly when he was not required to spend anything over it.

11. From Ext. W-2 and Ext. W-5 which is reply of Bhagwat Singh, Loading Clerk, to the charge-sheet given to him it appears that the name of the concerned workman was put in the list of casuals at the time of finalising categorisation and in that view he had been engaged throughout and the most of the time the loading clerk had submitted his name in

the list of casuals. The Loading Clerk came to know that he was non-casual on 7-8-75 when a letter to that effect was given to him by the Welfare Officer. It means that throughout he was working as a casual and there was also a list in which his name had been included. It seems rather strange that it was on 7-8-75 that the loading clerk was informed that he was non-casual, although without being photographed he was working till that date.

12. This explanation of Bhagwat Singh was accepted as it appears from Ext. W-3 and except a mere warning no action was taken against him. It means that what he had stated in his reply was substantially true and, therefore, he was exonerated by the management. That being so, no reliance can be placed on Ext. M-1 and it may be safely concluded that Govinda Bouri was working as casual all along since his appointment and it was on 7-8-75 that he was declared to be a non-casual. He admits that he was not photographed but even then as Ext. W-2 says he was working as casual and was in the list of casual workmen. In that view of the matter, there could not have any justification for the management to stop the concerned workman from work with effect from 3-8-75. According to Ext. W-2 it was for the first time on 7-8-75 that he was declared a non-casual and Ext. W-7 also shows that he worked till 30-7-75. In that view of the matter also there could have been no justification for stopping him from work from 3-8-75.

13. MW-1 has said that the casual workmen were employed depending on the placement of wagons on the siding. He admits that South Tisra Colliery maintains papers regarding placement of wagons on the siding. Those papers have not been produced. Therefore, it is not possible to accept the contention that because of the decreasing availability of wagon number of casual labour was reduced. Although MW-1 has denied that when wagons were not available casual workmen were engaged in other odd jobs, fact of the matter is and it has been asserted by WW-1 that he has been working continuously and there is nothing on record to show that till 2-8-1975 he was allowed to work only intermittently.

14. On the materials available, I have no doubt in my mind that since his appointment on 1-10-1971 he has been working continuously till 30-7-75 and he had also his provident fund accounts. There is no substance in the contention that because of decrease in the placement of wagons number of casual labour was reduced. In fact so far as the concerned workman's case goes the management does not say that he was stopped from work because of non-availability of wagons, rather, it is said that as he was not in the list of casual labourers, he was not allowed to work. I have already examined this aspect of this case and there is no doubt that this part of the management's case cannot be believed.

15. As the position stands, I find that the action of the management of South Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited in stopping from work Shri Govinda Bouri, a workman of their colliery, with effect from 3-8-75 is not justified and he is entitled to be reinstated and get back wages from 3-8-75 till the date of reinstatement.

This is my award.

S. R. SINHA. Presiding Officer

[No. L-20012/27/76/DIIIA]

S. H. S. IYFR, Desk Officer

मई विल्ली, 8 मार्च, 1977

का० आ० 981:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स महालक्ष्मी टिव्स्टिंग वर्क्स, रोड सं० 7 उद्योगनगर, उथना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(494)/76-पी०एफ-2]

New Delhi, the 8th March, 1977

S.O. 981. Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mahalaxami Twisting Works, Road No. 7, Udyognagar, Udhna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of October, 1976.

[No. S. 35019(494)/76-PF.II]

का० आ० 982:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टेक्निकल सेल्स सं० 5 कल्पलेटेन्ट्स (इंडिया) (प्राइवेट) लिमिटेड सं० 150-वी माउन्ट, रोड, मद्रास-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(515)/76-पी०एफ०२(1)]

S.O. 982.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s Technical Sales and Consultants (India) (Private) Limited, No. 150-B, Mount Road, Madras-600002, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (9 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S-35019(515)/76-PF. II(1)]

का० आ० 983:—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में ग्राम्यक जान करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1976 से मैसर्स टेक्निकल सेल्स एंड कल्पलेटेन्ट्स (इंडिया) (प्राइवेट) लिमिटेड सं० 150 बी० माउन्ट रोड मद्रास-2 नामक स्थापन को उक्त परत्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[सं० एस-35019(515)/76-पी०एफ०२(2)]

S.O. 983.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1976 the establishment known as Messrs Technical Sales and Consultants (India) (Private) Limited, No. 150-B, Mount Road, Madras-2, for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35019(515)/76-PF(ii)]

का० आ० 984:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रीत इस्टेट, पीलिकेटा, विक्किन खुर्ग, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(522)/76-पी०एफ०२)]

S.O. 984.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Preeth Estate Pollibetta, South Coorg, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S. 35019/522/76-PF.II]

का० आ० 985:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शेलेश टेक्निकल, बी-1, उद्योगनगर, नवसरी, [जिना झुलमर] नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(524)/76-पी०एफ०२)]

S.O. 985.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shailesh Textile, B-1, Udyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/524/76-PF.II]

का० आ० 986.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आग्रति टेक्स्टाइल्स, माली फलिया, रुद्रपुर, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(526)/76-पौ० एफ०-2]

S.O. 986.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jagruti Textiles, Falia, Ruderpara, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of October, 1976.

[No. S. 35019/526/76-PF.II]

का० आ० 987.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राजेन रेयन, रुद्रपुरा, माली फलिया, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(527)/76-पौ० एफ०-2]

S.O. 987.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajesh Rayon, Ruderpara, Mali Falia, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of October, 1976.

[No. S. 35019/527/76-PF.II]

का० आ० 988.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विलीप बीकिंग वर्क्स, रुद्रपुरा, माली फलिया, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझा जाएगी।

[सं० एस-35019(528)/76-पौ० एफ०-2]

S.O. 988.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s Dilip Weaving Works, Ruderpara, Mali Falia, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of October, 1976.

[No. S-35019(528)/76-PF.II]

का० आ० 989.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राजेन रेयन, रुद्रपुरा, माली फलिया, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 नवंबर, 1976 को प्रवृत्त समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(532)/76-पौ० एफ०-2]

S.O. 989.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rani Textiles, B-1, Udyognagar, Navsari Distt. Bulsar have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S-35019(532)/76-PF.II]

का०आ० 990.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं झंसी रेयर, रुद्रपुरा, माली फूलिया, सूरत नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-30019(534)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 990.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rushi Rayon, Ruderpura, Mali Falia, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1976.

[No. S. 35019(534)/76-PF.II]

का०आ० 991.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं पालन रेयर, रुद्रपुरा, माली फूलिया, सूरत नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारी जी क्वार्टर्स की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(535)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 991.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Parul Rayon, Ruderpura, Mali Falia, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1976.

[No. S. 35019(535)/76-PF.II]

का०आ० 992.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं सज्ज ट्रेडर्स, बगियानी दरवाजा के बाहर, फटकाडावाडी, सूरत, नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(541)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 992.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employers in relation to the establishment known as M/s. Sanjay Traders, outside Variyani Darwaja, Fatakadawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S-35019(541)/76-PF.II]

का०आ० 993.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं गुजरात मित्रा एडम, गुजरात मित्रा भवन, पुराना मित्रिल अस्पताल के पास, सूरत, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(543)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 993.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gujarat Mitra Ads. Gujarat Mitra Bhavan, Near old Civil Hospital, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S-35019(543)/76-PF.II]

का०आ० 994.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं आशिष टेक्स्टाइल्स नानी बेगमबाडी, सलाबतपुरा, सूरत, नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(544)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 994.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ashish Textile, Nani Begamwadi, Salabatpura, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1976.

[No. S. 35019(544)/76-PF.II]

का०आ० 995.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भारत ऑवरसीज लिमिटेड कम्पनी, 24/B० सैयद अमीर अली एंड बेंट्टू, कलकत्ता-17, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मिस्रवर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस-35017(1)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 995.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Overseas Skin Company, 24/B, Sayed Amir Ali Avenue, Calcutta-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1975.

[No. S. 35017/1/77-PF.II]

का०आ० 996.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डी० एस० पी० एम्प्लाईज कोऑपरेटिव क्रोडिट सोसाइटी लिमिटेड बेनाचिटी हाउस, कमरा सं० 3 से 8, दुर्गपुर-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अधिसूचना इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस-35017(3)/76-पी० एफ०-2]

S.O. 996.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs D. S. P. Employees Cooperative Credit Society Limited, Benachity House, Rooms No. 3 to 8, Durgapur-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35017(3)/77-PF.III]

का०आ० 997.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स साधना मर्केज (प्राइवेट) लिमिटेड, 14 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अधिसूचना इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस-35017(34)/76-पी० एफ०-2(1)]

S.O. 997.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sadhna Services (Private) Limited, 14, Netaji Subhas Road, Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S. 35017(34)/76-PF.II]

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1977

का०आ० 998.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के अमंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 2058, तारीख 31 मई, 1976 के अनुक्रम में बामोदर घाटी निगम उपस्थान हावड़ा को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, 1 अप्रैल, 1977 से 31 मार्च, 1978 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—(1) उक्त कारबाने का नियोजक, उम प्रबंध की बाबत जिसके दौरान उम कारबाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तनान था जिसे इसके पश्चात् उक्त प्रबंध कहा गया है), ऐसी विवरणियों, ऐसे प्रलय में और ऐसी विशिष्टियों महिल देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त प्रबंध की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकरण कोई अन्य पदधारी—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त प्रबंध की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ या

(ii) यह अधिनियम करते के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (माधारण) विनियम 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिनेत्र, उक्त प्रबंध के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अधिनियम करते के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिकलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु स्वरूप में पाने का हक्कादार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अधिनियम करते के प्रयोजनार्थ कि उस प्रबंध के दौरान, जब उक्त कारबाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त हो, ऐसे किसी उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए समर्पित होगा :—

(क) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी अवश्यक समझना है; या

(ग) ऐसे प्रधान या प्रब्लेमिंग नियोजक के अधिसूचित किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित गंभीर प्रवेश करना और उसके प्रधारी में वह प्रोक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के रान्द्राय से सम्बन्धित ऐसे नेतृत्व, अधियों और अन्य दस्तावेज, ऐसे नियोजक या अन्य प्रधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या प्रब्लेमिंग नियोजक की, उसके अधिकारी या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त नियोजक या अन्य प्रधारी के पास वह विषयास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, नेतृत्वात्मक या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना।

[मं. प्रम-38014/2/77-एच. आई]

New Delhi, the 9th March, 1977

S.O. 998.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2058, dated the 31st May, 1976, the Central Government hereby exempts the Damodar Valley Corporation Sub-Station, Howrah, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st April, 1977 upto and inclusive of the 31st March, 1978.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/2/77-HI]

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1977

का०आ० 999.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (3) के अनुरूप (क) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के अमंत्रालय की प्रधिसूचना संघर्ष का०आ० 55 (ई) तारीख 31-1-1977 के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार निवेद देती है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के अनुरूप (क) या अनुरूप (ख) के प्रधीन छूट प्राप्त स्थापन के संबंध में या कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के यथास्थिति, पैरा 27 या पैरा 27के प्रधीन छूट प्राप्त किसी कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग से सम्बद्ध प्रत्येक नियोजक उस स्थापन या, जैसी भी स्थिति हो कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग के संबंध में, प्रत्येक नियोजक भविष्य निधि के मासिक अभिवाय उस स्थापन की आवत्त सम्पर्क स्पष्ट से गठित व्यासी बोर्ड को मासान्त के पन्द्रह विन के भीतर अन्तरिक कर देगा और उक्त व्यासी बोर्ड, यथास्थिति, उस स्थापन या कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग के संबंध में भविष्य निधि संचयनों को, अर्थात् प्रधिदायों, व्याज और अन्य प्राप्तियों को, बाष्पकर निर्माणों को कम करके, निम्नलिखित रीति के अनुमार, हर मास नियोजकों से उक्त रकमों की प्राप्ति की तारीख से दो मासान्त की अवधि के भीतर, विनिहित करेगा, अर्थात् :—

- (i) केन्द्रीय सरकार द्वारा सूष्ट तथा निर्गमित, लोक) 25 प्र० से अर्ण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) धारा } अन्यून 2 के अनुरूप (2) में यथा परिभायित, सरकारी प्रतिभूतियां।
- (ii) किसी भी राज्य सरकार द्वारा सूष्ट तथा निर्गमित) 25 प्र० से लोक अर्ण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) } अन्यून की धारा 2 के अनुरूप (2) में यथा परिभायित, सरकारी प्रतिभूतियां।
- (iii) कोई अन्य परिकाम्य प्रतिभूतियां या बाड़, जिनका } 25 प्र० से मूलधन तथा जिन पर व्याज केन्द्रीय सरकार अन्यून या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः तथा बिना } शर्त गारण्टी की गई हो।
- (iv) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र (हमरा और) 30 प्र० से तीसरा निर्गम) या आकबर सावधि नियोग। } अनधिक
- (v) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य) 20 प्र० से विभाग) की प्रधिसूचना संघर्ष सफ-16(1) पी डी/ } अनधिक 75, तारीख 30-6-1975 द्वारा प्रारंभ की गई } विशेष नियोग योजना।

2. विनिधान की उपर्युक्त रीति पहली अप्रैल, 1977 से 30 जून, 1977 तक प्रवृत्त रहेगी। इस अवधि के दौरान परिषक्षण हो जाने वाले

डाकघर सावधि निक्षेप के पुनर्विनिधान का 50 प्रतिशत डाकघर सावधि निक्षेप में और 50 प्र० विशेष निक्षेप योजना में किया जाएगा। उपर्युक्त के प्रधीन रहते हुए, भविष्य निधि संचयनों की अन्य सभी परिपक्व राशियों का पुनर्विनिधान ऊपर पैरा 1 में उल्लिखित रीति के अनुसार किया जाना जारी रहेगा।

3. न्यायी बोर्ड संचयनों के पूर्वोक्त निवेशों के अनुसार सरकार विनिधान या पुनर्विनिधान के लिए उचित प्रक्रिया बनाएगा।

[सं. जी. 27035(5)/76-पी० एफ० I(i)]

New Delhi, the 15th March 1977

S. O. 999.—In exercise of the powers conferred by Clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour No. S.O. 55(E) dated 31st January, 1977 the Central Government hereby directs that every employer in relation to an establishment exempted under clause (a) or clause (b) of sub-section (1) of section 17 of the said Act or in relation to any employee or class of employees exempted under paragraph 27, or as the case may be, paragraph 27A of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, shall transfer the monthly provident fund contributions, in respect of the establishment or, as the case may be, or the employee or class of employees within fifteen days of the close of the month to the Board of Trustees, duly constituted in respect of that establishment, and that the said Board of Trustees shall invest every month within a period of two weeks from the date of receipt of the said contributions from the employer, the Provident Fund accumulations in respect of the establishment or as the case may be, of the employee, or class of employees that is to say, the contributions, interest and other receipts as reduced by any obligatory outgoings, in accordance with the following pattern, namely :—

(i) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by the Central Government	Not less than 25%	Not less than 25 %	अन्यून
(ii) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government,			
(iii) Any other negotiable securities or bonds, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government.			
(iv) 7-Year National Savings Certificates (Second Issue and Third Issue) or Post Office Time Deposits.	Not exceeding 30%	अन्यून	
(v) Special Deposit Scheme introduced by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F.16 (1)—PD/75 dated 30th June, 1975.	Not exceeding 20%.		

2. The above pattern will be in force from the 1st April, 1977 to 30th June, 1977. Re-investment of Post Office Time Deposits maturing during this period shall be made 50% in Post Office Time Deposits and 50% in Special Deposits. Subject to this, re-investment of all other maturities of Provident Fund accumulations shall continue to be made in accordance with the pattern mentioned in paragraph 1 above.

3. The Board of Trustees shall formulate proper procedure for prompt investment or re-investment of accumulations in accordance with the aforesaid directions.

[No. G. 27035(5)/76-PFI(i)]

का०आ० 1000.—कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 52 के उप पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के अमंत्रालय की अधिसूचना संघ्या का०आ० 56(ई) तारीख 31 जनवरी, 1977 के अनुक्रम में, केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि निधि की सारी राशियों को उल्लिखित रीति के अनुसार विनिहित किया जाएगा :—

(i) केन्द्रीय सरकार द्वारा सूष्ट तथा निर्गमित लोक अर्थ अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की अन्यून द्वारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभासित सरकारी प्रतिमूलियां।	25 प्र० से
(ii) किसी भी राज्य सरकार द्वारा सूष्ट तथा निर्गमित लोक अर्थ अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की द्वारा 2 के खण्ड (2) में यथा परिभासित सरकारी प्रतिमूलियां।	25 प्र० से
(iii) कोई अन्य प्रतिक्रिया प्रतिमूलियां या बाज़, जिनका मूलधन तथा जिन पर अंज केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः तथा बिना शर्त गारंटी की गई हों।	
(iv) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रभागपत्र (द्विसाल और तीसाल निर्वय) या डाकघर सावधि निक्षेप।	30 प्र० से
(v) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना मंड्या एफ० 16(1)/ पी ई/75, तारीख 30-6-1975 द्वारा आरंभ की गई विशेष निक्षेप योजना।	20 प्र० से

2. विनिधान की उपर्युक्त रीति पहले अप्रैल, 1977 से 30 जून, 1977 तक प्रवृत्त होगी। इस अवधि के दौरान परिपक्व हो जाने वाले डाकघर सावधि निक्षेप के पुनर्विनिधान का 50 प्र० डाकघर सावधि निक्षेप में और 50 प्र० विशेष निक्षेप योजना में किया जाएगा। उपर्युक्त के प्रधीन रहते हुए, भविष्य निधि संचयनों की अन्य सभी परिपक्व राशियों का पुनर्विनिधान ऊपर पैरा-1 में उल्लिखित रीति के अनुसार किया जाना जारी रहेगा।

[सं. जी. 27035(5)/76-पी० एफ० I (ii)]

S.O. 1000.—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of Paragraph 52 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 56(E) dated 31st January, 1977 the Central Government hereby directs that all monies belonging to the Fund shall be invested in accordance with the following pattern, namely :—

(i) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by the Central Government.	Not less than 25%
---	-------------------

(ii) Government securities as defined in Clause (2) of Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government.	Not less than 25%
(iii) Any other negotiable securities or bonds, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government.	
(iv) 7-Year National Savings Certificates (Second Issue and Third Issue) or Post Office Time Deposits	Not exceeding 30%
(v) Special Deposit Scheme introduced by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F.16(1)-PD/75 dated the 30th June, 1975.	Not exceeding 20%

2. The above pattern will be in force from the 1st April, 1977 to 30th June, 1977. Reinvestment of Post Office Time Deposits maturing during this period shall be made 50% in Post Office Time Deposits and 50% in Special Deposits. Subject to this, reinvestment of all other maturities of Provident Fund accumulations shall continue to be made in accordance with the pattern mentioned in paragraph 1 above.

[No. G. 27035(5)/76-PFI(ii)]

नई विस्ती, 17 मार्च, 1977

का०आ० 1001—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 27 मार्च, 1977 को उस तारीख के रूप में नियम करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 [धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं] के उपर्युक्त अन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

गण्डूर तालुक, गण्डूर जिला आन्ध्र प्रदेश के कोरिटेपाडु, गोरंतला, लाम, नालापाडु, ब्रंकिरेडिपलम, पेरोचेरला, पोयूर, चौड़ावरम, रामचन्द्रपुर-अग्राहरम, इट्कूर और कोरनेपाडु के गांव में आने वाले क्षेत्र।

[सं० 38013 (26)/74-एच० प्राई०]

New Delhi, the 17th March, 1977

S.O. 1001.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 27th March, 1977, as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh, namely:—

The areas comprising the villages of Koritepadu, Gorantla, Lam, Nallapadu, Ankireddipalam, Peracherla, Pothur, Chowdavaram, Ramchandrapura-agravaram, Etukur and Korrepadu in Guntur Taluk, Guntur District, Andhra Pradesh.

[No. S-38013/26/74-HI]

नई विस्ती, 8 मार्च, 1977

का०आ० 1002—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 27 मार्च, 1977 को उस तारीख के रूप में नियम करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 [धारा 76 की उपधारा (1) और 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं] के उपर्युक्त कानूनिक राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

प्राम	होबली	तालुक	जिला
1. कादुगोदी प्लान्ट	बिवाराहल्ली	होस्कोट	बंगलोर
टेशन			
2. बोम्मेनाहल्ली	बिवाराहल्ली	होस्कोट	बंगलोर
3. पट्टनदूर अगराहारा	कुण्डाराजपुरम	बंगलोर साउथ	बंगलोर
4 हुडी	कुण्डाराजपुरम	बंगलोर साउथ	बंगलोर
5 कादिरेनाहल्ली	उथाराहल्ली	बंगलोर साउथ	बंगलोर

[सं० एम०-38013/30/76-एच० प्राई०]

एम० एम० सहस्रानामन, उप-सचिव

New Delhi, the 18th March, 1977

S.O. 1002.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 27th March, 1977 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Karnataka, namely :—

Village	Hobli	Taluk	District
1. Kadugodi Plantation	Bidarahalli	Hoskote	Bangalore
2. Bommennahalli	Bidarahalli	Hoskote	Bangalore
3. Pattandur-Agrahara	Krishnaraj-puram	Bangalore South	Bangalore
4. Hoodi	Krishnaraj-puram	Bangalore South	Bangalore
5. Kadirenahalli	Utharahalli	Bangalore South	Bangalore

[No. S-38013/30/76-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 10th March, 1977

S.O. 1003.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relations to the management of Satalkhedi Lime Stone Quarry of M/s. Raj Flooring Stone Company, Ramgundam and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th March, 1977.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGI/TLC(R) (13)/76

PARTIES :

Management of Satalkhedi Lime Stone Quarry of M/s. Raj Flooring Stone Company, Ramgunjmandi and their workmen represented through the Pathar Khan Mazdoor Sangh, Kota (Rajasthan).

APPFARANCES :

For Workman—Shri M. P. Sharma, President of the Union.

For Management—Shri Sakhi Ahmad Qureshi.

INDUSTRY : Stone mine

DISTRICT : Kota (Rajasthan)

New Delhi, the 24th February, 1977

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L 29012(10)/72-LR-IV dated 24th June, 1972 for the adjudication of the following industrial dispute:—

"Whether the management of Messrs Raj Flooring Stone Company, Ramgunjmandi (District Kota) was justified in terminating the lien of Shrimati Bhuri Sewaram, Female Mazdoor, employed in their Satalkheri Lime Stone Quarry, with effect from 4th January, 1971 and subsequently not retaining her name on the badli list of the Quarry? If not, to what relief is she entitled?"

2. Parties entered into a settlement and pressed for a no claim award. According to the settlement the workman, Shrimati Bhuri Bai has received Rs. 800/- from the employer in lieu of her claim for back wages, bonus etc. She does not want to serve with the said employer and is not keen to press the reference. The terms of the settlement are verified. Accordingly a no dispute award is given in terms of the settlement which shall form part of the award.

न्यायालय माननीय मेन्ट्रोफ गवर्नमेंट इण्डिस्ट्रियल ट्रिव्यूनल-कम-
लेवर कॉर्ट, जबलपुर

केस सं. मी० जी० प्रा० ई० ई०/एल सी० (शार) (13)/76

पत्थरखान मजदूर संघ कोटा..... (प्रार्थी) :—

विरुद्ध

मे० राज फ्लोरिंग स्टोन कम्पनी..... प्रतिप्रार्थी)

माननीय महोदय,

उपरोक्त प्रकारण में बाह्य पक्षाकारान निम्नलिखित समझौता हो गया है:—

(1) यह कि अमिक भूरीबाई अब प्रतिप्रार्थी के यहां नौकरी करना नहीं चाहती है। अमिक भूरीबाई के जो भी बैंक येजेज, बोनस, लीव विध बेजेज, प्रेष्युटी, पशार आदि में भाग्यन्धित जो भी कर्मस थे उनकी एवज में अमिक भूरीबाई ने रुपये 800 प्रतिप्रार्थी से प्राप्त कर लिए हैं। इस रकम के प्राप्त करने के बाद अमिक भूरीबाई के किसी भी प्रकार के कार्य क्षेत्र में प्रतिप्रार्थी की ओर आको नहीं रहे।

(2) यह कि उभयपक्ष इस प्रार्थना-पत्र का व्यय अपना-अपना भुगतांगे।

(3) यह कि अमिक भूरीबाई कुकि अब प्रतिप्रार्थी के यहां नौकरी करना नहीं चाहती है तथा उन्हें अपने नमाम क्लोस की एवज में कालम नम्बर 1 में वर्णित रुकम रुपये 800 प्राप्त कर लिए हैं। इस कारण

प्रार्थी अब यह प्रार्थना-पत्र उपरोक्त समझौते के अनुसार निरस्त करने की कृपा की जावे।

दिनांक : 9-1-1977

प्रार्थी :

महावीर प्रभाद शर्मा अध्यक्ष,
पत्थर खान मजदूर संघ, कोटा
मे० राज फ्लोरिंग स्टोन कॉ०, रामगंजमंडी,
जिला कोटा—प्रतिप्रार्थी
मखो अहमद कुरेशी भारीदार।

S. N. JOHRI, Presiding Officer
[No. L-29012/10/72-LR-IV]
V. VELAYUDHAN, Under Secy.

New Delhi, the 18th March, 1977

S.O. 1004.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Algemene Bank Nederland N. V. and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-3-77.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Reference No. 26 of 1976

PARTIES :

Employers in relation to the management of Algemene Bank Nederland N.V.

AND

Their Workmen

PRESENT :

On behalf of Employers—Mr S. R. Das, an officer of the Bank.

On behalf of the Workmen—Sri S. C. Sarkar, Vice-President of the Union.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal Mine

AWARD

By Order No. L. 12011/29/76-D. IIA, dated 2nd September, 1976, the Government of India, Ministry of Labour, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Algemene Bank Nederland N.V. and their workmen to this Tribunal for adjudication. The reference reads :

Whether the management of Algemene Bank Nederland, N.V. are justified in making transfer of general clerks to cash counter to work as cashier/clerk in Cash Deptt./Cash clerk and if not, to what service conditions and benefits the persons so transferred will be entitled?

2. Both sides filed written statement raising rival contentions, but when the reference came up for hearing to-day settlement of the question involved in the reference between the parties was reported. A joint statement was accordingly filed by the employer and the Union of the workmen reporting settlement out of court.

3. In the result, a "no dispute" award is passed in the reference.

E. K. MOIDU, Presiding Officer
Dated, Calcutta, the 4th March, 1977.

[F. No. L-12011/29/76-D. II, A]

S.O. 1005.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the State Bank of Bikaner & Jaipur their workmen, which was received by the Central Government on the 2-3-77.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN,
JAIPUR

Case No. CIT 6 of 1973

REFERENCE :

Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, Deptt. of Labour & Employment, New Delhi, Notification No. L. 12012/3/73-LR.JII dated the 12th September, 1973.

In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN
Shri Bal Singh, Peon.
AND

The State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur.

APPEARANCES :

For the workman—Shri Mahesh Mishra.
For the Bank—Shri S. B. L. Agarwal.

AWARD

By its Notification quoted above, the Central Government has referred the following dispute between the State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman Shri Bal Singh, to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of Shri Bal Singh, Peon with effect from the 4th August, 1972 is justified? If not to what relief is the concerned workman entitled?"

The parties submitted their respective statement of claims. They also led evidence. When the case was ripe for final arguments, the parties submitted a settlement in writing and prayed for award in terms thereof. The deed of settlement was duly attested. The settlement arrived at between the parties appears to be just and proper. In view of the mutual settlement of the dispute between the parties, I pass the award in the following terms :

- (1) The workman Shri Bal Singh will be taken in employment by the State Bank of Bikaner and Jaipur initially on probation for a period of six months and he will be confirmed in service thereafter, subject to satisfactory service during the probationary period ; and
- (2) The workman Shri Bal Singh will not be entitled to back wages or retrenchment compensation or compensation of any other sort for any period as he has relinquished all his claims pertaining to them.

Parties shall bear their own costs of this Tribunal. The award is submitted to the Central Government for publication as required in law.

Dated the 22nd February, 1977.

S. S. BYAS, Presiding Officer
[F. No. L-12012/3/73-LR.JII/D.IIA]
R. P. NARULA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

पूर्ण विवरण विवरक का कार्यालय

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1977

का. आ. 1006!—भारत सरकार वित्त मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग) के दिनांक पहली फरवरी, 1969 की अधिसूचना संख्या एस.ओ. 558 के साथ प्रकाशित पूर्ण नियंत्रण (कूट) आदेश, 1969 के विरागक 5 के परन्तुकों की धारा (ix) के अनुसार में उक्त विरागक के प्रयोजन

के लिए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निवेश केती है कि 1977 के कैलेंडर वर्ष के दौरान प्रस्ताव के समय-निर्धारण के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना 16 अगस्त से 31 अगस्त, 1977 (इसमें दोनों दिन शामिल है) तक की अवधि के दौरान प्रतिक्रिया लिमिटेड कंपनी द्वारा 249 लाख रुपए (सांकेतिक मूल्य) (सरकार और गोपनियासियों द्वारा लगाई गई रकम शामिल नहीं है) से प्रधिक की प्रतिभूतियों के लिए कोई प्रस्ताव नहीं किया जाएगा अथवा खुला नहीं रखा जाएगा।

[सं. एफ. 2(2)-सी.सी.आर.०/७७]
जे. पी. मुखर्जी, निवेशक (मिवेश)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(Office of the Controller of Capital Issues)

New Delhi, the 17th March, 1977

S.O. 1006.—In pursuance of Clause (ix) of the proviso to paragraph 5 of the Capital Issues (Exemption) Order, 1969, published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 558, dated the 1-2-1969, the Central Government hereby directs for the purpose of the said paragraph, that during the Calendar year 1977 no offer of securities in excess of Rs. 249 lakhs (nominal value) (exclusive of the amount to be subscribed by the Government and non-residents) by a public limited company shall be made or kept open during the period from the 16th August to 31st August, 1977 (both days inclusive) without obtaining the prior permission of the Central Government as to the timing of the offer.

[No. F. 2(2)-CCI/77]

J. P. MUKHERJEE, Director (Instruments)

संचार मंत्रालय

(आक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1977

का. आ. 1007.—जयपुर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किया जाने की काइल जिन लोगों पर इस प्रतिक्रिया का प्रभाव पड़ने की संभावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय नार नियमावली, 1951 के नियम 434(iii) (भी-भी) में अपेक्षित है जयपुर में चालू समाचार पत्रों में तिकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख में 30 दिनों के भीतर भेजने का कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 2 व 5 दिसम्बर, 1976 के "राजस्थान पत्रिका" "गाढ़दूत" और "नवज्योति" समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनमाधारण से कोई आपत्तियां और सुझाव प्राप्त नहीं हुए।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434(iii) (भी-भी) द्वारा प्रदत्त शर्तयों का प्रयोग करते हुए मन्त्रीनिवेशक, आक-तार ने घोषित किया है, कि तारीख 1-4-1977 से जयपुर का स्थानीय सेशेंसित थोक इस प्रकार होगा :—

जयपुर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :

जयपुर का स्थानीय थोक वही होगा जो जयपुर नगरपालिका के शेषाधिकार के प्रत्यागत आता है।

किन्तु ऐसे टेलीफोन उपभोक्ता, जो कि जयपुर नगरपालिका सीमा के बाहर स्थित हैं लेकिन जिन्हें जयपुर टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली से सेवा प्रदान होती है, तब तक स्थानीय शूलक प्रदान करने रहेंगे, जब तक वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज से 5 किलोमीटर के भीतर हों और उसमें जुड़ रहते हैं।

[मा० 3-25/74-पी एच बी]
प्रा० ना० कौल, नियंत्रक फोन (ई)

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS
(P&T Board)

New Delhi, the 7th March, 1977

S.O. 1007.—Whereas a public notice for revising the local area of Jaipur Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Jaipur, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 2nd and 5th December, 1976 in daily Newspapers 'Rajasthan Patrika', 'Rashtra Dhoop' and 'Nav Jyoti'.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-4-1977 the revised local area of Jaipur shall be as under;

Jaipur Telephone Exchange System :

The local area of Jaipur shall cover an area falling under the jurisdiction of Jaipur Municipality;

Provided that the telephone subscribers located outside Jaipur Municipal limit but who are served from Jaipur Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-25/74-PHB]

P. N. KAUL, Director of Telephones (E)

नई विस्ती 17 मार्च, 1977

पा० आ० 1008—ग्रन्थालयी प्रादेश संचया 627, दिनांक 8 मार्च 1960 द्वारा नागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के प्रतुसार डाक-तार महानियेशक ने जयपुर (कोरापुट) टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-4-77 से प्रमाणित दर प्रणाली नागू करने का निष्काय किया है।

[संचया 5-7/77-पी एच बी]
पी० सी० गुप्ता, सामायक महानियेशक,

New Delhi, the 17th March, 1977

S.O. 1108. In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-4-1977 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Jeypore (Koraput) Telephone Exchange, Orissa Circle.

[No. 5-7/77-PHB]

P. C. GUPTA, Asstt. Director General (PHB)



